डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹71900 10 ग्राम
₹91000 01 किलो
सेंसेक्स 78,699.07 +226.59
डॉलर 85.487 +0.201

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पौष कृष्ण पक्ष 13, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शनिवार, 28 दिसंबर 2024, वर्ष-31, अंक-74, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 दीप्ति के प्रदर्शन की बदौलत भारत ने...

एक नजर

लोजपा-आर के नेता हुलास पांडेय के तीन ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता हुलास पांडे के पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु स्थित ठिकानों पर शुक्रवार को छापा मारा। हुलास पांडे को लोजपा-आर के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का करीबी माना जाता है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में यह कार्रवाई की है। ईडी ने सुबह पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु में हुलास पांडे के ठिकानों पर छापा मारा। जांच एजेंसी ने पटना में गोला रोड स्थित आवास के साथ-साथ दानापुर में भी उनके ठिकानों पर छापा मारा। ईडी को हुलास पांडे की संपत्ति से जुड़ी कई नई जानकारियां मिली हैं।

डॉ. चावला ने संभाला वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ आईएएस डॉ. अरुणीश चावला ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव पद का कार्यभार संभाल लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बुधवार को एक अधिसूचना में डॉ. अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना के अनुसार नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक वह संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। चावला 1 नवंबर, 2023 से रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्यूटिकल्स विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चावला ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है।

द. कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पारित

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट और गहरा गया। राष्ट्रपति यून सुक येओल की तरह कुछ दिन पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाए गए सत्तारूढ़ पार्टी के प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ नेशनल असेंबली ने महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। इस तरह प्रधानमंत्री हान को दो सप्ताह से कम समय में सत्ता से बाहर कर दिया गया।

आज | कल

तीसरी आंख

पीएम मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि, कहा- उनका जीवन एक प्रेरणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डॉ सिंह को 1991 में भारत को नई दिशा देने सहित भारत के विकास में उनके अमूल्य योगदान को याद किया। ज्ञात हो कि भारत के 14वें प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों में से एक डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार देर रात दिल्ली एम्स में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

शुक्रवार की सुबह पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि डॉ मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है और देश के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह का जीवन इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे कोई व्यक्ति चुनौतियों, बाधाओं और जीवन के अभावों को पार कर सकता है और फिर भी अपने लिए एक ऐसी जगह बना सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, मनमोहन सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब था। वह एक प्रतिष्ठित सांसद थे। उनका जीवन हमेशा एक सबक रहेगा कि कैसे एक व्यक्ति अभाव और संघर्ष से ऊपर उठकर सफलता प्राप्त कर सकता है। उन्हें हमेशा एक ईमानदार व्यक्ति, एक महान अर्थशास्त्री और एक ऐसे नेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने सुधारों की एक शृंखला शुरू की। एक अर्थशास्त्री के रूप में, उन्होंने देश को बहुत सारी सेवाएं प्रदान कीं। चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, उन्होंने आरबीआई शेष पेज 11 पर

मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज

● दिल्ली के निगम बोध घाट पर दिन में 11:45 बजे होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को दिन में 11:45 बजे निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय से पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ उनका राजकीय अंतिम संस्कार किए जाने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। इससे पहले, शुक्रवार को कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री से डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और उनके स्मारक के लिए जगह दिए जाने की मांग की थी। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सार्वजनिक) जी पार्थसारथी ने रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (समन्वय) मयंक तिवारी को लिखे पत्र में कहा है, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर, 2024 को रात 9:51 बजे एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में निधन हो गया। सरकार ने निर्णय लिया है कि डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। अंतिम संस्कार 28 दिसंबर, 2024 को पूर्वाह्न 11:45 बजे निगमबोध घाट, नई दिल्ली में शेष पेज 11 पर

नई दिल्ली में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते सीएम हेमंत सोरेन।

मनमोहन सिंह के निधन पर 7 दिन का राष्ट्रीय शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को लेकर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

राज्य में एक जनवरी तक नहीं होंगे कोई भी राजकीय समारोह

रांची। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। ऐसे में 26 दिसंबर से एक जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। साथ ही राज्य के सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते हैं, वे आधे झुके रहेंगे। इस संबंध में हेमंत सरकार के संयुक्त सचिव ने शुक्रवार को पत्र जारी किया है।

रिम्स की स्थिति पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जताई नाराजगी, कहा

बंद कमरों को खोलें और मशीनों का करें इस्तेमाल

- मंत्री ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान का किया निरीक्षण
- सुधार के लिए कई कदम उठाने का दिया आदेश

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) का निरीक्षण किया। मंत्री ने पाया कि अस्पताल में कई कमरे बंद हैं और मशीनें बेकार पड़ी हुई हैं। उन्होंने रिम्स प्रबंधन को फटकार लगाते हुए इन कमरों को खोलने का निर्देश दिया। साथ ही, मशीनों को इस्तेमाल करने का भी निर्देश दिया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ अंसारी ने निरीक्षण के दौरान देखा कि राज्य के सबसे बड़ा अस्पताल होने के बावजूद रिम्स में कई जगह फर्श टूटे हुए हैं। रिम्स में मरीजों के लिए पर्याप्त बेड भी नहीं हैं। अस्पताल की इस स्थिति पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रिम्स में सुधार के लिए कई कदम उठाने का आदेश दिया है। पुराने उपकरणों को बदला जाएगा। इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी और सेंट्रल लैब को जल्द शुरू किया जाएगा। इधर, रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राजकुमार ने शेष पेज 11 पर

इमरजेंसी वार्ड में बेड बढ़ाकर 80 किया जाएगा

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि रिम्स में इमरजेंसी में केवल 40 बेड हैं, जिन्हें बढ़ाकर 80 किया जाएगा। यह काम अगले दो महीने में पूरा हो जाएगा।

लेवी के लिए उग्रवादियों ने मुंशी की हत्या की

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र के उलगाड़ा गांव निवासी वार्ड सदस्य व मुंशी बाल गोविंद साव की उग्रवादियों ने गुरुवार रात धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी। वार्ड सदस्य बाल गोविंद साव उलगाड़ा गांव में औरंगा नदी पर बन रहे पुल निर्माण कार्य में मुंशी का काम करते थे। उग्रवादियों द्वारा लेवी के लिए वार्ड सदस्य की हत्या करने की बात सामने आ रही है। दरअसल पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर बीती रात बाल गोविंद व एक अन्य मुंशी रुके थे। इस दौरान लगभग 8 की संख्या में झारखंड संघर्ष जन मुक्ति मोर्चा के उग्रवादी घटना स्थल पर पहुंचे और मुंशी बाल गोविंद को पकड़ कर अपने साथ नदी किनारे ले गए। उग्रवादियों ने वहां बाल गोविंद साव की जमकर पिटाई की। उसके बाद धारदार हथियार से मारकर उसकी हत्या कर दी। उग्रवादियों ने घटनास्थल पर प्रदीप सिंह के नाम से एक पर्चा भी फेंका कर घटना की जिम्मेदारी ली है। पर्चा में साफ-साफ लिखा शेष पेज 11 पर

रिकॉर्ड रूम के बड़ा बाबू सहकर्मी के साथ घूस लेते गिरफ्तार

नवीन मेल डेस्क

धनबाद। धनबाद के पुराने समाहरणालय में संचालित जिला अभिलेखागार, यानि रिकॉर्ड रूम में प्रधान सहायक (बड़ा बाबू) के पद पर पदस्थापित संजय कुमार और उनके सहकर्मी सोमनाथ चटर्जी को शुक्रवार को एसीबी की टीम ने साढ़े छह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने भिस्तीपाड़ा स्थित देवालय अपार्टमेंट में आरोपी संजय कुमार के फ्लैट में भी दबिश दी। हालांकि, टीम को उनके घर से कुछ हाथ नहीं लगा। एसीबी डीएसपी जीतेंद्र कुमार ने बताया कि दस्तावेज निकालने के नामपर रिश्वत मांगी जा रही थी। इस संबंध में शिकायतकर्ता धैया निवासी मनोहर महतो ने पिछले 20 तारीख को एसीबी में शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि टुंडी क्षेत्र में उनकी एक जमीन है, जिसके सिलसिले में दस्तावेज निकालने को लेकर मनोहर से रिश्वत की मांग की जा रही थी। वहीं, शिकायत का सत्यापन कर टीम ने कार्यालय में दबिश देकर उन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

28 को प्रस्तावित मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम स्थगित

रांची। नामकुम के कुटियाती चौक स्थित आर्मी मैदान में शनिवार (28 दिसंबर) को प्रस्तावित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कार्यक्रम की अगली तिथि जल्द जारी की जाएगी। इस बात की जानकारी शुक्रवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने दी। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर केंद्र सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। ऐसे में झारखंड में भी 26 दिसंबर से एक जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। इसलिए मंईयां सम्मान कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। राजकीय शोक के बाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

71 स्मार्ट शहरों में 9433 स्मार्ट कक्षाएं विकसित

- ये सभी कक्षाएं 2398 सरकारी स्कूलों की हैं
- आईआईएम बेंगलुरु की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईएम बेंगलुरु की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 100 स्मार्ट शहरों में से 71 शहरों ने अब तक 2,398 सरकारी स्कूलों में 9,433 स्मार्ट कक्षाएं विकसित की हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 'स्मार्ट सिटीज मिशन' (एससीएम) द्वारा स्मार्ट क्लासरूम की शुरूआत से कुल नामांकन में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जैसा कि 2015-16 से 2023-24 के बीच 19 शहरों द्वारा रिपोर्ट किए गए डाटा से पता चलता है।

इसके अलावा, आईआईएम बेंगलुरु के अध्ययन में यह कहा गया कि नागपुर में निगरानी उपायों के कार्यान्वयन के बाद कुल अपराध दर में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट में दिखाया गया है कि चेन्नई और तुमकुरु ने स्मार्ट मॉनीटरिंग सिस्टम का लाभ उठाया, अपराधों को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र करने में कानून प्रवर्तन की सहायता के लिए इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के साथ सुरक्षा कैमरों को इकट्ठा किया। स्मार्ट मॉनीटरिंग सिस्टम के कार्यान्वयन से मजबूत सुरक्षा उपायों वाले क्षेत्रों में उत्पीड़न, हमले और अन्य अपराधों की घटनाओं में कमी आई है। इन तीन शहरों में सार्वजनिक स्थानों में महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि की सूचना दी। रिपोर्ट के अनुसार, 93 स्मार्ट शहरों में 59,802 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाए गए हैं। आईसीसीसी के माध्यम से वास्तविक समय की मॉनीटरिंग सिस्टम ने महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरी वातावरण में योगदान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार चेन्नई का 'एज एनालिटिक्स फॉर क्राइम प्रिवेंशन' महिलाओं की शहरी सुरक्षा में एक तकनीकी छलांग है, जिसने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्मार्ट लाइटिंग और पैनिक बटन अपराध को कम कर रहे हैं और महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरी स्थान बना रहे हैं। आईआईएम बेंगलुरु ने स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) की एसएएआर- समीक्षा सीरीज के तहत दो शेष पेज 11 पर

इंडिया

पुलिस को पुलिस ही रहने दो और कोई काम न दो

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पुलिस कानून व्यवस्था और सरकार के प्रतीक के रूप में काम करती है और समाज की समस्याओं से सीधा जूझती है । हर नागरिक, नेता और सरकार को पुलिस के सबसे छोटे कर्मचारी का भी सम्मान करना चाहिए क्योंकि इससे अनुशासन की भावना स्थापित होती है और हम अपने को सुरक्षित समझते हैं।बहुत पहले राँची के एक चर्चित आइपीएस अधिकारी अरविंद पांडेय ने पुलिस की नई परिभाषा बताई थी। सिद्धांतः सेना और पुलिस में यह अंतर है कि पुलिस आंतरिक सुरक्षा या शांति व्यवस्था के लिए होती है,जबकि सेना देश के दुश्मनों से निबटने के लिए। इसलिए लाठी पार्टी आज भी है पहले हल्के हथियार पुलिस को दिए जाते थे पर जब देश के अंदर ही छुपे हुए दुश्मन आक्रमण करने लगे तो पुलिस की कार्यशैली से लेकर हथियारों तक में बड़ा परिवर्तन किया गया। आज पुलिस नामधारी अनेक सुप्रशिक्षित संगठन हैं जो उग्रवादियों, माओवादियों से लेकर अत्याधुनिक हथियारों से लैस बदमाशों से निबटने में सक्षम हैं। पर भारतीय सेना और पुलिस में एक बड़ा अंतर यह है कि जहां सेना अनुशासन के सर्वोच्च मानक की प्रतीक है तो पुलिस की छवि एक दमनकारी या डरावनी सी ही बनी हुई है । यह अलग बात है कि न्यायालयों से लेकर सामाजिक दबाव और मीडिया या फिल्मों के प्रभाव से इस प्रवृति में परिवर्तन भी हुआ है। ब्रिटिश कालीन आपराधिक कानूनों की जगह लेने वाले तीन नए कानून अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कहे जाएंगे। अंग्रेजों की सामंती कानूनी व्यवस्था में बदलाव की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे सरकार ने इन संशोधनों से दूर करने का प्रयास किया है। पर इन कानूनों को लागू करवाने वाली संस्था पुलिस को जब तक देश को गुलाम रखने वाले पुलिस एक्ट, 1861 से मुक्त नहीं किया जाएगा, तब तक नई कानून-व्यवस्था से ज्यादा उम्मीद भी नहीं की जा सकती। वर्ष 1857 की विफल क्रांति के बाद अंग्रेजों ने पुलिस ऐक्ट, 1861 को देश को पूर्णतया गुलाम रखने के लिए बनाया था। इस कानून के अनुसार, पुलिस पूरी तरह सरकार के अधीन है जबकि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में सरकारों को जनता का वोट चाहिए, जिसके लिए सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दलों को बाहुबलियों और माफियाओं से भी परहेज नहीं होता है। सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के इशारे या गंठजोड़ से पुलिस संगठित अपराधों की अनदेखी शुरू कर देती है। जब कानून लागू करने वाली पुलिस ही संगठित अपराधों की अनदेखी करेगी और अपराधी को बचाने के लिए साक्ष्य पेश नहीं करेगी, तब कानून अपराधी को सबूत के अभाव में सजा नहीं दे सकता। ऐसे में संभावना है कि नए कानून भी पुरानी व्यवस्था की तरह अपराधों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित होंगे। सेना की बात करें तो सैन्य कानून की धारा 34 के तहत सेना की सफलता और उसके उद्देश्यों में बाधा आने पर जिम्मेदार सैनिकों के लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान है। पर पुलिस को अपनी जिम्मेदारी का एहसास दिलाने के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। बिहार-झारखंड, मुंबई या यूपी-पंजाब सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में कुछ बाहुबली अगर बड़े माफिया बन पाए, तो वह पुलिस के संरक्षण और परोक्ष सहयोग के कारण ही। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता से बेदखल होने के डर से आपातकाल लगाकर पुलिस से पूरे देश में विपक्षी नेताओं को बिना किसी अपराध के और न्यायालय के आदेश के बिना जेल में बंद करा दिया था। तब आपातकाल हटने के बाद जनता पार्टी की सरकार ने पुलिस व्यवस्था में सुधार करने और उसे जनता के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए पुलिस सुधार आयोग का गठन किया। पर कुछ समय बाद जनता पार्टी सत्ता से बाहर हो गई और सत्ता में आई कांग्रेस ने पुलिस सुधार आयोग की सिफारिशों को नकारते हुए एक और पुलिस आयोग का गठन किया। इस प्रकार वर्ष 1996 तक कई पुलिस आयोग गठित किए गए और उनकी रिपोर्टों में यही कहा गया था कि राज्य पुलिस को इस प्रकार व्यवस्थित किया जाना चाहिए, जिससे राजनेता और नौकरशाह अपने प्रभाव से उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावित न कर सकें पर 1996 तक केंद्र सरकार ने भी पुलिस आयोग की यह रिपोर्ट लागू करने की तरफ कोई कदम नहीं उठाया। असम और यूपी के डीजीपी रहे प्रकाश सिंह ने पुलिस आयोग की रिपोर्ट लागू करवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उस पर 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने सात सूत्रीय पुलिस सुधारों का आदेश दिया और केंद्र व राज्य सरकारों को इन सुधारों को लागू करने के लिए जनवरी, 2007 की समय सीमा तय की। पर अब तक इन सुधारों की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, क्योंकि कोई भी राज्य सरकार पुलिस पर अपना नियंत्रण गंवाना नहीं चाहती थी। आंतरिक सुरक्षा के महत्वपूर्ण तंत्र पुलिस बल को अपने कर्तव्य निर्वहन में सक्षम बनाने के लिए पूरे देश में पुलिस सुधार लागू किए जाने चाहिए। तभी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत बनेगी। तीन नए संशोधित भारतीय कानूनों की सफलता भी पुलिस सुधार पर ही निर्भर है। हालांकि पढ़े लिखे संवेदशील लोगों की संख्या पुलिस बल में बढ़ी है जिससे छवि भी सुधरी है ।पर इसकी प्रतिष्ठा बची रहे यही प्रयास हो।

पंजाब में बेकाबू बस नाले में गिरी, 8 की मौत

● हादसे में 15 लोग घायल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का शेष पेज 11 पर

कोहरे और बादलों के प्रभाव से फसलों को नुकसान की संभावना बढ़ी

लाह कीट के प्रकोप से किसान चिंतित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मौसम में लगातार बदलाव के साथ कोहरे और बादलों की साया से लाही कीट और पाला के प्रभाव को रबी फसलों के भारी नुकसान का कारण बताया जाने लगा है। जबकि कोहरे की साया के देर सुबह हटने से खिली धूप में ठंड से राहत मिलती, बताई जाती है। वैसे, इसी बीच मौसम पूवार्नुमान में 29-30 को बारिश के संकेत के साथ आसमान में बादलों की झिनीं साया में ठंड कम महसूस हो रहा, बताया जाता है। शुक्रवार को भी देर सुबह तक घना कोहरा छाया रहा। हालांकि बाद में धूप निकली। इसमें ठंड का प्रभाव कम बताया गया। इस प्रकार ठंड के मौसम में भी इसके उतार चढ़ाव को खासकर, बुजुर्गों और बीमारों के लिए घातक होता नजर आने लगा है। ऐसे में चिकित्सकों ने बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस दौरान कोहरे और बादलों की साया से मौसमी फसलों के नुकसान किसानों की चिंता का बड़ा कारण बन गया है। किसानों का कहना है कि इससे अरहर, चना, मसूर, सरसों, आलू और गेहूं के फूल और पौधों के कुम्भलाने से इनकी पैदावार काफी हद तक प्रभावित हो जाएगा। ऐसे ही लहलहाती फसलों को देख मन की खुशी के बीच मौसम के बदलता चक्र उनकी चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने कहा कि जब-जब भौंराहा पर्वत बरसात में बादलों और जाड़े के मौसम में कोहरे से ढका रहता है, बारिश और ठंड की संभावना बनी रहती है। जैसा कि इन दिनों रोज ही कमोवेश ऐसी स्थिति बनी रहती है। मगर बताया गया कि मौसम पूवार्नुमान के अनुकूल थोड़ी सी भी बारिश होती है, तो गेहूं की फसल के के पटवन की जरूरत पूरी होने के साथ दलहनी-तेलहनी फसलों पर गिरे लाही कीट के साफ होने से उनके कुंभलाने से पैदावार के नुकसान का खतरा कम हो सकता है। आसमान में हल्के बादलों को देखते हुए इसकी उम्मीद भी की जाने लगी है।

जपला होकर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का होगा परिचालन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। महाकुंभ-2025 के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर कई कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त गाड़ी सं- 08314/ 08313 का परिचालन बरास्ता जपला भी किया जाएगा। यह स्पेशल ट्रेन तितलागढ़-टुंडला-तितलागढ़ कुंभ मेला स्पेशल संख्या-08314 तितलागढ़-टुंडला जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल 09, 16 एवं 23 जनवरी तथा 06, 20 एवं 27 फरवरी (गुरूवार) को तितलागढ़ से 17 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए शनिवार को 2.30 बजे टुंडला जंक्शन पहुंचेगी । यहां से वापसी में गाड़ी संख्या- 08313 टुंडला जंक्शन-तितलागढ़ कुंभ मेला स्पेशल 11, 18 एवं 25 जनवरी तथा 08, 22 फरवरी एवं 01 मार्च (शनिवार) को टुंडला जंक्शन से 5 बजे खुलकर रविवार को 11 बजे तितलागढ़ पहुंचेगी। इस ट्रेन का परिचालन राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, बरकाकाना, टोरी, बरवाडीह, डालटनगंज, गढ़वा रोड, जपला, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मंझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज के रास्ते किया जाएगा। यह जानकारी सरस्वती चन्द्र मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने दी है।

एक नजर

प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला आज

मोहम्मदगंज। प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला शनिवार को कार्यालय सभागार में आयोजित की जाएगी। इसे लेकर बीडीओ रणवीर कुमार ने आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस बाबत जिला कृषि पदाधिकारी के पत्र के आलोक में पूर्वाह्न 11.39 बजे से कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें उन्होंने जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, सांसद-विधायक प्रतिनिधि, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष, बीटीएम,सभी जनसेवक, सभी किसान मित्र और प्रगतिशील किसान की उपस्थिति को अनिवार्य बताते हुए इसमें ससमय उपस्थित होने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रखंड स्तरीय रबी फसल कार्यशाला वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत आयोजित होगी।

अबुआ आवास के लाभुकों के खाता में पहली किस्त की राशि शीघ्र: बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता

उंटारी रोड़। पलामू जिले के उंटारी रोड प्रखंड के बीडीओ श्रवण कुमार भगत ने शुक्रवार को जोगा पंचायत के जोगा,कुल्ही व बिरजा ग्राम में अबुआ आवास के लिए सूचीबद्ध लाभुकों के घर डोर टू डोर तहकिकात किया। उन्होंने बताया कि सूचीबद्ध लाभुकों के घर पहुंचने से यह पता चला कि लाभुक योग्य है या आयोग्य। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकांश योग्य लाभुकों का चयन किया गया, जिन्हें जल्द ही उनके खाते में पहली किस्त की राशि भेजी जाएगी। इस दौरान उन्होंने बिरजा ग्राम में मानसिक व शारीरिक रूप से दिव्यांग 14 वर्षीय श्रवण कुमार से मुलाकात किया। साथ ही उसके परिजनों से दिवयांगता पेंशन के बारे में पूछताछ किया। मौके पर पंचायत सचिव मुन्ना सिंह, पंचायत स्वयंसेवक अजित कुमार मौजूद थे।

गवर्नर रोड में कोयल नदी पर पुल निर्माण की संभावना बढ़ी

केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कादलकुर्मी-जपला मुख्य पथ में रविवारीय साप्ताहिक बाजार से होकर गुजरे गवर्नर रोड में कोयल नदी पर भारी क्षमता के पुल निर्माण को जनहित में अति आवश्यक बताते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन को ज्ञापन सौंपने के बाद इसकी मांग के पूरा होने की संभावना प्रबल हो गई है। ऐसा बताया जाता है। इसे लेकर मंत्री को बताया गया है कि उक्त पुल के बन जाने से गढ़वा जिला के कांडी के पास श्रीनगर-पाण्डुका (बिहार) के बीच सोन नदी पर बन रहे पुल से सीधा अंतर्राज्यीय जुड़ाव हो जाएगा।इससे दोनों राज्यों के बीच मोहम्मदगंज से डेहरी अथवा औरंगाबाद होकर आवागमन में अधिक दूरी काफी कम हो सकता है। मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन तक गढ़वा जिला के कांडी, मझिआंव,भवनाथपुर, केतार सहित सोन नदी से सटे बिहार राज्य के कैमूर व रोहतास जिले के ग्रामीणों को सड़क मार्ग की बेहतर और सुगम सुविधा उपलब्ध हो सकता है। वैसे, भी काफी पहले से ही यही स्टेशन इन इलाके के ग्रामीणों का रेलहेड है। इस स्थान पर पुल बनने से भीमबराज पुल से पाबंदी की स्थिति में छोटे-बड़े कमर्शियल वाहनों का निर्बाध परिचालन इससे होगा। इससे बिहार राज्य के औरंगाबाद, डेहरी और झारखंड के पलामू-गढ़वा जिला से छतीसगढ़, मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश आवागमन में 80 से 100 किमी दूरी कम हो जाएगी।जिसका सीधा फायदा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को भी होगा। साथ ही ग्रामीण इलाकों का नगरीय रूप में व्यावसायिक विकास का मार्ग प्रशस्त होने रोजगार और व्यापार भी बढ़ेगा।

1954 में बना था गवर्नर रोड

कोयल नदी से होकर गवर्नर रोड का निर्माण पहली बार 1954 में किया गया था। जानकार बताते हैं कि अविभाजित बिहार के तत्कालीन गवर्नर आरआर दिवाकर को डेवडीह (कांडी) गांव तक उनके पुरोहित स्व. कृष्णदत्त पाठक के निमंत्रण पर पहुंचने के लिए इस रोड को बनवाया गया था। तभी से यह गवर्नर रोड के नाम से जाना जाता है। आज भी जहां-जहां से होकर गुजरा है, गवर्नर रोड के नाम से भू-अभिलेख में दर्ज किया गया है। जब भीमबराज नहीं बना था, तब तक कोयल नदी पार के लिए पैदल, बैलगाड़ी, मोटर वाहन और नाव से आवागमन किया जाता रहा था। वैसे, आज भी नदी में कम पानी रहने पर लोगों पांव-पैदल आवाजाही करते देखा जाता है।

न्यूज बॉक्स

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर भाजपा ने जताया शोक

हुसैनाबाद। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय प्रसाद गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। कहा कि उन्हें हमेशा देश के अच्छे प्रधानमंत्री के रूप में याद किया जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने देश को आर्थिक रूप से मजबूत किया। आज देश में जो भी चीजें दिख रही हैं, वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की देन हैं। आर्थिक नीतियों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों के कारण ही आज हम दुनियां में बराबरी पर हैं। वह कम बोलते थे, लेकिन उस समय उन्होंने जो निर्णय लिए, वह आज हमें दिखाते हैं कि उन्होंने कितनी सावधानी से निर्णय लिए थे। उन्होंने कहा कि वे दो बार प्रधानमंत्री रहे और 1991 के ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के निमार्ता डॉ. मनमोहन सिंह का 93 वर्ष की आयु में गुरुवार को निधन हो गया। जो देश के लिए अपूरणीय क्षति हुई हैं। जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती हैं।

श्री रामलीला में कलाकारों ने प्रभु श्रीराम की जीवंत चित्रण का उठाया आनंद

हुसैनाबाद। स्थानीय नहर मोड़ स्थित चारधाम मंदिर परिसर में श्री रामलीला के आयोजन में सैकड़ों महिला पुरुष प्रभु श्रीराम का जीवंत चित्रण का आनंद उठा रहे हैं। यूपी प्रयागराज क्षेत्र के रामायण मंडल के धर्मदेव जी ब्यास व उनके मंडली द्वारा प्रभु श्रीराम का जीवंत चित्रण अभिनय की प्रस्तुति से लोग भाव विभोर हो रहे हैं। श्रीरामलीला के छठवें दिन गुरुवार को कलाकारों द्वारा माता सीता खोज व लंका दहन का मनमोहक व प्रेरणादायी प्रसंग का मंचन किया। इस दौरान कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। बीच-बीच में लग रहे श्रीराम के जयकारों से वातावरण श्रीराम मय हो गया। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रामलीला मंचन को देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। श्रीरामलीला देखने जुटे भक्तों ने जय श्रीराम का जयकारा लगाकार कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इससे पूरा क्षेत्र श्रीराम मय हो गया है। यह आयोजन चारधाम मंदिर समिति द्वारा अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में की गई है।

छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण, डीसी व एसपी ने बच्चों को दिए टिप्स

विश्रामपुर। पूनम तिवारी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल के विश्रामपुर व पाटन शाखा के बच्चों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन स्कूल प्रबंधन द्वारा किया गया था। शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य केंद्र गढ़वा जिला स्थित अन्नराज डैम व जिला उद्यान रहा। जहां बच्चों को कई ऐतिहासिक चीजों की जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने वनभोज का भी लुफ्त उठाया।भ्रमण के क्रम में बच्चे गढ़वा कलेक्ट्रियट भी गए.बच्चों के आग्रह पर स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें गढ़वा डीसी शेखर जमुवार व एसपी दीपक कुमार पांडेय से मुलाकात कराया गया।इस मुलाकात के दौरान दोनों आलाधिकारियों ने आईएएस व आईपीएस की तैयारी हेतु बच्चों को कई टिप्स दिया।एसपी दीपक पांडेय ने आईपीएस बनने का सपने रखने वाले बच्चों को अपने कुर्सी पर बैठाकर पद की जिम्मेवारी को समझाया। स्कूल के निदेशक एन के तिवारी ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों का सामान्य ज्ञान तो बढ़ता ही है साथ ही ऐतिहासिक चीजों की व्यापक जानकारी भी मिलती है।शैक्षणिक भ्रमण में छात्र छात्राओं के साथ प्राचार्य आर के सिंह,श्याम कुमार,चंदन कुमार,सोनू कुमार,पूजा कुमारी,काजल कुमारी,शानू कुमारी,स्वीटी कुमारी,वर्षा कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका कुमारी, मंजू कुमारी, कोमल कुमारी, दुर्गा कुमारी,अंशु कुमारी सहित कई शिक्षक शिक्षिका भी शामिल थे।

पूर्व सैनिकों ने 15 जनवरी को थल सेना दिवस मनाने को लेकर की सर्वदलीय बैठक की

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व सैनिक सेवा परिषद की हुसैनाबाद इकाई के पूर्व सैनिकों की सर्वदलीय बैठक स्थानीय कार्यालय में हुई। आगामी 15 जनवरी को थल सेना दिवस मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद की अध्यक्षता व कैप्टन दुखन सिंह की संचालन में हुई बैठक के पूर्व सभी सैनिकों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी। प्रमंडलीय अध्यक्ष कैप्टन दुखन सिंह ने सभी को थल दिवस मनाने हेतु जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने के लिए सभी अपनी अपनी जवाबदेही को भली भांति रूप से निभाएं । संगठन के जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सभी पूर्व सैनिकों से सहयोग करने का आग्रह किया। प्रेमतोष प्रसाद ने कहा कि इस वर्ष भी सभी स्कूली बच्चें, एनएनसीसी कैडेटों के साथ मिलकर क्षेत्र के सभी जनता को भारतीय थल सेना की उपलब्धियों एवं पारा क्रम को समारोह के द्वारा जानकारी पहुंचाने का कार्य करेंगे। जिसके लिए हमारी भारतीय सेना जानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सैन्य संबंधित जानकारी या सैनिक में भर्ती, दाखिला पाने का सुझाव या मार्ग दर्शन देने वाली कोई व्यवस्था संस्थान नहीं है।जिसे नवजवान बच्चों को मार्ग प्रशस्त हो या बच्चों को और कहीं भी देश भक्ति एवं अपनी प्रतिभा को दशार्ने का कोई मंच नहीं मिलती है इसके चलते बच्चे बच्चीयां एनसीसी कैडेट पूर्व सैनिकों के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए काफी उत्साहित रहते हैं। आगे उन्होंने ने कहा कि हम सभी पूर्व सैनिकों का हमेशा प्रयास रहता है कि सभी नवजवान स्कूली बच्चों को सैन्य संबंधित जानकारी एवं अनुसासन की पाठ पढ़ाया जाए। अनुशासन की कमी के चलते ही हमारे क्षेत्र के नौजवान बच्चे आए दिन किसी न किसी गलत कार्य में संलिप्त पाए जाते हैं।आगे उन्होंने थल सैना दिवस पर क्षेत्र के सभी कॉलेजों, स्कूलों के प्रोफेसर एवं प्रधानाचार्यो से निवेदन कि है कि इक्षुक बच्चों को इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अवसर दें। जिससे सभी बच्चों को अपनी अपनी देशभक्ति का प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिल सकें । बैठक में मुख्य रूप से सुबेदार सतेन्द्र ठाकुर,असर्फी पाल, अक्षय सिंह ,सत्यनारायण सिंह, यदुनंदन ठाकुर,सुधीर सिंह, प्रसाद सिंह ,अवध माली, रामटहल मेहता, दिलिप मेहता, लल्लू राम के अलावे और भी कई पूर्व सैनिक एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

आरसीआईटी में बहुविषयक विज्ञान वार्ता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित आरसीआईटी कॉलेज के सभागार में बहुविषयक विज्ञान वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें फैकेल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के द्वारा विज्ञान व इंजीनियरिंग के कई प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। फैकेल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के डिन डॉ अविनाश कुमार ने छात्र छात्राओं को प्लास्टिक फ्यूल मोरिंगा के उपयोग और उसकी विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आरसीयू के कुलाधिपति डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने नैतिक तथा बौधिक विकास पर बोलते हुए छात्र छात्राओं को कई टिप्स दिया।कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक व बौधिक विकास बहुत ही अहम है।मौके पर उप निदेशक अनुराग चंद्रवंशी,ट्रेनिंग प्लेसमेंट प्रमुख मनीषा सिंह, इंजिनियरिंग कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ राम कुमार सिंहा सहित कई विभाग के विभागाध्यक्ष,व्याख्याता व छात्र - छात्रा मौजूद थे।

रोज वैली स्कूल के बच्चों ने की शैक्षणिक पिकनिक भ्रमण

नावाबाजार। प्रखंड के तुकबेरा रोज वैली स्कूल के बच्चों ने शैक्षणिक भ्रमण करते हुए पिकनिक का लुत्फ उठाया। जहां पिकनिक भ्रमण में सैकड़ो स्कूली ने भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने जमकर मस्ती की व पिकनिक के दौरान लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। बच्चों ने शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद लिया। बच्चों को पिकनिक मनाने के लिए स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा केचकी और बेतला पार्क ले जाया गया था। जहां पर बच्चों ने प्राकृतिक सौन्दर्य का खूब आनंद उठाया। मौके पर उपस्थित स्कूल के डायरेक्टर सुरेंद्र पांडेय ने बताया कि पिकनिक के साथ बच्चों को बेतला पार्क के बारे में जानकारी दी गई। रंगारंग कार्यक्र में बच्चे खेलकूद, कबड्डी, क्रिकेट और फुटबॉल का लुत्फ उठाते हुए स्वादिष्ट भोजन किया। मौके पर उपस्थित स्कूल के प्रिंसिपल सोनू सिंह ने कहा कि बच्चों के साथ पिकनिक पर जाने से उनका मानसिक विकास होता है। आत्म-निरीक्षण व्यवहारों को प्रोत्साहित करता है। मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल सोनू कुमार सिंह,शिक्षक जितेंद्र कुमार, कृष्ण मुरारी सिंह, खुशबू मेहता,पुष्कर कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शल्य चिकित्सा

चेहरे के ज्योगोमेटिक बोन फ्रैक्चर का सफल ऑपरेशन

सर्जरी के माध्यम से चेहरे की टूटी हुई हड्डी को जोड़ कर ठीक किया

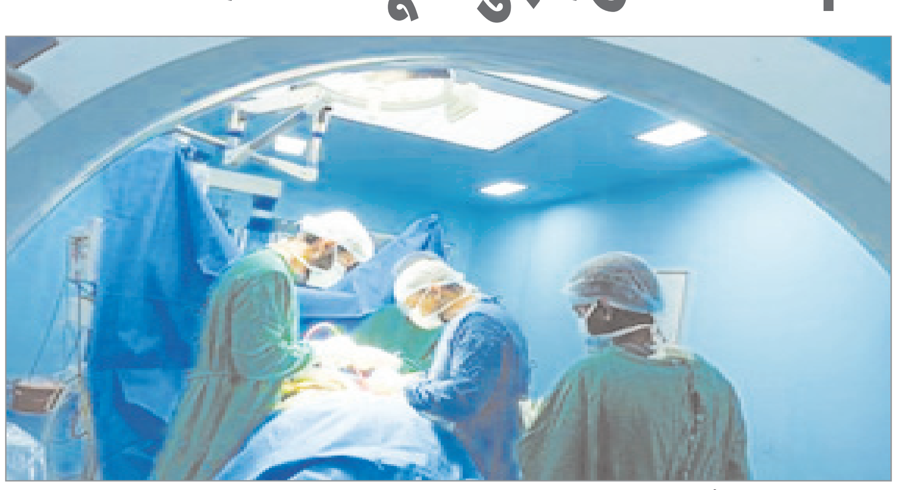

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल मुख्यालय जपला सिटी डेंटल हॉस्पिटल में संचालक डॉ. मुकेश कुशवाहा व उनके टीम ने मरीज रुबी कुमारी (22 वर्ष) के चेहरे पर ज्योगोमेटिक बोन फ्रैक्चर के सर्जरी करने में सफलता पाई है। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के चौवा चट्टान गांव निवासी रुबी की सड़क दुर्घटना में उक्त हालात उत्पन्न हो गये थे। उन्होंने कहा कि चेहरा के दायें बगल जयगोमेटिक बोन के फ्रैक्चर को निकेल-टाइटेनियम प्लेट के मदद से सर्जरी के माध्यम चेहरे की टूटी हुई हड्डी को जोड़ कर ठीक किया गया है। उन्होंने बताया कि मरीज के आंख के उपर ज्योगोमेटिक बोन तीन अलग-अलग हिस्सों में टूट गई थी। जिसको बाहर की तरफ से चेहरा के फ्रंटल बोन के साथ आंख के उपर व मुंह के अंदर मैक्सिल्लरी बोन के साथ निकेल-टाइटनियम प्लेटस की मदद से सर्जरी के माध्यम जोड़कर ठीक कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे मरीज की सफल सर्जरी हुसैनाबाद में पहली बार की गई है। इनके सर्जरी के दौरान डॉ. अमित, शुभम कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार, सुरेन्द्र कुमार अन्य कर्मी शामिल थे।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर नेताओं ने शोक जताया

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को देश की आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों के लिए अपूर्णीय क्षति बताते हुए कई नेताओं ने शोक जताया है। प्रदेश में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यनारायण सिंह ने उन्हें देश में आर्थिक सुधार का प्रणेता बताते हुए जवाहरलाल नेहरू के बाद उन्हें सबसे सफल प्रधानमंत्री बताया। वरिष्ठ कांग्रेसी रामजन्म राम ने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री ने सदैव देशहित को सर्वोपरि रखा। जो भी जवाबदेही मिली, उसमें बेहतर काम किया। पूरा देश व पार्टी इसके लिए उनका ऋणि रहेगा। कांग्रेस सहकारिता विभाग के डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन राहुल सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह के 10 वर्षो के कार्यकाल में कांग्रेसनीत यूपीए वन व टू की सरकार में रोजगार गारंटी और शिक्षा व सूचना के अधिकार जैसे कानून देशहित में एक अमिट लकीर बन गए हैं। उन्होंने राजनीतिक और प्रशासनिक कार्य कुशलता का जो उदाहरण पेश किया है, वो इन क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर और प्रेरणा बन गए हैं। इनके अलावा कांग्रेस के शेख अफरोज अहमद सिद्दिकी, पंचम खान, महताब सिद्दिकी और नदीम अख्तर खान ने भी उनके निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ मांगी है।

आपसी मारपीट में पांच लोग घायल

पिछले आठ सालों से चल रहा था जमीन विवाद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड के कोडुवाडी गांव में जमीन विवाद को लेकर के अपने ही परिवार में जमकर हुई मारपीट में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को परिजनों ने एमएमसीएच में इलाज के लिए भर्ती करया है। घायलों में 37 वर्षीय रूमती देवी, 31 वर्षीय गायत्री देवी, 29 वर्षीय संगीता देवी, 20 वर्षीय नीतेश चौधरी का नाम शामिल है। सभी घायल खतरे से बाहर हैं। घायल संगीता देवी ने बताया कि गोतीया से जमीन का मामला पिछले 7 से 8 सालों से चल रहा है। गोतिया श्याम चौधरी के द्वारा जमीन बांट दिया गया है, लेकिन उसके बावजूद जो उसके हिस्से में जमीन दिया गया है उनके द्वारा उस पर वह बार-बार आकर के खेती करते हैं और लड़ने का तरीका ढूंढते रहते है। सुबह के समय दिनेश और रितेश घर से बाहर रोड पर स्थित महुआ के पेड़ के पास दोनों खड़े थे। इस बीच श्याम चौधरी, बबीता देवी, लालमोहन व सुदर्शन लाठी और टांगी लेकर के पहुंचे और दोनों लोगों को घेर लिया। उनके द्वारा घर पर फोन कर जानकारी दी गई तो घर से संगीता देवी तथा उनके परिवार मौके पर पहुंचे तब देखा कि श्याम चौधरी, बबीता देवी, लालमोहन, सुदर्शन द्वारा संगीता देवी के परिवार पर लाठी और टांगी से हमला किया गया। जिसमें संगीता देवी, रूमती देवी, गायत्री देवी, दिनेश, नीतेश घायल हो गए। संगीता देवी ने बताया की श्यामा चौधरी तथा उनके परिवार द्वारा मारने में उपयोग किया गया टांगी और डंडा चैनपुर थाना में जमा कर दिया गया है।

डीडीसी ने धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा की

धान क्रय में सुस्ती दिखाने वाले पैक्स डी-नोटिफाई होंगे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में शुक्रवार को खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत पैक्स/व्यापार मंडलों द्वारा किए जा रहे धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक जिला सहकारिता कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें उप विकास आयुक्त ने पिछले 12 दिनों में धान क्रय की स्थिति की जानकारी ली। डीएसओ प्रीति किस्कु ने बताया कि अब तक 41 पैक्सों से 18,683.94 क्विंटल धान का क्रय हुआ है। इस पर डीडीसी ने चिंता जाहिर की और धान क्रय प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

31 दिसंबर तक 10% से कम धान क्रय करने वाले पैक्स डी-नोटिफाई होंगे : बैठक में उप विकास आयुक्त ने उन पैक्सों की सूची मांगी जिन्होंने अब तक पांच से कम किसानों से धान खरीदा है। इनमें बिश्रामपुर, सलतुआ, हरिहरगंज पूर्वी, वीकेएसएस अग्रिफार्म एफपीओ, हुसैनाबाद व्यापार मंडल, कंडा, मोहम्मदगंज, तीसीबार कला, पचकेड़िया, उदयपुरा टू, और करकट्टा एफपीओ शामिल हैं। डीडीसी ने कहा कि यदि 31 दिसंबर तक इन पैक्सों द्वारा धान क्रय में तेजी नहीं लाई गई, तो इन्हें डी-नोटिफाई कर दिया जाएगा। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिन्हा और विभिन्न पैक्सों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

वजन संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई और मॉनिटरिंग सिस्टम पर जोर

डीडीसी ने निर्देश दिया कि किसी भी पैक्स से वजन संबंधी शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करने की जरूरत बताई। इसके साथ ही, सभी क्रय केंद्रों पर विजिटिंग रजिस्टर रखने और नोडल पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित करने की बात कही।

खाद विक्रेताओं को कीटनाशक दवाओं पर प्रशिक्षण, कार्यक्रम संपन्न

मेदिनीनगर। कनीय पौधा संरक्षण विभाग द्वारा शुक्रवार को फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आत्मा सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें 25 खाद विक्रेताओं को कीटनाशक दवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान जिला कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार वर्मा, आत्मा के उप परियोजना निदेशक प्रवीण राज, उमेश कुमार, मनोज सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर में तीन दिवसीय हरे कृष्ण उत्सव का आयोजन

मेदिनीनगर। साहित्य समाज चौक स्थित संस्कृत महाविद्यालय परिसर में हरे कृष्ण प्रचार केंद्र गीता भवन द्वारा 29 से 31 दिसंबर तक तीन दिवसीय हरे कृष्ण उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस्कॉन संस्था के संजय पांडेय ने बताया कि उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। 28 दिसंबर को दोपहर 3 बजे गीता भवन से नगर संकीर्तन यात्रा शुरू होगी, जो शहर के मुख्य मार्ग और बाजार क्षेत्र का भ्रमण करेगी। 29 से 31 दिसंबर तक संस्कृत महाविद्यालय परिसर में उच्चकोटि की कथा और नृत्य संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मुख्य वक्ता के रूप में बद्रिका आश्रम से डॉ. केशवानंद दास और भक्ति सिद्धांत दास शामिल होंगे। कीर्तन मंडली में गोकुल दास, सूतदेव दास और दिव्यांशु अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, 1 जनवरी को पलामू इस्कॉन द्वारा पुलिस लाइन रोड में उत्सव आयोजित किया जाएगा। हरे कृष्ण उत्सव की शुरूआत वर्ष 2011 में हुई थी और 2014 से यह आयोजन साहित्य समाज चौक के समीप किया जा रहा है। उत्सव को सफल बनाने के लिए मिथलेश दास, रूपेश, अभिषेक, अनिरुद्ध, रिंकू देवी, राधा, ज्योति और अन्य भक्तजन तैयारियों में जुटे हैं।

परीक्षा फॉर्म की तिथि में बड़ी चूक

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने बीएड सेमेस्टर 4 सत्र 2022-24 का परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी की, लेकिन इसमें गंभीर गलती सामने आई। जारी नोटिफिकेशन में परीक्षा फॉर्म भरने की तारीख 2 जनवरी 2024 से 13 जनवरी 2025 तक दी गई थी। इस गलती ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब परीक्षा विभाग ने इस तरह की चूक की है। पूर्व में भी विभाग द्वारा नोटिस में गलतियां की जाती रही हैं, लेकिन कर्मचारी अपनी गलतियों से सीखने को तैयार नहीं हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. रवि शंकर ने स्वीकार किया कि गलती विभाग की ओर से हुई थी। उन्होंने बताया कि नोटिफिकेशन में सुधार कर नई तिथि जारी कर दी गई है। लेकिन इस घटना ने फिर से विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

सीए फाइनल परीक्षा में रीतिका पांडेय ने पहले प्रयास में सफलता पाई

यूट्यूब से की तैयारी, पलामू का बढ़ाया मान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत से हर मुश्किल को पार किया जा सकता है। यह साबित कर दिखाया है मेदिनीनगर के श्रीराम पथ निवासी सुशील पांडेय और सविता पांडेय की बेटी रीतिका पांडेय ने। रीतिका ने पहले प्रयास में ही चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा पास कर पलामू जिले का नाम रोशन किया। उनकी इस सफलता पर परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है।

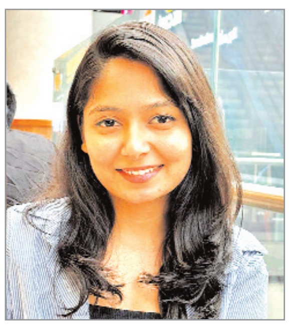

मध्यम वर्गीय परिवार से आई रीतिका

रीतिका मूल रूप से विश्रामपुर प्रखंड के भंडार गांव की निवासी हैं। उनके दादा पृथ्वी नाथ पांडेय सिविल कोर्ट में कार्यरत थे। पिता सुशील पांडेय भोजपुरी गायक हैं साथ ही व्यवसाय करते हैं, जबकि माता सविता पांडेय गृहिणी हैं। रीतिका दो भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई जीजीपीएस स्कूल, जमुने से की और 12वीं रांची के जेवीएम श्यामली से पूरी की। इसके बाद रीतिका ने सीए की पढ़ाई रांची से ही की।

प्रथम प्रयास में पास की हर परीक्षा

रीतिका ने बताया कि उन्होंने 2019 में सीए फाउंडेशन की परीक्षा पहले प्रयास में पास की। इसके बाद इंटरमीडिएट से लेकर फाइनल परीक्षा तक में उन्होंने प्रथम प्रयास में ही सफलता पाई। तीन साल की आर्टिकलशिप पूरी करने के बाद उन्होंने सीए की फाइनल परीक्षा में भी सफलता हासिल की। रीतिका अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपने कठिन परिश्रम को देती हैं।

यूट्यूब से की तैयारी

रीतिका ने बताया कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के, यूट्यूब की मदद से परीक्षा की तैयारी की। इस दौरान मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन माता-पिता के प्रोत्साहन से वह डटी रहीं। उनका मानना है कि सीए की परीक्षा कठिन जरूर है, लेकिन नियमित मेहनत से इसे पास किया जा सकता है। रीतिका का अगला लक्ष्य आईएएस बनना है।

झामुमो जिलाध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पलामू के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत ने डॉ. मनमोहन सिंह के रूप में एक महान रत्न खो दिया है। वे विद्वान और सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे। भारत की अर्थव्यवस्था में उदारीकरण जैसे ऐतिहासिक सुधार उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह केवल एक राजनीतिज्ञ नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निमार्ता और उसकी आकांक्षाओं के प्रतीक थे। उनके योगदान भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में हमेशा अविस्मरणीय रहेंगे। श्री सिन्हा ने उनकी विद्वता और वैश्विक प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए कहा, जब वे बोलते थे, तो विश्व के बड़े नेता भी ध्यान से सुनते थे। उनके विचारों ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने कहा कि पक्ष-विपक्ष सभी आज उनके निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। यह देश के लिए अपूरणीय क्षति है। हम झामुमो परिवार की ओर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों की 11 सड़कों के निर्माण कार्य से रोक हटी

एसीबी जांच के बाद पुनर्निर्माण की मिली मंजूरी

मेदिनीनगर। करीब एक दशक से नक्सल प्रभावित इलाकों की 11 सड़कों के निर्माण कार्य पर लगी रोक को हटा दिया गया है। 2013-14 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पलामू में 17 सड़कों के निर्माण में घोटाले का मामला सामने आने के बाद इन कार्यों को रोक दिया गया था। ग्रामीण विकास विभाग ने घोटाले के संबंध में एफआईआर दर्ज कराई थी और मामले की जांच एसीबी को सौंपी गई थी। एसीबी जांच के चलते सड़क निर्माण नहीं हो पा रहा था, जिससे 150 गांवों के हजारों लोग प्रभावित हो रहे थे। ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के दौरान निर्माण कार्य की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर एसीबी से एनओसी दिलाने की मांग की। इसके बाद झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने हस्तक्षेप किया, जिसके परिणामस्वरूप 11 सड़कों के निर्माण कार्य के लिए एनओसी जारी कर दी गई है। इन सड़कों में कांके से सुठा रोड, ब्रहमोरिया से नावाडीह रोड, बिटी रोड से कवल, छतरपुर के टीओपी, पाटन-पड़वा रोड, मायापुर-नावाडीह रोड, बिरजा से जमडीहा, गोदरमा से नावगढ़, रामगढ़ से दिनाबार, बरांव से ओड़नार और बिटी रोड गम्हरिया शामिल हैं। 2014 में इन सड़कों के निर्माण में लागत से अधिक भुगतान की वजह से घोटाले की बात सामने आई थी, जिसके चलते कार्य रुके थे। अब सरकार ने इन सड़कों का पुनर्निर्माण शुरू करने का फैसला लिया है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा है कि हेमंत सोरेन सरकार विकास को लेकर कृत संकल्पित है और वर्षों से लंबित सड़कों का पुनर्निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा।

नगर निगम आयुक्त ने किया आश्रय गृह का निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गुरुवार रात नौ बजे नगर निगम आयुक्त जावेद अहमद ने बस डिपो स्थित आश्रय गृह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि आश्रय गृह में रुकने वाले लोगों को पर्याप्त सुविधाएं दी जा रही हैं। आयुक्त ने वहां मौजूद लोगों से बातचीत कर आश्रय गृह की व्यवस्थाओं और संचालन की जानकारी ली। साथ ही व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए।

संचालक ने बताया कि आश्रय गृह में केवल पुरुष रह रहे हैं। यहां रुकने वाले लोगों के लिए कंबल, मच्छरदानी और हीटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने इस बात पर इस बात पर आयुक्त ने संतोष व्यक्त किया कि जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है। पिछले दिनों नगर निगम ने खुले आसमान के नीचे रह रहे लोगों के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया था, जिसके तहत स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य स्थानों से कई महिलाओं और पुरुषों को आश्रय गृह में लाकर स्थान दिया गया था। हालांकि, वर्तमान में इनमें से कई लोग आश्रय गृह से बाहर जा चुके हैं। संचालकों ने बताया कि स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास दातुन-पत्तल बेचने वाले या रिक्शा चलाने वाले लोग रहते हैं, जो रात्रि में भी काम कर अपनी आमदनी बढ़ाते हैं। उनका तर्क है कि यदि वे आश्रय गृह में रहेंगे, तो उनकी आय रुक जाएगी। आयुक्त ने इस स्थिति को समझने और सुधार के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

आपसी विवाद में महिला घायल, एफआईआर दर्ज

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के बैरिया स्थित टीवी टावर के वार्ड 3 में एक आपसी विवाद में संध्या देवी (36), पति पप्पू प्रसाद गुप्ता, घायल हो गईं। संध्या देवी ने बताया कि उनके घर और बसंत साव के घर के बीच की दीवार में बड़ा छेद है, जिससे उनके घर की ओर झांका जाता है। जब उन्होंने इसका विरोध करते हुए छेद बंद करने को कहा, तो बसंत साव, रेणु देवी, ब्यूटी कुमारी और खुशबू कुमारी ने दीवार तोड़कर उन पर हमला कर दिया। हमले में संध्या देवी के सिर और पैर में चोट आई। उन्होंने बताया कि पहले भी बसंत साव के परिवार द्वारा इसी तरह की हरकत की जा चुकी है, जिसके बाद एफआईआर दर्ज करवाई गई थी और आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया था। इसके बावजूद आरोपी जानबूझकर विवाद का कारण ढूंढते रहते हैं। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

कैसे पढ़ेंगे पलामू के छात्र, जब डिपार्टमेंट में लटकते रहेंगे ताले!

जीएलए कॉलेज में गंदगी, बंद विभाग और छात्र परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई गणेश लाल अग्रवाल (जीएलए) महाविद्यालय की स्थिति दिन-ब-दिन दयनीय होती जा रही है। कॉलेज के अधिकांश विभागों में ताले लटकते हैं, और परिसर में सफाई की स्थिति भी बदतर है। अंग्रेजी, गणित, और अर्थशास्त्र जैसे विभाग या तो कई दिनों से बंद हैं या समय से पहले बंद हो जाते हैं, जिससे छात्र अपनी पढ़ाई के लिए भटक रहे हैं।

पांच महीने से बंद अर्थशास्त्र विभाग, पुस्तकालय भी बंद

अर्थशास्त्र विभाग पिछले पांच महीनों से बंद पड़ा है, और विभाग के दरवाजों पर धूल और जाली जम चुकी है। छात्रों द्वारा कई बार रजिस्ट्रार को शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुस्तकालय, जो प्राचार्य कक्ष के पास ही स्थित है, भी कई दिनों से बंद है।

गंदगी और अनुपस्थित कर्मचारी बना समस्या

कॉलेज परिसर में गंदगी का अंबार लगा है, जिससे ऐसा लगता है कि महीनों से सफाई नहीं हुई। वहीं, कई प्रोफेसर केवल उपस्थिति दर्ज कराने आते हैं और तुरंत चले जाते हैं। रजिस्ट्रेशन विभाग में भी ताले लगे हुए हैं।

प्रभारी प्राचार्य का बयान

कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य आर.के. रंजन ने बताया कि गणित विभाग में केवल दो प्रोफेसर हैं, जिनमें से एक छुट्टी पर हैं और दूसरे विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक हैं। अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर की स्थिति स्पष्ट नहीं है, जबकि अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर को विश्वविद्यालय का वित्त अधिकारी (एफओ) बना दिया गया है, जिससे विभाग लंबे समय से बंद है। छात्रों का कहना है कि विभागों का बंद रहना आम बात हो गई है। कई बार वे पढ़ाई के लिए आते हैं, लेकिन प्रोफेसरों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें लौटना पड़ता है। इससे छात्रों के समय और शिक्षा दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर मलय नहर की मरम्मत कराई

सिंचाई विभाग की उदासीनता के कारण खुद उठाया जिम्मा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मलय नहर के पक्कीकरण कार्य जहां पूरे हुए हैं, वहां कूड़ा-कचरा पाइपों को जाम कर रहा है, जबकि कई जगह नहर टूट चुकी है। इस स्थिति के कारण नहर में पानी छोड़ने पर पोलपोल तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है और बीच में ही बहकर बर्बाद हो रहा है। ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के अभियंता से नहर की मरम्मत और जाम पाइपों की सफाई की मांग की, लेकिन विभाग की ओर से कोई पहल नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि रवि फसल की बुवाई हो चुकी है, और अब गेहूं के पटवन के लिए खेतों में पानी की जरूरत पड़ेगी। लेकिन नहर टूटने और पाइप जाम होने के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच सकता।

ग्रामीणों ने स्वयं कराया नहर की मरम्मत : हार मानकर ग्रामीण सुशील सिंह और अन्य लोगों ने गांव से चंदा इकट्ठा किया और शुक्रवार को जेसीबी मशीन की मदद से टूटे हुए नहर की मरम्मत कराई। साथ ही, पाइपों की सफाई भी की गई। सुशील सिंह ने बताया कि सिंचाई विभाग ने कोई मदद नहीं की, जिसके चलते नावाडीह, पोलपोल और आसपास के ग्रामीणों ने मिलकर खुद नहर की मरम्मत की। मरम्मत के दौरान सुधीर सिंह, जवाहर चंद्रवंशी, शिव नारायण सिंह और अन्य ग्रामीण मौके पर मौजूद थे। ग्रामीणों ने कहा कि अब नहर खुलने पर खेतों तक पानी पहुंच सकेगा और फसलों को बचाया जा सकेगा।

रेड़मा क्षेत्र का वार्ड 18 : नगर निगम में शामिल, पर सुविधाओं का अभाव

पेयजल और नाली व्यवस्था से जूझते स्थानीय निवासी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेड़मा क्षेत्र को शहरी विस्तार के बाद नगर निगम में शामिल किया गया था। वर्तमान में वार्ड संख्या 18 में बाहरी क्षेत्रों से आकर लोग बड़ी संख्या में बस रहे हैं। खास महाल से मुक्त होने और पेयजल सुविधा के चलते लोग यहां प्लॉट खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। हालांकि, नगर निगम का हिस्सा बनने के बावजूद वार्ड में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है।

निगम चुनाव के दौरान वार्ड की आबादी 4315 थी। उत्तर में पोखराहा, दक्षिण में जोगीयाही नाला, पूर्व में चियांकी, और पश्चिम में रांची रोड तक इसका विस्तार है। वार्ड में मुख्य सड़क का कालीकरण हुआ है, लेकिन अंदर की सड़कें कच्ची और पक्की हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सरकारी योजनाओं का लाभ कुछ हद तक मिला है, जैसे पीएम आवास योजना। हालांकि, कई हिस्सों में अब भी लोग सार्वजनिक चापाकल पर निर्भर हैं, और नालियों की उचित व्यवस्था नहीं है। जलापूर्ति हेतु पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन अब तक पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई है।

पूर्व मुखिया और पार्षद विवेकानंद त्रिपाठी ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में सैकड़ों पीएम आवास बनाए, दो तालाबों का जीर्णोद्धार कराया और मुख्य सड़कों का कालीकरण किया।

वार्ड 18 के निवासियों की राय

उर्मिला देवी ने बताया कि उन्हें पानी लाने के लिए काफी दूर चापाकल तक जाना पड़ता है। पुटन भुइयां ने कहा कि उन्हें पीएम आवास योजना और अन्य सरकारी लाभ मिले हैं, लेकिन नालियों का निर्माण होना चाहिए। राजीव तिवारी ने कहा कि वार्ड में बदलाव तो हुआ है, लेकिन पाइपलाइन बिछने के बावजूद अब तक पेयजल सुविधा शुरू नहीं हो सकी है।

गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की याद में विशेष दीवान सजा

सिख समुदाय ने वीर बाल दिवस पर साहिबजादों को किया नमन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह की याद में बेलवाटिका स्थित मुख्य गुरुद्वारा में गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में विशेष दीवान सजाया गया। इस अवसर पर साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके लिए विशेष प्रार्थना की गई। शाम को बेलवाटिका चौक पर उनकी स्मृति में दूध और बिस्कुट का वितरण किया गया। इस अवसर पर ज्ञानी सुंदर सिंह ने कहा कि अल्प आयु में साहिबजादों ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके बलिदान को सिख समुदाय हर साल वीर बाल सप्ताह के रूप में मनाता है। इंद्रजीत सिंह डिंपल ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें यह सिखाता है कि धर्म और देश की रक्षा के लिए आयु कोई मायने नहीं रखती। यह दिन साहिबजादों की वीरता और सिख परंपरा के बलिदान का प्रतीक है। इस मौके पर सिख समुदाय ने जानकारी दी कि वीर बाल सप्ताह के तहत एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम और व्यंजनों का वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में मन्नत सिंह, बग्गा, बंटी सिंह, मेहर सिंह, रिंकू सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

शोकाकुल परिवार से मिली मुखिया

रमना। सिलीदाग पंचायत के डी फार्मा डिग्री धारी ज्योति कुमारी उर्फ छोटी के निधन के बाद उक्त पीड़ित परिवार से सिलीदाग पंचायत के मुखिया अनीता देवी ने मिल कर शोक संवेदना व्यक्त की। मृतका के पिता दु:खरन राम ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा की पत्नी की मृत्यु के बाद छोटी ही थी जो मेरा ख्याल रखती थी। शोकाकुल परिवार को मुखिया ने हिम्मत बढ़ाई। कहा कि दु:ख की घड़ी में हिम्मत रखने की जरूरत। मौके पर वार्ड सदस्य प्रदीप कुमारी, छोटू चौरसिया, जागा राम मौजूद थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं समस्याएं

समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने शुक्रवार को नए समाहरणालय स्थित सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए उपायुक्त ने समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। गढ़वा शहर के सतीश कुमार और अजित कुमार ने गोविंद स्कूल रोड पर लगने वाले जाम की समस्या का समाधान कराने का अनुरोध किया।

रमना प्रखंड के करचा ग्राम के पुद्ध वियार ने भूमि विवाद और मुआवजा राशि से संबंधित अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्राम सलेया के धर्मेंद्र शर्मा ने मौरूषी भूमि के केवाला से जुड़ी समस्या उपायुक्त के सामने रखी। जनता दरबार में राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, रोजगार सृजन, और अन्य समस्याओं को लेकर फरियादी पहुंचे। उपायुक्त ने इन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्कूल के बच्चे पिकनिक पर गए

डंडई। प्रखंड मुख्यालय में संचालित आरजीएसएम पब्लिक स्कूल के बच्चे शुक्रवार को पिकनिक भ्रमण पर गए। इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेश मेहता, झामुमो केंद्रीय सदस्य आनंद प्रकाश, केंद्रीय सदस्य दीनानाथ पांडेय, मुखिया प्रतिनिधि महेश्वर राम, राम गुलाम साह व राजकुमार साह ने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं के बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले दीनानाथ पांडेय ने अगरबत्ती दिखा मंत्र उच्चारण के साथ बस का पूजा अर्चना किया किया । पिकनिक भ्रमण के लिए गए सभी बच्चे भगवा रंग की परिधानों में पूरी तरह सजे थे। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए जो वस्त्र होना चाहिए उस वस्त्र में सज धज कर आज आरजीएसएम पब्लिक स्कूल के बच्चे पिकनिक के लिए निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अध्यनरत बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खुली हवा का भी आनंद काफी जरूरी है। सुमंत ने कहा कि वर्ष के अंतिम समय में उन्हें हर वर्ष भ्रमण पर बाहर ले जाया जाता है। विद्यालय के बच्चे काफी लगनशील और मेहनती भी है। उनका परीक्षा का परिणाम भी हमसभी शिक्षकों को काफी संतुष्टि देता है। मौके पर झामुमो युवा मोर्चा प्रखंड सचिव सनी कुमार, मनीष ठाकुर, राजू प्रसाद ,पवन गुप्ता ,ललन प्रसाद, इत्यादि लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर प्रखंड कार्यालय में श्रद्धांजलि दी गई

चिनीयां। प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सुबोध कुमार की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सभी प्रखंड व अंचल कर्मी तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रख कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह भले ही लगातार दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे हों, लेकिन उन्हें पीवी नरसिम्हा राव सरकार कार्यकाल में वित्त मंत्री के कार्यकाल के रूप में ज्यादा याद किया जाता है। वह डॉ. मनमोहन सिंह ही थे जिन्होंने 1991 में गहरे संकट से गुजर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को उबारा था। उस समय देश में सोशलिस्ट इकोनॉमिक सिस्टम था और गहरे संकट में था। मौके पर प्रमुख सुनैना देवी, अंचल अधिकारी उमेश्वर यादव, बीपीओ रोशन कुमार, थाना के एएसआई कृष्ण प्रसाद, जेइ सुकेश कुमार, राजस्व कर्मचारी विनोद दुबे, उप प्रमुख मोहम्मद फारूक, बीडीसी सुगनी देवी, रूपा देवी, नागेंद्र सिंह, समन्वयक पंकज विश्वकर्मा, मिथिलेश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार संतोष कुमार, बीडीसी प्रतिनिधि दयानंद रवि, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

क्रिसमस पर बच्चों के बीच पाठ्य सामाग्री व चॉकलेट बांटी

मेराल। क्रिसमस को लेकर सु समाचार सभा का आयोजन किया। बतौर मुख्य अतिथि विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी की पत्नी मीरा देवी उपस्थित थी। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथि मीरा देवी, विधायक प्रतिनिधि डॉक्टर लालमोहन ने संयुक्त रूप से केक काटकर किया। मौके पर बड़ी संख्या में महिला पुरुष तथा बच्चे शामिल थे। सभी ने सामूहिक रूप से प्रार्थना कर घर परिवार के साथ पूरे क्षेत्र में सुख शांति की कामना की। साथ ही कलाकारों द्वारा मसीही सॉन्ग के साथ कई मनोरंजक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री के साथ खाने-पीने के लिए चॉकलेट इत्यादि वितरित की गई। इस अवसर पर अरविंद तिवारी विवेक तिवारी विनीता देवी संध्या देवी अनामिका कुमारी विवेक पाठक अशोक कुमार अनिल राज डेविड अजीत कुमार रवि जर्मन कुमार पासवान आयुष कुमार संतोष राम ज्योति देवी भारती कुमारी नागौरी रीना देवी संतोष राज आदि उपस्थित थे।

विधायक के पहल पर तीन स्कूलों का परीक्षा केंद्र बदला

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव के पहल पर भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र के तीन स्कूलों का परीक्षा केंद्र बदल दिया गया है। इसकी जानकारी प्रेस वार्ता कर विधायक प्रतिनिधि सह शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कमलेश्वर पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि एसपीडी हाइस्कूल हरिहरपुर, आश्रम आवासीय बालिका विद्यालय मझिगावां और अपग्रेडेड हाइस्कूल मेरौनी के मैट्रिक परीक्षा का केंद्र अब मिडिल स्कूल हरिहरपुर में होगा। उन्होंने बताया कि पहले एसपीडी हाइस्कूल का कांडी, मझिगावां का लमारी और मेरौनी का परीक्षा केंद्र कांडी में था। जिस कारण यहां के छात्र छात्राओं को परीक्षा देने काफी दूर जाना पड़ता था। जिसे लेकर यहां के लोगों ने विधायक अनंत प्रताप देव से मिलकर परीक्षा केंद्र हरिहरपुर में कराने की मांग की थी। जिसे लेकर विधायक ने डीसी को परीक्षा केंद्र बदलने के लिए पत्र लिखा था। विधायक के पहल पर परीक्षा केंद्र चयन समिति की बैठक डीसी की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी। जिस बैठक में परीक्षा केंद्र बदलने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि विधायक ने हरिहरपुर क्षेत्र की जनता को सौगात दी है। जनता से किए हरेक वादे विधायक पूरा करने में लगे हैं। परीक्षा केंद्र बदले जाने से छात्र छात्राओं समेत पूरी जनता खुश है। उक्त दौरान झामुमो नेता विश्वनाथ पाल, दीपक कुमार, दशरथ बैठा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

किसान मजदूरों के बेहतरी के लिए भाकपा प्रयास कर रही: केडी सिंह

श्री बंशीधर नगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के 100 वर्ष पूरे होने पर भाकपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी का 100वीं जयंती समारोह का आयोजन खलील खां के आवास पर आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी का झंडा फहराकर किया गया। इस अवसर पर भाकपा राज्य परिषद के पूर्व सचिव केडी सिंह ने कहा कि मेहनत कश मजदूरों, किसानों, छात्र, नवजवानों को एकजुट कर उनके हक और अधिकार के लिये सशक्त संघर्ष का आगाज करें। भाकपा अपने स्थापना काल से जहां देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वहीं, गरीब, किसान, मजदूरों, छात्र, नवजवानों के बेहतरी के लिये लगातार आज तक संघर्ष करते रही है। उन्होंने पार्टी के स्थापना काल से लेकर अभी तक के उपलब्धियों की चर्चा की। ज्ञान विज्ञान समिति के जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने कहा कि जनता के ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिये जन संगठनों का व्यापक विस्तार कर संघर्ष तेज करें। कार्यक्रम को राज्य परिषद सदस्य गणेश सिंह,जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला,राज कुमार राम,देवी दयाल मेहता ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में राजकुमार राम,देवीदयाल मेहता,श्री राम,राजकुमार भुइयां, मिश्रा भुइया, गोपाल यादव,विद्या पासवान,रामनाथ उरांव,नगीना पासवान सहित अन्य उपस्थित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला तथा संचालन देवीदयाल मेहता ने किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खंडहर में तब्दील

15 वर्षों से डॉक्टर की कमी

नवीन मेल संवाददाता खरौंधी (गढ़वा)। प्रखंड कार्यालय के बगल में लगभग 3.50 करोड़ की लागत से बना 100 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस अस्पताल में डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति नहीं होने के कारण यह पिछले 15 वर्षों से बंद पड़ा है। प्रखंड की लगभग 80 हजार की आबादी का इलाज भगवान भरोसे चल रहा है। सरकार ने करोड़ों की लागत से यह अस्पताल तो बना दिया, लेकिन इसमें आज तक एक भी डॉक्टर की नियुक्ति नहीं की गई। पूर्व उपायुक्त राजेश कुमार पाठक ने पूर्व सिविल सर्जन को डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति कर इसे चालू करने का निर्देश दिया था। यदि समय पर डॉक्टरों की नियुक्ति हो जाती, तो आज यह अस्पताल खंडहर न बनता।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री भानू ने किया था उद्घाटन

जानकारी के अनुसार, 2007 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान विधायक भानू प्रताप शाही ने इस भवन का शिलान्यास किया था। भवन के तैयार होने पर इसका उद्घाटन वर्तमान विधायक अनंत प्रताप देव ने किया, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण यह कभी शुरू नहीं हो पाया। वर्तमान स्थिति यह है कि अस्पताल का भवन खंडहर बन चुका है। दरवाजे और खिड़कियां शरारती तत्वों द्वारा तोड़ दी गई हैं। अंदर के कीमती सामान चोरी हो चुके हैं। स्थानीय लोग अब इस भवन का उपयोग शौचालय के रूप में कर रहे हैं। पूरे परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। यह जगह नशेड़ियों और जुआरियों का अड्डा बन चुकी है। प्रखंड में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अरंगी भी है, लेकिन वहां भी रोगियों के इलाज के लिए समुचित व्यवस्था नहीं है। सिसरी, चौरिया, खरौंधी, अरंगी, अमरोरा, राजी, और करिवाडीह जैसे गांवों में उप-स्वास्थ्य केंद्र भी जर्जर हालत में हैं। सीएचओ की नियुक्ति तो की गई है, लेकिन अधिकांश समय वे भवनाथपुर में बिताते हैं। किसी भी उप-स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति नहीं है। इसका सीधा असर प्रखंड के 80 हजार लोगों पर पड़ रहा है। इलाज के लिए लोगों को मजबूरन गढ़वा, डाल्टनगंज, रांची, या उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी जिंदगी भगवान भरोसे है। छोटे-बड़े सभी बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जाना पड़ता है। यात्रा में होने वाला खर्च इलाज से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भी इस अस्पताल को चालू नहीं किया गया, जिससे दर्जनों लोग असमय मृत्यु के शिकार हुए। प्रखंड के लोगों को अब विधायक अनंत प्रताप देव से उम्मीद है कि वह जल्द इस अस्पताल का जीर्णोद्धार कर डॉक्टरों की नियुक्ति कराएंगे। ऐसा करने से प्रखंड के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

हाथी ने दो खपरैल घरों को किया क्षतिग्रस्त

घर के अंदर रखे अनाज को भी किया चट

नवीन मेल संवाददाता

चिनीयां। थाना क्षेत्र के चपकली गांव के नावानगर टोला में शुक्रवार की रात्रि जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाते हुए दो खपरैल घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है, जबकि घर के अंदर रखे खाने-पीने के अनाज को भी चट कर दिया। जिन घरों को हाथी के द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया है वह शमीम अंसारी व अशोक चौधरी का नाम शामिल है। पीड़ितों ने बताया कि एक जंगली हाथी शुक्रवार की रात्रि करीब 11 बजे बजे गांव पहुंच और कई किसानों के खेतों में लगी सरसों व चना की फसल को बर्बाद करते हुए 2 खपरैल घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घर के अंदर रखा खाने-पीने की सामग्री को भी निकाल कर हाथी ने चट कर दिया। जिससे अब उन लोगों के सामने विकट स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पीड़ितों ने विभाग से अविलंब मुआवजे की मांग की है। प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही अविलंब घटनास्थल पर भाकुंडा से मंगाए गए हाथी भगाने वाले टीम को भेजा गया था। हाथी द्वारा दो घरों को क्षतिग्रस्त व घर के अंदर रखे अनाज को चट करने की जानकारी मिली है। सरकारी प्रावधान के तहत पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा। झुंड से बिछड़ा हुआ एक हाथी द्वारा क्षेत्र में आतंक मचा रहा है। हम लोगों द्वारा भी उसे हाथी को भगाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन हाथी कभी इस गांव तो कभी उस गांव चला जा रहा है। हाथी का बैड बिहेवियर अच्छा नहीं है। इसलिए हाथी के साथ कोई भी ग्रामीण छेड़छाड़ नहीं करें। हाथी को क्षेत्र से भागने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

समाहरणालय, लातेहार

(भू–अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना

(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्न्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक–07.06.2024 के द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक हेतु ग्राम–जडेयांग चादर–II में भूमि का रकबा–**121.00** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :–राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक मौजा–डडेया अंचल–लातेहार जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :–जडेयांग चादर–II थाना नं0–351 राजस्व, थाना–लातेहार पुलिस स्टेशन–लातेहार जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र० सं०	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
122	जडेयांग चादर–II	51	926	धान दो	0.04	0.04	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–निज
123	जडेयांग चादर–II	51	927	धान दो	0.15	0.15	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–पंचु उरांव
124	जडेयांग चादर–II	51	928	धान दो	1.16	1.16	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–एतवा उरांव दक्षिण–पंचु उराव
125	जडेयांग चादर–II	51	1011	टांड दो	0.13	0.13	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–बंधु उरांव दक्षिण–भुनेश्वर
126	जडेयांग चादर–II	51	1012	टांड दो	0.22	0.22	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–निज
127	जडेयांग चादर–II	51	1013	टांड दो	1.18	1.18	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–बैजु उरांव दक्षिण–बंधु उरांव
128	जडेयांग चादर–II	53	949	टांड दो नई परती	1.55	1.55	फूलसहाय गंझू, पिता–मेधू गंझू, जाति–गन्झु, निवासी–सेमरीया पत्रालय मुरूप	फूलसहाय गंझू, पिता–मेधू गंझू, जाति–गन्झु, निवासी–सेमरीया पत्रालय मुरूप	उत्तर–मधवा भुईया दक्षिण–रास्ता
129	जडेयांग चादर–II	55	894	धान दो	3.46	3.46	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–पुरानी परति दक्षिण–पंचु उरांव
130	जडेयांग चादर–II	55	900	धान दो	0.03	0.03	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–दुर्गा उरांव दक्षिण–कैलेश्वर
131	जडेयांग चादर–II	55	973	धान दो	1.86	1.86	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–सोना उरांव दक्षिण–अहरा
132	जडेयांग चादर–II	55	974	बांध	0.17	0.17	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वन्धू उरांव, पिता–दूर्गा उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर– दक्षिण–
133	जडेयांग चादर–II	59	1086	टांड दो	1.64	1.64	वालो चमार पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	वालो चमार पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–धनशिया दक्षिण–सुराम ठाकुर
134	जडेयांग चादर–II	60	549	टांड दो	2.06	2.06	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–पंडरा उरांव दक्षिण–निज
135	जडेयांग चादर–II	60	899	धान दो	0.21	0.21	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–दुर्गा उरांव दक्षिण–निज
136	जडेयांग चादर–II	60	902	धान दो	0.21	0.21	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	वीजल उरांव, पिता–मंगल उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व गन्दरू उरांव वो कैलेश्वर उरांव वो धनलाल उरांव, पिता–विफई उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मुस्मात फागो देवी, पति–चामा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–कलेश्वर उरांव दक्षिण–निज

ह0/–

उपायुक्त, लातेहार।

PR 342962 Land Reforms(24-25)D

हाथियों ने टमाटर सहित धान को किया नष्ट

बारियातू। प्रखंड के फूलसु पंचायत के मंजुआखाड़ निवासी रामजस गंझू के पुत्र संजीत गंझू द्वारा तोड़ कर रखे हुए 15 से 20 क्विंटल टमाटर को पैरों से रौंद कर नष्ट कर दिया। लगभग 18 से 20 हजार रुपए की आर्थिक नुकसान हुआ है। साथ ही लखन गंझू के घर के बाहर लगभग ढाई से 3 क्विंटल उबाल कर रखा धान खाकर नष्ट कर दिया। दीपक गंझू के घर के चाहरदीवारी को भी तोड़फोड़ कर ध्वस्त कर दिया। इससे ग्रामीणों को काफी क्षति हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मुआवजा दिलाने की मांग की है।

अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

पत्थलगड़ा (चतरा)। शुक्रवार को पत्थलगड़ा प्रखंड सह अंचल प्रशासन ने जागरूकता अभियान चलाकर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किए लोगों से अतिक्रमण हटाने की अपील की। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नवाडीह-डमोल से लेकर सुभाष चौक व गांधी चौक पत्थलगड़ा एवं नोनगांव मोड़ तक रोड़ के किनारे जिन व्यक्ति के द्वारा सरकारी जमीन को आक्रमण किया गया है, वैसे लोग स्वेच्छा से अतिक्रमण को छोड़ दे। सीओ उदल राम ने बताया कि रास्ते के किनारे सरकारी जमीन पर कब्जा किए हैं, उन व्यक्तियों को दो दिनों का समय दिया गया है। समय का पालन करते हुए अतिक्रमण मुक्त करें। उन्होंने कहा है कि समय का पालन न किया गया तो, प्रशासन की ओर से बुलडोजर चला कर अतिक्रमण को हटा दिया जाएगा। साथ में अतिक्रमण हटाने में जो खर्चा आएगी उस राशि की वसूली की जाएगी। नहीं देने पर कानूनी कारवाई की जाएगी।

वार्ड वार अनुश्रवण समिति का किया गया गठन

पिछड़े वर्गों को आरक्षण की पात्रता के लिए डोर-टू-डोर सर्वे शुरू किया गया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में डोर टू डोर सर्वे का कार्य पूर्ण करने को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम दौरान जानकारी देते हुए बताया गया कि सदस्य सचिव, पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग रांची के दिये गये निर्देश के आलोक में लातेहार जिला अन्तर्गत नगर पंचायत में पिछड़ें वर्गों को आरक्षण दिये जाने की पात्रता निर्धारण के लिए डोर टू डोर सर्वे का कार्य किये जाने का निर्देश दिया गया है।

लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में विधानसभा निर्वाचन के लिए वर्तमान में प्रयुक्त मतदाता सूची अनुसार सर्वे का कार्य पूर्ण करने को लेकर बुधवार प्रगणक व वार्ड वार अनुश्रवण समिति का गठन किया गया है। इस दौरान डोर टू डोर मतदाताओं से प्रपत्र 01 में सूचना प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी को फिल्ड में सर्वे करने के लिए भेज दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता रामा रविदास, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत राजीव रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू, जिला पशुपालन पदाधिकारी देवनाथ चौरसिया, अन्य संबंधित पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर प्रखंड कांग्रेस कमिटी ने शोक व्यक्त श्रद्धांजलि दी। पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष असगर खान ने कहा कि 1991 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में डॉक्टर मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली थी। तब देश की अर्थव्यवस्था बहुत गहरे संकट से गुजर रही थी। ऐसी परिस्थिति में डॉ. सिंह ने केंद्रीय बजट 1991-92 के माध्यम से देश में नए आर्थिक युग की शुरूआत कर स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आए थे। साहसिक आर्थिक सुधार कर कई क्षेत्रों को निजी एवं विदेशी कंपनियों के लिए खोलकर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम उन्होंने किया था। वित्त मंत्री रहते हुए तब उन्होंने जो किया आज उसी की नींव पर देश आगे बढ़ा रहे है। वे इतने मध्यम वर्ग के हितैषी थे कि उन्होंने सूचना के अधिकार से लेकर भोजन,स्वास्थ्य का अधिकार देश को दिया। डॉ. मनमोहन सिंह का जाना देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। साथ ही दुनिया ने एक बड़ा अर्थशास्त्री खो दिया है। डॉ मनमोहन सिंह एक कुशल राजनेता एवं अर्थशास्त्री थे। उनके नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था को नयी दिशा मिली,आर्थिक सुधारों में डॉ मनमोहन सिंह की महती भूमिका के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। उनके सुधारवादी कदमों से भारत को एक नया रूप मिला और देश ने दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोले। डॉ. मनमोहन सिंह को भारत में 1 रुपये से 100 रुपये तक के करेंसी नोटों पर हस्ताक्षर करने वाली एकमात्र हस्ती होने का अनूठा गौरव प्राप्त है। देश में 1 रुपये के नोट पर वित्त सचिव और 2 रुपये और उससे ऊपर के नोट पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं। डॉक्टर सिंह ने दोनों पदों पर कार्य किया था। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा उनके बेदाग राजनीतिक जीवन तथा उनकी विनम्रता के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। शोक व्यक्त करने वालों में रामयश पाठक, श्रीराम शर्मा, मुकेश सिंह, निर्मल कुमार भारती, मोफिल खान, संजय दुबे, बाबर खान, गंदरु उरांव, अरुण भारती, अनवर खान, लखन जायसवाल, दामोदर उपाध्याय, छठन राम, करनालस एक्का, गिद्योंन खाखा, बालजी उरांव, कैलाश बैठा, मोहम्मद छोटु, मोहम्मद रशीद, सरवर अंसारी, शम्स अलम, सागर प्रजापति, मंजू देवी, लक्ष्मी देवी, ममता देवी, अनीता देवी, विनीता कुमारी, साजीद खान, हसनैन, रीझ रूश पॉल एक्का, कुशेश्वर यादव, तपेश्वर भुइयां, अजीत लोहारा, नारायण गंझू, समेत सैकड़ों लोग शामिल हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोकसभा, दी श्रद्धांजलि

कुन्दा (चतरा)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कुन्दा में शोकसभा कर भावभीन श्रद्धासुमन अर्पित की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी साकेत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में उपस्थित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने डॉ मनमोहन सिंह के निधन को देश के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आर्थिक सुधार कर भारत की तस्वीर को बदल दिया था। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभाई थी। शोकसभा में बीपीओ अजय सिन्हा, पंचायत सेवक राजू कुमार रंजन, मुकेश कुमार, मुखिया भरत यादव, उपेन्द्र पासवान,मुखिया प्रतिनिधि बिनोद साव, अखलेश यादव,जेई विकास यादव, रोजगार सेवक मुसाफिर यादव, मिथलेश यादव, मनरेगा ऑपरेटर मुकेश कुमार, बीएफटी प्रदीप साव,आशीष यादव, सुबोध भोक्ता समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

रिशव राज ने सीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड निवासी सीमेंट व्यवसाई ब्रजेश कुमार सिंह के पुत्र रिशव राज ने सीए की फाइनल परीक्षा में क्वालीफाई कर जिले का नाम रोशन किया है। वह मंधनिया निवासी रामरक्षा सिंह और सेवानिवृत शिक्षक मीरा देवी के पोते हैं। उसने पहली बार में ही चार्टर्ड अकाउंटेंट का फाइनल परीक्षा में सफलता हासिल किया है। रिशव राज का रिजल्ट गुरूवार को जारी किया गया। जिसमें रिशव ने 600 में से 349 अंक प्राप्त कर पहले प्रयास में ही परीक्षा में उत्तीर्ण हो क्वालीफाई कर जिले के साथ-साथ अपने परिजनों का नाम रौशन किया है। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा मुनअम पब्लिक स्कूल से प्राप्त करने के बाद सेंट जेवियर्स स्कूल हजारीबाग से पढ़ाई की। वह केपीएमजी दिल्ली में कार्यरत हैं। रिशव राज ने सफलता का श्रेय दादा-दादी व मम्मी-पापा को दिया है। रिशव के सफलता से परिजनों व गांव के साथ पूरे प्रखंड में खुशी का माहौल है।

40 साल का सफर थमा: अखबार विक्रेता अंबिका प्रजापति का आकस्मिक निधन

मेदिनीनगर। पाटन प्रखंड के बंजारी गांव निवासी अंबिका प्रजापति का गत रात्रि आकस्मिक निधन हो गया। वह पिछले 40 वर्षों से पाटन क्षेत्र में अखबार विक्रेता के रूप में कार्यरत थे। गत शाम तबीयत बिगड़ने पर उन्हें स्थानीय झोलाछाप चिकित्सक से इलाज कराया गया, लेकिन इलाज के तुरंत बाद उनका निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। अंबिका प्रजापति ने 1985 से लेकर अपने अंतिम समय तक समाचार पत्रों को गांव-गांव और घर-घर पहुंचाने का काम किया। उनके समर्पण और मेहनत ने उन्हें क्षेत्र में एक पारिवारिक सदस्य जैसा स्थान दिलाया था। उनके निधन पर समाजसेवी व पूर्व जिला पार्षद मुक्तेश्वर पांडे, विनय पांडे, अखिलेश कुमार सिंह, सतीश कुमार यादव, राजेश्वर प्रसाद सिंह (उर्फ राजू सिंह), रमेश सिंह (उर्फ भोला सिंह), पाटन थाना प्रभारी लालजी, अशोक सोनी, विनोद प्रसाद और वर्तमान जिला पार्षद जयशंकर कुमार सिंह (उर्फ संग्राम सिंह) ने गहरा शोक व्यक्त किया। अंबिका प्रजापति की पत्नी का देहांत चार साल पहले ही हो गया था। उनके परिवार में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं, जिनमें से दोनों पुत्रियां और एक पुत्र विवाहित हैं। दोनों पुत्र बाहर मजदूरी करते हैं। आज उनका अंतिम संस्कार स्थानीय जिनजोई नदी श्मशान घाट पर किया गया। क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक राधाकृष्ण ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति : भीम कुमार

● पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला कांग्रेस कार्यालय में भी शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनामोहन सिंह के निधन पर शोक सभा कर दिवगंत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुजंर उरांव ने की। मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष भीम कुमार ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को देश के आर्थिक सुधारों का जनक कहा जाता है। उनका निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। उन्हें एक महान अर्थशास्त्री के रूप मे जाना जाता है। उन्होंने वन अधिकार, मनरेगा व सूचना का अधिकार जैसे कई कानून देकर देश को सशक्त बनाने में अहम भूमिका अदा की। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मनमोहन सिंह ने देश की बिगड़ी हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाकर मजबूत करने का कार्य किया था। उनका कार्यकाल देश के लिए यादगार रहेगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि पंकज तिवारी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक सरल, विनम्र व दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे। डॉ. सिंह ने प्रधानमंत्री समेत कई अन्य पदों पर रहकर देश के कई मामलों मे देश को सशक्त बनाने का काम किया। विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव ने कहा कि देश मनमोहन सिंह के किए गए कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। उनका निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। मौके पर महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीता देवी, जिला कांग्रेस महासचिव इमरान अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष सहजाद अंसारी, मनोज पासवान, नागेश्वर यादव, गुडु दुबे, बसंत पासवान, देवराज यादव, सकलदीप उरांव, राजीव कुमार बग्गा, धनंजय यादव, ललित उरांव, मनजीत यादव व पंकज उरांव समेत कई कांग्रेसी मौजूद थे।

सामूहिक विवाह में 36 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

इसाई धर्म विधि से विवाह संस्कार कराया गया

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़ (लातेहार)। संत जोसेफ चर्च सहित संत जेवियर चर्च गोठगांव, पकरी पाठ, साले, चेतमा, तुन्दटोली सहित प्रखंड के सभी चर्चो में शुक्रवार को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। पल्ली पुरोहितों द्वारा इसाई धर्म विधि से विवाह संस्कार में समाज के नियम के अनुसार जीवन यापन के लिए विवाह सूत्र में बांधा गया एवं सामाजिक व धार्मिक अधिकार दिये गये। इस दौरान महुआडांड़ संत जोसेफ चर्च में मुख्य अनुष्ठान कर्ता फादर जोन तिर्की और फादर इमिल एक्का द्वारा मिस्सा पूजा करा के विवाह संस्कार ग्रहण कराया गया। प्रखंड में कुल 36 जोड़ों की सामूहिक शादी कराई गई। चर्च में सभी जोड़ों की पवित्र विवाह संस्कार की आशीष व महाप्रसाद ग्रहण कर पति पत्नी के रूप में एक दूसरे को जीवन साथी चुना। विवाह में आये सैकड़ों लोगों ने जोड़ो को बधाई दी। गौरतलब है कि मसीही परिवार की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। इससे पूर्व चर्च परिसर में मिस्सा पूजन का आयोजन किया गया। पूजा व विवाह कार्य संपन्न होने के बाद संक्षिप्त रूप से चर्च परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर वर वधू पक्ष समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरूष उपस्थित थे। उन्होंने नए जोड़ो को अपना आशीर्वाद दिया। महुआडांड़ के बड़े चर्च में हेड प्रचार आनंद टोप्पो ,सिस्टर स्वाति सहित महिला संघ काथलिक सभा के सदस्य द्वारा मिस्सा पूजा और गाना का जिम्मेदारी निभाई गई।

समाहरणालय, लातेहार (भू-अर्जन शाखा) समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना (देखें नियम 6 का उप-नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक–07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–जडेयांग चादर–I में भूमि का रकबा–**91.67** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :–**राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा–डडेया अंचल–लातेहार जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :–जडेयांग चादर–I थाना नं0–351 राजस्व, थाना–लातेहार पुलिस स्टेशन–लातेहार जिला लातेहार।
3. भूमि की विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
96	जडेयांग चादर–I	74	248	धान दो	0.84	0.84	वाले उरांव वो रमीया उरांव, पिता– लेटो उरांव चार अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व कूजा उरांव वो लिया उरांव, पिता–धुड़िया उरांव बारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व लेचवा उरांव वो दुखन उरांव, पिता–सोमा उरांव छतीस अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व अदरा उरांव वो सिटू उरांव वो शिवनारायण उरांव, पिता–धनू उरांव छतीस अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व जगदेव उरांव वो सूकू उरांव, पिता–दुखी उरांव बारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व सुरजा उरांव, पिता–गंगा उरांव अठारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व विरकू उरांव वो सत्यानारायण उरांव, पिता–बासदेव उरांव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व भगडू उरांव वो रोयना उरांव, पिता– बलकू उरांव आठ अंश समान, जाति,– उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व कमनन्दन उरांव, पिता–धोरवा उरांव बारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	वाले उरांव वो रमीया उरांव, पिता– लेटो उरांव चार अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व कूजा उरांव वो लिया उरांव, पिता–धुड़िया उरांव बारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व लेचवा उरांव वो दुखन उरांव, पिता–सोमा उरांव छतीस अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व अदरा उरांव वो सिटू उरांव वो शिवनारायण उरांव, पिता–धनू उरांव छतीस अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व जगदेव उरांव वो सूकू उरांव, पिता–दुखी उरांव बारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व सुरजा उरांव, पिता–गंगा उरांव अठारह अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व विरकू उरांव वो सत्यानारायण उरांव, पिता–बासदेव उरांव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व भगडू उरांव वो रोयना उरांव, पिता– बलकू उरांव आठ अंश समान, जाति,– उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप व कमनन्दन उरांव, पिता–धोरवा उरांव बारह अंश, जाति–उराँव, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	उत्तर–सुंदर उरांव दक्षिण–लिवरा उरांव
97	जडेयांग चादर–I	80	335	धान दो	1.69	1.69	मधवा भूइयां वो कला भूइयां, पिता–बन्धन भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	मधवा भूइयां वो कला भूइयां, पिता–बन्धन भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–बांध दक्षिण–दुधु पहान
98	जडेयांग चादर–I	81	159 (P)	धान दो	1.94	0.09	मधवा भूइयां वो लटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनुषधारी भूइयां अंश समान, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम	मधवा भूइयां वो लटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनुषधारी भूइयां अंश समान, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–बांध दक्षिण–बैधनाथ राम
99	जडेयांग चादर–I	82	367	टांड दो	0.17	0.17	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–रति उरांव दक्षिण–निज
100	जडेयांग चादर–I	82	370	टांड दो	0.12	0.12	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–लेदिया
101	जडेयांग चादर–I	82	378	टांड दो	0.12	0.12	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	मधवा भूइयां वो लेटगू भूइयां वो सोमा भूइयां, पिता–धनूषधरी भूइयां दो अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व चैता भूइयां, पिता–चुहवा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मगलूआ भूइयां, पिता–गुठगा भूइयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–खिजना भुईया दक्षिण–अहरा
102	जडेयांग चादर–I	83	255	टांड दो	2.00	2.00	मानसा भूइयां, पिता–हिरू भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	मानसा भूइयां, पिता–हिरू भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	उत्तर–पुलिया..... दक्षिण–जंगल झाड़ी
103	जडेयांग चादर–I	84	413	धान दो	1.82	1.82	भुगेश्वर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	भुगेश्वर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–फगुना मोची दक्षिण–नंदु मोची
104	जडेयांग चादर–I	85	243	धान दो	0.40	0.40	मुंशी चमार, पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	मुंशी चमार, पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	उत्तर–लुदान उरांव दक्षिण–बुदरा उरांव
105	जडेयांग चादर–I	85	283	धान दो	1.38	1.38	मुंशी चमार, पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	मुंशी चमार, पिता–गोपाल चमार, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय मुरूप	उत्तर–राधा शाह दक्षिण– राम कुमार यादव
106	जडेयांग चादर–I	86	336	धान दो	1.70	1.70	मदेन भूइयां, पिता–विफई भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	मदेन भूइयां, पिता–विफई भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–बांध दक्षिण–सोया उरांव
107	जडेयांग चादर–I	87	377	टांड दो	0.13	0.13	मदेन भूइयां, पिता–जगू भूइयां चार अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व जेठवा भूइयां वो वसुआ भूइयां वो गूलटेव भूइयां, पिता–खेदन भूइयां तीन अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व पन्दु भूइयां, पिता–चैतु भूइयां एक अंश जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	मदेन भूइयां, पिता–जगू भूइयां चार अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व जेठवा भूइयां वो वसुआ भूइयां वो गूलटेव भूइयां, पिता–खेदन भूइयां तीन अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व पन्दु भूइयां, पिता–चैतु भूइयां एक अंश जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–रास्ता दक्षिण–अहरा
108	जडेयांग चादर–I	88	391	टांड दो	0.62	0.62	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–बांध दक्षिण–बाघ आम
109	जडेयांग चादर–I	88	432	धान दो	0.87	0.87	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–पुरानी परति दक्षिण–पैरवा.....
110	जडेयांग चादर–I	88	442 (P)	टांड दो	0.37	0.19	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	मोहर मोची, पिता–वालो मोची, जाति–चमार, निवासी–पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–गिदरा उरांव दक्षिण–मधवा भुईया
111	जडेयांग चादर–I	90	204 (P)	टांड दो	1.40	0.02	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–चानु उरांव दक्षिण–निज
112	जडेयांग चादर–I	90	206 (P)	टांड दो	0.64	0.40	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–भामा उरांव
113	जडेयांग चादर–I	90	215 (P)	टांड दो	1.38	0.33	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	मंगला उरांव, पिता–कइंला उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–भामा उरांव दक्षिण–पुरानी परति
114	जडेयांग चादर–I	91	365	मकान मय शहन	0.03	0.03	रति भूइयां वो संधन भूइयां वो सपूरन भूइयां, पिता–वंधू भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	रति भूइयां वो संधन भूइयां वो सपूरन भूइयां, पिता–वंधू भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	उत्तर– दक्षिण–
115	जडेयांग चादर–I	91	366	मकान मय शहन	0.05	0.05	रति भूइयां वो संधन भूइयां वो सपूरन भूइयां, पिता–वंधू भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	रति भूइयां वो संधन भूइयां वो सपूरन भूइयां, पिता–वंधू भूइयां अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम	उत्तर– दक्षिण–
116	जडेयांग चादर–I	92	269	धान दो	2.40	2.40	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव, पिता–फागू उरांव, एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव, पिता–फागू उरांव, एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–बिगु उरांव दक्षिण–झुलिया उरांव
117	जडेयांग चादर–I	92	448 (P)	टांड दो नई परती	0.33	0.10	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव, पिता–फागू उरांव, एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव, पिता–फागू उरांव, एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–पंचु उरांव
118	जडेयांग चादर–I	93	379	टांड दो	0.12	0.12	रति भूइयां वो सधन वोसपूरन भूइयां, पिता–बंधु भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मधवा भुईयां वो काला भुईयां, पिता–वनन भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व दुखन भुईयां, पिता–शिटन भुईयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति, उराँव, निवासी– निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव पिता–फागू उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–अहरा
119	जडेयांग चादर–I	93	380	टांड दो	0.12	0.12	रति भूइयां वो सधन वोसपूरन भूइयां, पिता–बंधु भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मधवा भुईयां वो काला भुईयां, पिता–वनन भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व दुखन भुईयां, पिता–शिटन भुईयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति, उराँव, निवासी– निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव पिता–फागू उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–लुदरीया भुईया दक्षिण–निज
120	जडेयांग चादर–I	93	382	टांड दो	0.02	0.02	रति भूइयां वो सधन वोसपूरन भूइयां, पिता–बंधु भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मधवा भुईयां वो काला भुईयां, पिता–वनन भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व दुखन भुईयां, पिता–शिटन भुईयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति, उराँव, निवासी– निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव पिता–फागू उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–दिनवा भुईया
121	जडेयांग चादर–I	93	389	टांड दो	0.05	0.05	रति भूइयां वो सधन वोसपूरन भूइयां, पिता–बंधु भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मधवा भुईयां वो काला भुईयां, पिता–वनन भुईयाँ एक अंश समान, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व दुखन भुईयां, पिता–शिटन भुईयां एक अंश, जाति–भुइयां, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	रती उरांव, पिता–सुकरा उरांव एक अंश, जाति, उराँव, निवासी– निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप व मंगरा उरांव वो वुदू उरांव वो सूकू उरांव वो सुकूवलाल उरांव पिता–फागू उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–मिसरीया दक्षिण–मोदर मोची
122	जडेयांग चादर–I	94	279	धान दो	1.56	1.56	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–राम कुमार यादव दक्षिण–गंदुरा उरांव
123	जडेयांग चादर–I	94	303	धान दो	0.31	0.31	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–नंदु ठाकुर दक्षिण–पंडरा उरांव
124	जडेयांग चादर–I	94	305	धान दो	0.90	0.90	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–लाल नारायण सिंह दक्षिण–पंडरा उरांव
125	जडेयांग चादर–I	94	321	धान दो	1.78	1.78	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	राधो साह, पिता–भिखारी साह, जाति–जयसवाल बनिया, निवासी–निज ग्राम	उत्तर–मुनी यादव दक्षिण–चंपु उरांव

PR 342862 Land Reforms)24-25*D

ह0/–उपायुक्त, लातेहार

एक बार फिर कुडू के दौरे पर गजराज, क्षेत्र में दहशत का माहौल

दोबा में घरों को पहुंचाया नुकसान, फसलों को रौंदा

नवीन मेल संवाददाता

कुडू - लोहरदगा। कुडू प्रखंड के टाटी पंचायत अंतर्गत दोबा गांव में गुरुवार की रात करीब दस बजे पहुंचे जंगली हाथियों के एक झुंड ने जमकर उत्पात मचाया है। ग्रामीणों से प्राप्त सूचना के आधार पर तकरीबन 16 की संख्या में जंगली हाथी जोजरो नदी के रास्ते दोबा गांव में प्रवेश कर गये। हाथियों के झुंड में तीन से चार शावक भी हैं। इस दौरान झुंड ने संदीप उरांव पिता बिरसा उरांव, जयराम उरांव पिता बोधा उरांव और हरमन लकड़ा पिता सीकनी लकड़ा के घरों को क्षतिग्रस्त कर दीया। जिससे घर के सामान को काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं आसपास खेतों में लगी की फसलों को रौंदकर चौपट कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें हाथी आने की सूचना मिल गई थी। जिससे सभी लोग अलर्ट हो गए थे। इस लिए हाथी ज्यादा देर रुके नही और तीन-चार घरों को क्षतिग्रस्त कर माराडीह गांव की तरफ कूच कर गए। हालांकि हाथियों के जाने के बाद भी ग्रामीण रातभर दहशत में रहे। और पुरी रात युवा गांव की निगरानी करते रहे। हाथियों के उत्पात से कुडू प्रखंड के टिको, कुंबाटोली, कुंदो, राजरोंम, चांदलासो, चेटर, इटरा, चडरा, बढ़मारा, कालीपुर, टिको, हताटोली, माराडीह, जिलिंग, और कुडू से सटे चंदवा प्रखंड के रुद, बरवाटोली, आदि दर्जनों जंगलवर्ती गांवो में आधा सैकड़ा से अधिक लोगों का घरों को क्षतिग्रस्त कर कई परिवारों को हाथियों ने बेघर कर दिया।

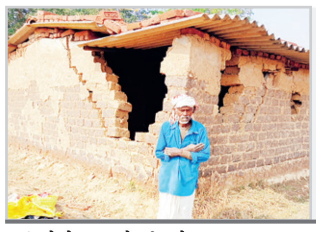

हाथियों ने कुडू प्रखंड को बनाया अपना मायका : गौर तलब है कि पिछले करीब एक दशक से हर तीन चार माह के अंतराल में जिस प्रकार कुडू प्रखंड में हाथियों का यह झुंड प्रवेश कर जाता है, मानो हाथियों ने कुडू को अपना मायका समझ रखा हो।

हाथियों ने दो को मौत की घाट उतारा, कई को किया जख्मी : हाथियों ने इस साल कुडू प्रखंड के दो लोगों को कुचल कर मार डाला। जिसमे चंदलासो गांव निवासी सुकरा उरांव का 35 वर्षीय पुत्र महावीर उरांव और कुडू ब्लॉक मोहल्ला हमीद नगर के दामाद उतर प्रदेश के शामली कैराना के ग्राम बसेड़ा निवासी 50 वर्षीय शौकीन अंसारी को कुचलकर मार डाला। वहीं हाथियों को भगाने के क्रम में कुडू तान गांव के स्व राजकुमार उरांव के 17 वर्षीय पुत्र उमेश उरांव की कुआ में गिरकर मौत हो गयी है। जबकि लोहरदगा के दिवंगत विधायक कमल किशोर भगत के चाचा विनोद टाना भगत सहित कई लोग बुरी तरह घायल हुए हैं।

न्यूज | बॉक्स

भाजयुमो जिला अध्यक्ष ने उपायुक्त को सौपा ज्ञापन

लोहरदगा। भाजयुमो के लोहरदगा जिला अध्यक्ष बाल्मीकि कुमार ने बयान जारी कर कहा कि शहरी क्षेत्र के मैना बगीचा से भंडरा तक जो सड़क का निर्माण किया जा रहा है। उसमें अधिकतर स्थानों में ग्रामीण पेयजलापूर्ति योजना के भूमिगत पाइप सड़क के बीचोबीच आ जा रहे हैं। यदि उन्हें बिना किनारे किए सड़क का निर्माण कर दिया जाएगा तो आनेवाले समय में पाईप लीकेज होने से पेयजलापूर्ति और सड़क दोनों प्रभावित होंगे। बीच सड़क पर पानी होने से सड़क खराब होगी और उसकी सुधार करने के लिए सड़क को खोदना होगा और इससे आवागमन बाधित होगा। इस विषय को लेकर उपायुक्त लोहरदगा को ज्ञापन देकर उनसे अनुरोध किया है कि आप इस विषय पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए सड़क निर्माण से पूर्व पेयजलापूर्ति के पाइपों को सड़क से किनारे करवाने की कृपा करें। उसके बाद ही सड़क का निर्माण हो, ताकि जनता को असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री मिथुन कुमार, भाजयुमो जिला महामंत्री सजल कुमार, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष प्रकाश नायक, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष अमित लोहार, सुरेश लोहार उपस्थित थे।

पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के योगदान को हमेशा याद रखेगा : सुखदेव भगत

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन की खबर की जानकारी से उनका मन व्यथित हुआ। श्री भगत ने कहा की उनका जाना पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। भारत के आर्थिक सुधारो में उनका योगदान ऐतिहासिक है ।उनके नेतृत्व में भारत ने उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक विकास की राह पकड़ी। उनकी सादगी, धैर्य और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण सदैव प्रेरणा देता रहेगा। देश उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। सांसद ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों व समर्थकों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट किये।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गयं। आज देश भर में भारत के पूर्व पीएम को नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। केंद्र सरकार ने 7 दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है इस शोक सभा में विद्यालय के प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, सचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष विनोद राय ,प्रबंधकारिणी समिति सदस्य एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ,आचार्यगण भैया- बहन एवं कर्मचारी शामिल हुए।

एसएफके कंपनी के लोहरदगा रियाडा भूमि पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

लोहरदगा। व्यवहार न्यायालय रांची के न्यायिक दंडाधिकारी थर्ड सौरभ त्रिपाठी की अदालत ने चेक बाउंस के कंप्लेन मामले में सुनवाई करते हुए तीन साल से फरार आरोपी के व्यावसायिक ठिकाना लोहरदगा सेन्हा स्थित रियाडा भूमि पर पुलिस द्वारा इश्तिहार चिपकाया गया। इस संदर्भ में सेन्हा थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि, कंप्लेंन केस के मामले में एसएफके प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर आफताब आलम का सेन्हा थाना क्षेत्र स्थित रियाडा भूमि प्लॉट नंबर 51व 52 एवं इस कंपनी के मैन्युफैक्चर प्राइवेट लिमिटेड इंडस्ट्रीज के प्लॉट नंबर 51,52 पर सेन्हा थाना पुलिस द्वारा इश्तिहार चिपकाए गया। बताया कि, आरोपी लगातार तीन सालों से फरार है।

फरार अभियुक्त के घर पर सेन्हा पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

सेन्हा-लोहरदगा। न्यायालय के आदेशनुसार सेन्हा पुलिस ने अभियुक्त के घर सेरेंगहातू में ग्रामीणों के समक्ष चिपकाया इश्तेहार। विदित हो कि सेन्हा थाना कांड संख्या 29/2020 धारा 323,341,504,34 आईपीसी के तहत सेरेंगहातू निवासी स्वर्गीय केश्वर साहू का पुत्र पंकज कुमार साहू के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया था. जी आर 227/2020 के आलोक में लम्बे समय से ए सी जी एम न्यायालय लोहरदगा में मामला लंबित होने के कारण न्यायालय के आदेश के बावजूद अभियुक्त आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नही हुआ और कानून से छुपता फिर रहा है। जिसे देखते हुए न्यायलय द्वारा इश्तेहार जारी कर अभियुक्त को ससमय उपस्थित होने का आदेश निर्गत किया गया।

नंदिनी जलाशय में डाला गया आठ लाख मछली जीरा

भंडरा। भंडरा प्रखंड अंतर्गत नंदनी जलाशय में शुक्रवार को मत्स्य विभाग द्वारा अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा की अगुवाई में आठ लाख पीस जीरा डाला गया। मौके पर अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मत्स्य पालन के माध्यम से रोजगार सृजन करने के उद्देश्य से नंदनी जलाशय में जीरा डाला गया है। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि नंदनी जलाशय में मत्स्य विभाग द्वारा आठ लाख पीस जीरा डाला गया है। इससे इस आसपास के ग्रामीण मत्स्य पालन कर अपना जीविकापार्जन कर सकते है। इस दौरान उन्होंने नंदनी जलाशय में केज के माध्यम से मत्स्य पालन से जुड़े मत्स्य सहयोग समिति लिमिटेड भीठा के जनक साहू व मत्स्य सहयोग समिति लिमिटेड कदम चौक भीठा के टूटू साहू से मुलाकात कर मत्स्य पालन से हो रहे आय की जानकारी ली। मौके पर सीओ दुर्गा कुमार, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, मनोज कुमार, पहलवान तिवारी व मत्स्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू से मिला ट्रक एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

लोहरदगा। लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक आँनर एसोसिएशन, विमरला का एक प्रतिनिधिमंडल एसोसिएशन के संरक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू से मिलकर बताया कि विमरला में हम ट्रक मालिको के ट्रक ठीक एवं सुचारू चल रहे हैं। किंतु कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए ट्रक मालिकों को डराने एवं धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रक बंद कराकर अपनी स्वार्थ पूर्ति में लगे हुए हैं। एसोसिएशन ने पूर्व राज्यसभा सांसद को यह भी बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा गलत तरीके से 15 वर्षों से पुरानी गाड़ियों का परमिट रोक दिया गया है। जिला खनन पदाधिकारी के द्वारा माल खाली करने का समय सीमा एकदम कम कर दिया गया है। जिसके कारण ट्रक मालिक परेशान है। इस पर संरक्षक धीरज साहू ने कहा की मैं सरकार के आला अधिकारियों एवँ मंत्री से बात करूंगा और दो दिनों के अंदर आप लोगों के साथ पुनः बैठक करूंगा। कंपनी को भी मैं कह दे रहा हूं कि किसी तरह से ट्रक मालिकों को परेशानी ना हो और अगर कोई गलत तरीके से गलत व्यवहार करके ट्रकों को बंद करता है तो आप लोग भी सड़क पर उतारिए। प्रतिनिधि मंडल में लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सहसचिव बरज सिंह, मोहम्मद गुड्ड, मोहम्मद बबलू, राजेश शर्मा, झारखंड ट्रक आँनर एसोसिएशन विमरला के सचिव रहमान अंसारी, उपाध्यक्ष अजमल कुरैशी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

समाहरणालय, लातेहार
(भू–अर्जन शाखा)
समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना
(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुन्र्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक–07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–जडेयांग चादर–II में भूमि का रकबा–**121.00** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :–**राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा–डडेया अंचल–लातेहार जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :–जडेयांग चादर–II थाना नं0–351 राजस्व, थाना–लातेहार पुलिस स्टेशन–लातेहार जिला लातेहार
3. भूमि की विवरणी :–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
111	जडेयांग चादर–II	51	570	धान दो	0.06	0.06	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–एतवा उरांव दक्षिण–रास्ता
112	जडेयांग चादर–II	51	831	टांड दो	0.16	0.16	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–सुकल भुईया दक्षिण–नाला
113	जडेयांग चादर–II	51	832	टांड दो	0.06	0.06	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–बांध दक्षिण–नाला
114	जडेयांग चादर–II	51	833	टांड दो	0.17	0.17	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–बांध दक्षिण–नाला
115	जडेयांग चादर–II	51	841	धान दो	0.93	0.93	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–रास्ता दक्षिण–एतवा उरांव
116	जडेयांग चादर–II	51	842	धान दो	0.03	0.03	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–एतवा उरांव
117	जडेयांग चादर–II	51	912	धान दो	0.03	0.03	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–नंदु ठाकुर
118	जडेयांग चादर–II	51	915	धान दो	0.01	0.01	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–दुर्गा उरांव
119	जडेयांग चादर–II	51	916	टांड दो	0.06	0.06	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–रती उरांव दक्षिण–विहास ठाकुर
120	जडेयांग चादर–II	51	917	धान दो	0.58	0.58	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–कपलेश्वर दक्षिण–दुर्गा उरांव
121	जडेयांग चादर–II	51	918	धान दो	0.06	0.06	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–पचु उरांव दक्षिण–निज

ह0/–
उपायुक्त, लातेहार

PR 342961 (Land Reforms)24-25*D

न्यूज बॉक्स

उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था और रख-रखाव पर दिए सख्त निर्देश

गुमला। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने शुक्रवार को ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस के भवन, कमरों, छत, परिसर और सीसीटीवी कैमरों का विस्तृत अवलोकन किया। ईवीएम संग्रहित कमरे की सीलिंग स्थिति को भी देखा और विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ईवीएम मशीनों के रख-रखाव और सुरक्षा तंत्र का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित उप निर्वाचन पदाधिकारी को सुरक्षा उपायों और मशीनों के रख-रखाव में कोई भी चूक न होने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा की लोकतंत्र में ईवीएम की विश्वसनीयता पर कोई भी संदेह न हो, इसके लिए वेयर हाउस की सुरक्षा और रख-रखाव पर हमेशा विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे।

नगर परिषद ने लोगों से की अपील डोर-टू-डोर सर्वेक्षण में करे सहयोग

गुमला। नगर परिषद् गुमला के निर्वाचन की अवधि समाप्त होने के बाद भी, नगर परिषद् का चुनाव लंबित है। सर्वोच्च न्यायालय के 03 अप्रैल 2021 के निर्णय और झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना संख्या 2508 दिनांक 04 जुलाई 2023 के तहत, गुमला नगर परिषद् में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की पात्रता की समीक्षा के लिए झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को अधिकृत किया गया है। इस संबंध में, राज्य आयोग के पत्रांक 701/पि० दिनांक 03 दिसंबर 2024 के निदेशानुसार, वर्तमान विधानसभा निर्वाचन मतदाता सूची के आधार पर गुमला नगर परिषद् के वार्डवार प्रगणकों द्वारा मतदाताओं से जानकारी संकलित की जाएगी। यह सर्वेक्षण डोर-टू-डोर किया जाएगा, जिसमें प्रगणक प्रपत्र-1 में आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। नगर परिषद् गुमला के अधिकारियों ने समस्त नागरिकों से विनम्र निवेदन किया है कि वे इस डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कार्य में प्रगणकों, पर्यवेक्षकों और वार्ड स्तरीय अनुश्रवण समिति के सदस्यों को सटीक जानकारी प्रदान करें। उनका सहयोग नगर परिषद् गुमला में निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगर परिषद् गुमला के अधिकारियों ने कहा कि इस प्रक्रिया में सभी नागरिकों का सहयोग आवश्यक है, ताकि आरक्षण की पात्रता की सही ढंग से समीक्षा की जा सके और पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

पालकोट के हरिजन टोला में असहाय वृद्धों के बीच कंबल का वितरण

गुमला। गुमला जिले के पालकोट थाना क्षेत्र स्थित हरिजन टोला में सर्वेश्वरी समूह प्रार्थना गृह शाखा गुमला के द्वारा असहाय और वृद्ध व्यक्तियों के बीच 60 कंबल का वितरण किया गया। यह वितरण कार्यक्रम समाज में जरूरतमंदों की मदद के लिए किया गया, जिससे असहाय वृद्धों को सर्दी से बचाव के लिए राहत मिली। इस अवसर पर सर्वेश्वरी समूह प्रार्थना गृह शाखा के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने इस नेक कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और समाजसेवियों ने देशी चीजों के अधिक उपयोग पर जोर दिया और हर किसी से अपील की कि वे अपने आस-पास कम से कम एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। मंत्री बिपीन सिन्हा, विजय केसरी, संजय महापात्र, आश्रम कुमार, श्यामा कांत झा, नंद कुमार सिंह, सुबोध दास, करुणवर नंद, सुरेंद सिंह, भोला नाथ दास, महेंद्र गोप, दिनानाथ केसरी, सत्यनारायण केसरी समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने इस आयोजन को एक प्रेरणादायक कदम बताया और आगे भी ऐसे समाजसेवी कार्यों को बढ़ावा देने की बात की। कार्यक्रम के दौरान हरिजन टोला के लोग भी उपस्थित रहे और सर्वेश्वरी समूह के इस पहल को सराहा। इस वितरण कार्यक्रम से जहां वृद्धों को राहत मिली, वहीं पूरे समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ी।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

गुमला। गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना रांची-सिमडेगा मुख्य सड़क के शफायर स्कूल के पास हुई, जहां शिवम कुमार गुप्ता नामक युवक मोटरसाइकिल से अपनी बहन को कुद्दा गांव छोड़ने के बाद लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक बैल आ गया। जिससे उसकी मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई और वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय नागरिकों ने घायल शिवम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कामडारा में प्राथमिक उपचार दिलवाया, और बाद में उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रांची रेफर कर दिया गया। दूसरी घटना कामडारा थाना क्षेत्र के बकुटोली से बानो जाने वाली सड़क पर गरई गांव के समीप हुई। जहां प्रेम सिंह नामक युवक बुलेट मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गया। प्रेम सिंह सालेगुटु गांव जा रहा था। जब उसने संतुलन खो दिया और गिर पड़ा। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कामडारा में प्राथमिक उपचार दिया गया।

डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर मयूरी ट्रस्ट व चैताली कॉलेज ने प्रकट की शोक संवेदना

गुमला। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर मयूरी ट्रस्ट गुमला और चैताली कॉलेज गुमला के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मयूरी ट्रस्ट के डायरेक्टर बसंत कुमार गुप्ता और चैताली कॉलेज के सेक्रेटरी चैताली सेनगुप्ता ने शोक संदेश जारी करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिनमें मनरेगा, शिक्षा का अधिकार और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून शामिल हैं। ये कदम भारत के विकास और जनता के कल्याण के लिए मील का पत्थर साबित हुए हैं। वसंत कुमार गुप्ता ने आगे कहा कि हमें डॉ. सिंह के आदर्शों को अपनाकर अपने देश और समाज के विकास के लिए काम करना चाहिए ताकि हम एक समृद्ध और शिक्षित राष्ट्र बना सकें। शोक संवेदना प्रकट करने वालों में मयूरी ट्रस्ट के डायरेक्टर वसंत कुमार गुप्ता, चैताली कॉलेज की सेक्रेटरी चैताली सेनगुप्ता, शुभम कुमार गुप्ता, हर्ष कुमार गुप्ता, मधुच्छंदा सेनगुप्ता, समाजसेवी मुकेश राम, फसिया पंचायत के मुखिया नरेश उरांव, अधिवक्ता ओम प्रकाश साहू, बीएड छात्र नितेश कुमार केशरी, और कई अन्य सम्मानित नागरिक शामिल थे।

एनएच 23 पर बोलेरो और स्कूटी की टक्कर, एक युवक गंभीर रूप से घायल

गुमला। शुक्रवार की देर शाम गुमला जिले के भरनो थाना क्षेत्र स्थित नवाटोली

नहर पुल के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना घटी, जिसमें बोलेरो और स्कूटी सवार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार युवक पॉल तिर्की (30 वर्ष), जो डुमरी थाना क्षेत्र के आकासी पतरीटोली का निवासी है, गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, बोलेरो में सवार दो युवक बाल-बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भरनो के गौरटोली निवासी दो युवक बोलेरो में पेट्रोल पंप से डीजल भराकर गुमला की ओर लौट रहे थे, जबकि गुमला से एक स्कॉर्पियो रांची की ओर जा रही थी। स्कॉर्पियो के पीछे-पीछे स्कूटी सवार पॉल तिर्की भी रांची की ओर जा रहा था। तभी अचानक बोलेरो ने स्कॉर्पियो को टक्कर मारते हुए स्कूटी सवार पॉल तिर्की को भी जोरदार टक्कर दे दी। इसके परिणामस्वरूप बोलेरो सड़क पर पलट गया। हालांकि, बोलेरो और स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित

उपायुक्त ने की उनके बलिदान की सराहना

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर गुमला जिले में श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम परिसर में हुआ, जहां उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और जिले के अन्य अधिकारियों ने उनके प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अल्बर्ट एक्का के अदम्य साहस और देश की सेवा में उनके महान बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि लांस नायक अल्बर्ट एक्का का बलिदान हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा और उनकी जयंती हमें समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का अवसर देती है। कार्यक्रम में उपस्थित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी परमवीर अल्बर्ट एक्का के पैतृक गांव जारी जाकर उनके सामाजिक स्थल और प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अपर समाहर्ता गुमला, प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला, प्रखंड विकास पदाधिकारी चैनपुर, अंचल अधिकारी गुमला, जिला नजारत उप समाहर्ता, एसडीपीओ, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

लांस नायक अल्बर्ट एक्का की जयंती पर लोगों को योजनाओं का मिला लाभ

गुमला जिले के जारी प्रखंड में शुक्रवार लांस नायक अल्बर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय जन शिकायत शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजित हुआ, जिसमें जिला उपायुक्त ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। शिविर में नागरिकों से संवाद करते हुए उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, शिक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, बैंकिंग, मनरेगा, पशुपालन, मत्स्य, ग्रामीण विकास, और उद्योग विभाग सहित कई अन्य विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया। खासतौर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें सिकल सेल एनीमिया जांच को प्राथमिकता दी गई।

समाहरणालय, लातेहार
(भू–अर्जन शाखा)

समाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन की अधिसूचना

(देखें नियम 6 का उप–नियम(1))

संख्या– /भू0 अ0 दिनांक–

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–4 के प्रावधनों के तहत् सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–217 दिनांक– 07.06.2024 के द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** के लिए M/s Social Action for Rural Development (SARDA) Chhotaki Murram Ramgarh Cantt. Ramgarh-829122 के द्वारा उक्त परियोजना हेतु S.I.A.(Social Impact Assessment) करने के लिए सहमति दी गई है। एतद् द्वारा **राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** हेतु ग्राम–जडेयांग चादर–I में भूमि का रकबा–**91.67** एकड़ भूमि का सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन करने हेतु अधिसूचना निर्गत की जाती है।

1. परियोजना का नाम :–**राजबार ई0 एण्ड डी0 कोल ब्लॉक** मौजा–डडेया अंचल–लातेहार जिला लातेहार
2. ग्राम का नाम :–जडेयांग चादर–I थाना नं0–351 राजस्व, थाना–लातेहार पुलिस स्टेशन–लातेहार जिला लातेहार।
3. भूमि की विवरणी :–

क्र० सं०	ग्राम का नाम	खाता संख्या	प्लॉट संख्या	भूमि का वर्गीकरण	कुल खतियानी क्षेत्र (रकबा)	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	खतियानी रैयत का नाम	पूरा पता सहित वर्तमान रैयत का नाम	भू–अर्जन की जाने वाली भूमि का चौहदी
46	जडेयांग चादर–I	26	434	धान दो	0.61	0.61	चामू उरांव, पिता–पति उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	चामू उरांव, पिता–पति उरांव, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–बनवारी भुईया
47	जडेयांग चादर–I	28	308	धान दो	0.36	0.36	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–निज
48	जडेयांग चादर–I	28	311	धान दो	0.42	0.42	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–पुरानी पाति
49	जडेयांग चादर–I	28	316	धान दो	1.19	1.19	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	जगदेव सिंह, पिता–रामलखन सिंह, जाति–राजपुत, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–राधा शाह दक्षिण–नारायण I शाह
50	जडेयांग चादर–I	31	254	धान दो	0.47	0.47	झुलिया उराइन, पति–वासदेव उरांव, जाति–उरांव, निवासी–रिचो पत्रालय मुरूप	झुलिया उराइन, पति–वासदेव उरांव, जाति–उरांव, निवासी–रिचो पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–मनमा भूंइया
51	जडेयांग चादर–I	31	267	धान दो	1.39	1.39	झुलिया उराइन, पति–वासदेव उरांव, जाति–उरांव, निवासी–रिचो पत्रालय मुरूप	झुलिया उराइन, पति–वासदेव उरांव, जाति–उरांव, निवासी–रिचो पत्रालय मुरूप	उत्तर–रति उरांव दक्षिण–सुलिमा ....
52	जडेयांग चादर–I	39	282	धान दो	0.65	0.65	धनी चमार वो धूजव चमार वो वुचन चमार वो पचन चमार वो मानकी चमार वो जानकी चमार, पिता–चमन चमार एक अंश समान, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय लातेहार	धनी चमार वो धूजव चमार वो वुचन चमार वो पचन चमार वो मानकी चमार वो जानकी चमार, पिता–चमन चमार एक अंश समान, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय लातेहार	उत्तर–एतवा भूंईया दक्षिण–राम चमार
53	जडेयांग चादर–I	39	457 (P)	टांड दो नई परती	0.27	0.15	धनी चमार वो धूजव चमार वो वुचन चमार वो पचन चमार वो मानकी चमार वो जानकी चमार, पिता–चमन चमार एक अंश समान, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय लातेहार	धनी चमार वो धूजव चमार वो वुचन चमार वो पचन चमार वो मानकी चमार वो जानकी चमार, पिता–चमन चमार एक अंश समान, जाति–चमार, निवासी–टेमकी पत्रालय लातेहार	उत्तर–पडरा उरांव दक्षिण–पिगल उरांव
54	जडेयांग चादर–I	40	290	टांड तीन	2.00	2.00	धर्मदेव ठाकुर, पिता–रामटहल ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–डाल पत्रालय मुरूप व चन्द्रदेव ठाकुर, पिता–चरन ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–डाल पत्रालय मुरूप	धर्मदेव ठाकुर, पिता–रामटहल ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–डाल पत्रालय मुरूप व चन्द्रदेव ठाकुर, पिता–चरन ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–डाल पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–सकरा भुईया
55	जडेयांग चादर–I	43	178 (P)	धान दो	0.63	0.24	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–बंधु पहान दक्षिण–गंनकु भुईया
56	जडेयांग चादर–I	43	324	धान दो	0.88	0.88	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–बुधु पहान दक्षिण–जगदेव सिंह
57	जडेयांग चादर–I	43	327	धान दो	0.25	0.25	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–सोया उरांव दक्षिण–निज
58	जडेयांग चादर–I	43	354	मकान मय शहन	0.14	0.14	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर– दक्षिण–
59	जडेयांग चादर–I	43	355	टांड एक	0.80	0.80	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–चवर दक्षिण–लेदिया भुंईया
60	जडेयांग चादर–I	43	439 (P)	टांड दो	0.42	0.25	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	नन्दू ठाकूर वो चन्दु ठाकुर, पिता–जगरनाथ ठाकूर दस अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व मुस्मात एतवरीय, पति–हुलास ठाकूर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय यमुरूप व कन्हाई ठाकुर, पिता–अमीर ठाकुर एक अंश, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप व कइली देवी वो सहोदरी देवी वो लक्ष्मीनी देवी, पिता–हुलास ठाकूर तीन अंश समान, जाति–हजाम, निवासी–निज ग्राम पत्रालय मुरूप	उत्तर–काना उरांव दक्षिण–मगुवा
61	जडेयांग चादर–I	44	181 (P)	धान दो	0.68	0.27	नन्हकू भूइयां, पिता–जगू भूइयां, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम पकड़ार पत्रालय मुरूप	नन्हकू भूइयां, पिता–जगू भूइयां, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–नंदु ठाकुर दक्षिण–चमरा उरांव
62	जडेयांग चादर–I	44	351	टांड दो	0.21	0.21	नन्हकू भूइयां, पिता–जगू भूइयां, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम पकड़ार पत्रालय मुरूप	नन्हकू भूइयां, पिता–जगू भूइयां, जाति–भूइयां, निवासी–निज ग्राम पकड़ार पत्रालय मुरूप	उत्तर–लेदिया दक्षिण–राधो शाह
63	जडेयांग चादर–I	45	391/ 1100	टांड दो	1.98	1.98	नन्दू चमार, पिता–जमुरी चमार, जाति–चमार, निवासी–निज ग्राम पकड़ार	नन्दू चमार, पिता–जमुरी चमार, जाति–चमार, निवासी–निज ग्राम पकड़ार	उत्तर–भुनेश्वर मोची दक्षिण–खनता
64	जडेयांग चादर–I	47	270	धान दो	0.64	0.64	पति उरांव, पिता–छोटीया उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व रामसहाय उरांव, पिता–एतवा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व रतनू उरांव वो होरमा उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व जतरू उरांव, पिता–विरसा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार	पति उरांव, पिता–छोटीया उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व रामसहाय उरांव, पिता–एतवा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व रतनू उरांव वो होरमा उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार व जतरू उरांव, पिता–विरसा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–पकड़ार	उत्तर–चमू उरांव दक्षिण–निज
65	जडेयांग चादर–I	48	252	धान दो	0.32	0.32	पुसना भूइयां, पिता–रमआ भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम डारम पत्रालय मुरूप	पुसना भूइयां, पिता–रमआ भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम डारम पत्रालय मुरूप	उत्तर–पुरानी परति दक्षिण–चंद्रमहतो
66	जडेयांग चादर–I	49	421	धान दो	0.02	0.02	पेरवा भूइयां, पिता–रोहन भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम आरागुन्डी पत्रालय मुरूप	पेरवा भूइयां, पिता–रोहन भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम आरागुन्डी पत्रालय मुरूप	उत्तर–निज दक्षिण–निज
67	जडेयांग चादर–I	49	422	धान दो	0.94	0.94	पेरवा भूइयां, पिता–रोहन भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम आरागुन्डी पत्रालय मुरूप	पेरवा भूइयां, पिता–रोहन भूइयां, जाति–भुइयां, निवासी–ग्राम आरागुन्डी पत्रालय मुरूप	उत्तर–एतवा उरांव दक्षिण–गेंदवा चमार
68	जडेयांग चादर–I	50	445	टांड दो नई परती	0.08	0.08	नन्दा उरांव वो रामधनी उरांव वो सहदेव उरांव, पिता–दूर्गा उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व पंचू उरांव वो वोला उरांव वो रामचन्द्र उरांव, पिता–कुशीया उरांव एक अंश समान जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व विहारी उरांव, पिता–मोहरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार	नन्दा उरांव वो रामधनी उरांव वो सहदेव उरांव, पिता–दूर्गा उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व पंचू उरांव वो वोला उरांव वो रामचन्द्र उरांव, पिता–कुशीया उरांव एक अंश समान जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व विहारी उरांव, पिता–मोहरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार	उत्तर–पुरानी परति दक्षिण–पुरानी परति
69	जडेयांग चादर–I	50	447 (P)	टांड दो नई परती	0.28	0.06	नन्दा उरांव वो रामधनी उरांव वो सहदेव उरांव, पिता–दूर्गा उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व पंचू उरांव वो वोला उरांव वो रामचन्द्र उरांव, पिता–कुशीया उरांव एक अंश समान जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व विहारी उरांव, पिता–मोहरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार	नन्दा उरांव वो रामधनी उरांव वो सहदेव उरांव, पिता–दूर्गा उरांव एक अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व पंचू उरांव वो वोला उरांव वो रामचन्द्र उरांव, पिता–कुशीया उरांव एक अंश समान जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार व विहारी उरांव, पिता–मोहरा उरांव एक अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही पत्रालय लातेहार	उत्तर–रति उरांव दक्षिण–नंनदा उरांव
70	जडेयांग चादर–I	51	188 (P)	धान दो	0.44	0.14	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–सुकरा भुईया दक्षिण–निज
71	जडेयांग चादर–I	51	191 (P)	धान दो	0.05	0.03	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–बिगु उरांव
72	जडेयांग चादर–I	51	192	धान दो	0.28	0.28	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–निज दक्षिण–बीगु उरांव
73	जडेयांग चादर–I	51	193	धान दो	0.05	0.05	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	पंडरा उरांव वो धलवा उरांव, पिता–ढुपा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व धनेश्वर उरांव, पिता–चमू उरांव दो अंश, जाति–उरांव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व रामेश्वर उरांव वो भुनेश्वर उरांव, पिता–लेदा उरांव दो अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व हरि उरांव, पिता– चुन्दा उरांव दो अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व मंगरू उरांव, पिता– सकुरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व कैला उरांव वो सुकू उरांव, पिता–नारा उरांव छव अंश समान, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व सोमा उरांव, पिता–मंगरा उरांव छव अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वन्धु उरांव, पिता–दूर्गा उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही व वावूलाल उरांव, पिता–वुधु उरांव तीन अंश, जाति–उराँव, निवासी–निज ग्राम टोला टेकही	उत्तर–सुकरा भुईया दक्षिण–निज

PR 342859 (Land Reforms) 24-25 (D)

ह0/–
उपायुक्त, लातेहार।

संपादकीय

खलनायक को नायक बनाता समाज

भारत में जनमानस को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला माध्यम सिनेमा रहा है जिसमें दक्षिण भारत की दीवानगी कुछ बढ़कर है। अर्द्धशिक्षित और अपरिपक्व मानसिकता वाले दर्शकों के ऊपर इसका इतना गहरा प्रभाव है कि उनके लिए तो सिनेमा ही साहित्य है। देश में राज कपूर के जन्म शताब्दी वर्ष पर देश विदेश में समारोहों का आयोजन किया जा रहा है, तो दूसरी ओर देश के लगभग सभी सिनेमाहॉलों में पुष्पा-2 की धूम मची है। समाज को कुछ संदेश देने वाले भारतीय सिनेमा की पिछले 60-70 साल की यह यात्रा एक ध्रुव से दूसरे ध्रुव की यात्रा है। नितांत विपरीत ध्रुवों का सफर है।गीतों और कथानक के माध्यम से राज कपूर की फिल्मों का नायक मूलतः आदर्शवादी है। स्वप्नदर्शी है। अगर वह कुछ गलत भी करता है, तो परिस्थितियों का शिकार होकर। उसके मन में हमेशा इस बात का एहसास रहता है कि उसने जो किया वह सही नहीं है। वह आम तौर पर समाज के विपन्न तबके से आता है। वह सपने जरूर देखता है, लेकिन इतने बड़े नहीं कि उन्हें पूरा करने के लिए अपराध की ऐसी राह पर चलना पड़े, जहां से लौटना नामुमकिन हो। वह जब नायिका से प्रेम करता है, तब भी अपनी शालीनता नहीं खोता। प्यार हुआ इकरार हुआ, प्यार से फिर क्यों डरता है दिल गाते हुए वह सिर पर टोपी, साधारण कोट-पैंट, मामूली जूते, सामान्य-सा छाता लेकर पृष्ठभूमि में लैंपपोस्ट की मद्धम रोशनी के साथ एक ऐसा लैंडस्केप रचता है, जो दर्शकों की स्मृति में हमेशा के लिए अंकित हो जाता है। इसमें आक्रामकता नहीं, बल्कि एक महाकाव्यात्मक गरिमा है। कुछ मसाला फिल्मों को छोड़ दें, तो राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों के करीब-करीब सभी नायक एक बेहतर मनुष्य हैं। सीधे-सरल। इसके विपरीत पुष्पा का नायक क्या है? वह लूटपाट करता है। हत्याएं करता है। स्मगलिंग करता है। सिगरेट-शराब बेधड़क पीता है। थोड़ा लचक कर चलते हुए जिस तरह व्यवहार करता है, उससे साफ तौर पर मनोरोगी प्रतीत होता है। किए गए अपराधों के प्रति उसमें किसी तरह की आत्मग्लानि नहीं है, बल्कि वह उनमेंरस लेता है। स्त्रियों को लेकर उसके मन में कितना सम्मान है, यह उसके नायिका के साथ व्यवहार से समझा जा सकता है। फैंटेसी आधारित भारतीय सिनेमा की करुणा से जुगुप्सा तक की यह यात्रा सिर्फ सिनेमा की असफलता की कहानी नहीं है। एक समाज के तौर पर हम किस तरह बदलते चले गए हैं और आज कहां पहुंच गए हैं, उसका भी रूपक है। यह सफर हमने क्रमशः तय किया है। भारतीय सिनेमा के इस पक्ष को लेकर बहुत कुछ लिखा गया है कि जब देश आजाद हुआ तो उसके सामने बड़े सपने थे। उन्हें पूरा करने की हसरत थी। स्वतंत्रता के संघर्ष से गुजरी पीढ़ी के पास अपना आदर्शवाद था और सिनेमा की कहानियों में समाज की यही भावना प्रतिध्वनित हुई। पर आदर्शवाद से अर्थवाद की अग्रसर समाज में धीरे-धीरे लोगों को समझ में आने लगा कि उनके सपनों का हकीकत में बदलना इतना आसान नहीं है। स्वप्न भंग के इस दौर में समाज ने वैकल्पिक रास्ते अख्तियार कर लिए। अब सिनेमा की कहानियां भी बदलने लगीं। राजेश खन्ना की रूमानी फिल्मों तक, फिर भी आदर्शवाद का असर कुछ हद तक बचा रहा। लेकिन, एंटी हीरो के तौर पर अमिताभ बच्चन के उदय के साथ ही भारतीय सिनेमा ने एक नई राह पकड़ ली। अब नायक, प्रतिनायक में बदल गया। वह अपराधी की तरह व्यवहार करने लगा। मगर, यहां भी गनीमत थी। नायक के पास अपराध की कोई ठोस वजह होती थी। कुल मिलाकर दर्शकों के समक्ष यही संदेश जाता था कि गलत, गलत है और सही। इसके विपरीत पुष्पा के नायक को अपराध करने के लिए किसी उचित कारण की जरूरत नहीं पड़ती। हिंसा उसके लिए आनंद का विषय है।

आज की बात

ब्रह्मांड हमसे बात करता है, क्या हम सुनेंगे?

डॉ मयंक मुरारी
चिंतक और लेखक

ब्रह्मांड हमसे संवाद कर रहा है। क्या हम उस बात में शामिल है? यह अस्तित्व हर पड़ाव पर हमारा ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। यह हमारा मार्गदर्शन करने, हमसे जुड़ने और हमें जगाने की कोशिश कर रहा है। ब्रह्मांड से हमारे लिए बहुत सारे संकेत आते हैं लेकिन क्या हम देख रहे हैं? क्या हम सुन रहे हैं? और क्या हम जानते भी हैं कि हमें क्या देखना है? हमारी आत्मा और ब्रह्मांड दोनों ही हमारे अंतर्ज्ञान के माध्यम से हमसे संवाद कर सकते हैं। आत्मा का मार्गदर्शन हृदय ऊर्जा केंद्र में गहराई से उत्पन्न होती है। जब हम ध्यान के दौरान शांति की स्थिति में प्रवेश करते हैं, तब हम अपनी आत्मा के मार्गदर्शन को सबसे स्पष्ट रूप से सुन सकता हूँ। जब ब्रह्माण्ड से संकेत होता है, तो ऐसा लगता है जैसे प्रेम और समर्थन बाहर से आ रहा है और यह कभी भी हो सकता है, जरूरी नहीं कि केवल तभी हो जब हम शांति की अवस्था में हूं। कभी-कभी ब्रह्मांड हमें नई जानकारी देगा, कुछ ऐसा जो हमने खुद कभी नहीं सोचा होगा। कभी-कभी ब्रह्मांड हमें संकेतों के माध्यम से समर्थन देता है, यह आश्वस्त करता है कि हम सही रास्ते पर हैं और हम पर नजर रखी जा रही है।

जब आप इस बात पर ध्यान देते हैं कि ब्रह्मांड हमसे किस प्रकार संवाद कर रहा है, तो जीवन बहुत कम उलझन भरा हो जाता है, और हम अधिक संरक्षित और जुड़ा हुआ महसूस करने लगते हैं। लौरा लिन जैक्सन की किताब 'साइन दी सेक्रेट लैंग्वेज ऑफ दी यूनिवर्स' में कहती है कि जैसे-जैसे हम दूसरी तरफ के संकेतों को मांगना और पहचानना सीखते हैं, हम उन जगहों पर अर्थ ढूंढ़ना शुरू कर देंगे, जहां पहले केवल भ्रम था, और अंधेरा में प्रकाश देखेंगे। जब अस्तित्व के संकेतों को पहचानना शुरू करते है तो प्यार की ओर बढ़ने, खुशी के साथ रहने और जीवन को बिल्कुल नए तरीके से जीने का फैसला कर सकते हैं। हमारी समस्या दूसरी है। आंखें खुली है, फिर भी हम देखते नहीं है। हमारे चारों ओर विशाल जीवन है एक अनंत और अनवरत फिल्म का शो चल रहा है। यह ब्रह्मांड इस लीला का आनंद ले रहा है और हम शिकायतों, तनावों एवं उलझनों में घिरे हैं।

जब हम अपने विचारों में गहरे डूबे होते हैं, तो एक विचार दूसरे विचार की ओर ले जाता है। लेकिन जब हमारे दिमाग में अचानक कोई विचार आता है और ऐसा लगता है कि वह कहीं से आया है, तो हो सकता है कि ब्रह्मांड आपसे बात कर रहा हो। कभी-कभी विचार किसी गीत, किसी पुस्तक के शीर्षक या किसी नाम के बारे में हो सकता है, और आपको गीत गाने, या पुस्तक के शीर्षक के बारे में जानने, या किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए प्रेरित महसूस होगा। हम अचानक किसी नए विचार से प्रेरित महसूस कर सकते हैं। हमारे भीतर एक मजबूत प्रेरणा होती है कि हमें इस विचार पर कार्य करने की आवश्यकता है, और केवल विचार पर कार्य करके ही हमारा दिल शांति महसूस कर सकता है। कई बार हमारी आँखें हमारा मार्गदर्शन करती है और हमारा ध्यान किसी खास चीज की ओर खींच रही होती हैं। हमारी आँखें आपको जिस चीज की ओर आकर्षित कर रही हैं, वह ब्रह्मांड की ओर से आपको ध्यान देने के लिए कहने का संकेत हो सकता है।

ईश्वर सदैव ही इस जगत पर एक रहस्यमयी खिड़की खोलते हैं, जिसके माध्यम से वह मानव से संपर्क साधते है। परमहंस योगानंद की किताब 'व्हिसपर्स फ्रॉम दी इटरनिटी' में बताया गया है कि दिल की हर धड़कन में उसका ही गीत है, जो ब्रह्मांडीय हृदय से जुड़ा होता है। उससे जो भी संकेत मिलता है, मैं उसे चमत्कार मानता हूँ क्योंकि यह स्त्रोत से सीधा संबंध है। जब हम कोई संकेत देखते हैं, तो स्त्रोत वहीं होता है जो हमसे संवाद करता है, मेरा मार्गदर्शन करता है। जब हमको ऐसा लगता है कि 'यह सही है' या 'कुछ गलत है' या 'मेरा हर हिस्सा ऐसा करना चाहता है', तो यह ब्रह्मांड की ओर से एक स्पष्ट संकेत है। इसके अलावा, जब आप कोई संदेश सुनते हैं या किसी पुस्तक में कुछ पढ़ते हैं जो आपके साथ गहराई से जुड़ता है और आपको पता नहीं क्यों, लेकिन यह सही और सत्य लगता है, तो यह आपकी आंतरिक सच्चाई का जागृत होना है।

ब्रह्मांड हमारी जरूरतों को हमसे पहले ही जान लेता है। आपको बस संकेतों पर ध्यान देना है और भरोसा रखना है कि हमको हर कदम पर मार्गदर्शन और सहायता मिल रही है। वास्तव में, यह हमारी अपनी आत्मा है जो हमको उस जगह तक ले जाता है जहाँ हमको होना चाहिए। टैमी मैस्ट्राबर्टे की किताब दी यूनिवर्स इज टॉकिंग टू यूह्ल में ब्रह्मांडीय संकेतों को कैसे समझा जाए, हमारे विश्वास को कैसे पुष्ट किया जाए। इस पर विस्तार से चर्चा करती है। वह ब्रह्मांड और आत्मा के दायरे के साथ प्रतिध्वनित होनेवाले उच्च कंपन तक पहुंचने के लिए एक शक्तिशाली पांच चरणीय प्रक्रिया साझा करती है। इसमें एक मजबूत आंतरिक आवाज या अंतर्ज्ञान को महसूस करना होता है।इसमें इसमें बिना किसी कारण के हम कुछ जान लेते है। जब हम जीवन में सार्थक संयोग या दोहराव का पैटर्न देखते है, तो यह दैवीय संकेत होता है। सक्रिय अवलोकन तीसरा चरण है। इसमें हम अपने आसपास के वातावरण के प्रति अधिक सजग होकर संभावित छिपे संदेश की तलाश करते हैं। चैथा तरीका अपनी अंतःप्रज्ञा पर भरोसा करना सीखते है।

और अंतिम तरीका है कि जब हम जानबूझकर अपने सामने आनेवाले संकेतों और संयोगों की व्याख्या करने का प्रयास करते हैं। इसके लिए ध्यान और माइंडफुलनेस अभ्यास के माध्यम से सूक्ष्म संकेतों प्रति अपनी जागरूकता बढ़ाते हैं। जीवन में दुख से उबरने का एकमात्र तरीका है कि हम अपनी चेतना को उच्च स्तर पर उठाए। हम इसलिए कष्ट उठाते है क्योंकि चीजें हमारी सोच से अलग होती है। योगानंदजी कहते है कि सभी मानवीय बीमारियों का मूल इलाज हर जगह एक ही है- अपनी चेतना को बढ़ाना। जब चेतना को सही दृष्टिकोण से बढ़ाने की कला हम सीख जाते हैं, तब इस जगत के हरेक कार्य में ईश्वरीय छवि की अनुभूति होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अलग बात

पायलट परियोजना से राष्ट्रीय स्तर तक : एनएचएआई की दूरदृष्टि

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
बड़वानी (म.प्र.)

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक दूरगामी और नवाचारी पहल शुरू की है। यह परियोजना केवल सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु कल्याण, पर्यावरण संतुलन और सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा देती है। आवारा पशुओं की अनियंत्रित उपस्थिति वर्षों से दुर्घटनाओं का बड़ा कारण रही है, और इसे नियंत्रित करने के लिए यह पहल समय की मांग है। एनएचएआई ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 334 (एनएच-334 बी) को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना है। यह क्षेत्र आवारा पशुओं की गतिविधियों और उनसे उत्पन्न जोखिमों के लिए संवेदनशील माना गया है। परियोजना के तहत 0.21 से 2.29 हेक्टेयर भूमि में पशु आश्रय स्थलों का निर्माण किया जा रहा है। इन स्थलों का उद्देश्य आवारा पशुओं को सड़क से दूर रखना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। इस योजना को अन्य प्रमुख राजमार्गों, जैसे एनएच-334-बी, एनएच-148-बी, एनएच-21 और एनएच-112 तक विस्तारित किया जा रहा है। संवेदनशील खंड, जैसे खरखौदा और हांसी बाईपास, को प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि यहां दुर्घटनाओं की संभावना अधिक है। इसके लिए मेसर्स गवर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है, जिसमें निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संरचनात्मक और तकनीकी उपायों का सहारा लिया गया है। सड़क के किनारे मजबूत बाड़बंदी स्थापित की जा रही है, ताकि पशु सड़क पर प्रवेश न कर सकें। यह बाड़बंदी पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनाई जा रही है, जिससे प्राकृतिक संतुलन प्रभावित न हो। तकनीकी उपायों में ड्रोन और सेंसर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जो पशुओं की गतिविधियों की निगरानी करेंगे। इसके अतिरिक्त, पशुओं के कानों में ट्रैकिंग चिप्स लगाए जा रहे हैं, ताकि उनकी स्थिति और संभावित खतरों का आकलन किया जा सके। घायल पशुओं को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए विशेष एंबुलेंस सेवाएं शुरू की जा रही हैं। हर 50 किलोमीटर पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और पशु अस्पताल स्थापित किए जा रहे हैं, जहां प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती होगी। पशु आश्रय स्थल इस परियोजना का मुख्य आधार हैं। इन स्थलों पर आवारा पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। आश्रय स्थलों को एक संरक्षित वातावरण के रूप में विकसित किया गया है, जहां पशुओं की नियमित जांच और देखभाल सुनिश्चित की जा सके। इनका संचालन और रखरखाव दीर्घकालिक रूप से मेसर्स गवर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह पहल स्थिर और प्रभावी रहे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देश की बात

चुनावी पारदर्शिता का अभाव लोकतंत्र बनाम राजतंत्र

सनत जैन

भारत का लोकतंत्र, अपनी विविधता और पारदर्शिता के लिए जाना जाता है। संविधान के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाओं का गठन हुआ था न्यायपालिका संवैधानिक संस्थाओं विधायिका और कार्यपालिका के सभी कार्यों की संवैधानिक एवं कानूनी समीक्षा कर निर्णय देती थी लेकिन पिछले 10 वर्षों में धीरे-धीरे संवैधानिक संस्थाएं और न्यायपालिका सरकार के ऊपर निर्भर होती चली जा रही हैं, जिसके कारण वर्तमान में संविधान संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को बचाए रखना बड़ा मुश्किल नजर आ रहा है। चुनाव आयोग आज सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है न्यायपालिका ने पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सरकार के पक्ष में निर्णय दिए हैं उसके कारण न्यायपालिका की विश्वसनीय और साख भी कमजोर हुई है अब तो लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी भी विवादों के घेरे में है। ऐसी स्थिति में चुनाव प्रक्रिया, जो लोकतंत्र की रीड़ की हड्डी की तरह है, उसमें गड़बड़ी, पारदर्शिता की कमी और चुनाव आयोग को लेकर अविश्वास से लगातार चिंताएं बढ़ने लगी हैं। हाल ही में चुनाव आयोग और कानून मंत्रालय द्वारा जो नए संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों ने चुनाव आयोग की स्थिति को और अविश्वसनीय बना दिया है। विशेष रूप से हाल ही में कानून मंत्रालय द्वारा रूल 93/2 में किए गए संशोधन के बाद चुनावी दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण से दूर कर दिया गया है। जिससे चुनावों की निष्पक्षता को लेकर जो गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं उसके बाद इसमें नया विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में हरियाणा और मुंबई हाईकोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को लेकर कुछ आदेश जारी किए गए थे। उनसे बचने के लिए यह संशोधन लाए गए हैं। जिसके कारण देश में एक बार फिर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। ईवीएम और वीवीपैट जैसे मुद्दे पर पहले से ही विपक्ष और नागरिक, समाज द्वारा न्यायपालिका में लड़ाई लड़ी जा रही है। लेकिन न्यायपालिका द्वारा सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में निर्णय किए जा रहे हैं। यहां तक कि चुनाव आयोग की पुरानी परंपरा और नियमों को दरकिनार करते हुए इस तरह के आदेश न्यायपालिका से जारी हो रहे हैं, जिसके कारण नागरिकों और राजनीतिक दलों में चिंता बढती ही जा रही है। अब केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग को अपार अधिकार देकर, उसे किसी भी प्रश्न से अछूता रखने तथा संवैधानिक जवाबदेही से बचाने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पर खतरा पैदा हो गया है, बल्कि जनता के विश्वास पर भी कुठाराघात हुआ है। कानून मंत्रालय ने यह संशोधन ऐसे समय पर किया है, जब चुनाव आयोग कटघरे में खड़ा हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बोधि वृक्ष

मरते हुए मनुष्य की चेतना अचानक भौतिक शरीर के भार से, श्वास की आवश्यकता से, और शारीरिक कष्ट से मुक्ति का अनुभव करती है। आत्मा एक अत्यधिक शान्तिपूर्ण, अस्पष्ट, धुँधले प्रकाश वाली सुरंग में से ऊपर जाने के भाव का अनुभव करती है।

मृत्यु को समझना

श्री श्री परमहंस योगानंद

इसके पश्चात वह सूक्ष्म जगत के किसी जीवन के क्षेत्र में जागता है: मेरे पिता के धाम में बहुत महल हैं। मैं स्वर्ग में कभी विश्वास नहीं कर सका, एक नए शिष्य ने कहा। क्या वास्तव में कोई ऐसा स्थान है? हाँ, परमहंस योगानन्दजी ने उत्तर दिया। जो ईश्वर से प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास रखते हैं वे मृत्यु के उपरान्त वहाँ जाते हैं। उस सूक्ष्म जगत में व्यक्ति के पास किसी भी वस्तु को मात्र विचार से तत्काल प्रकट करने का सामर्थ्य होता है। सूक्ष्म शरीर झिलमिलाते प्रकाश का बना होता है। उन लोकों में ऐसे रंग और ध्वनियाँ होती हैं जिनके बारे में पृथ्वीवासियों को कुछ पता नहीं है। यह एक सुन्दर और आनन्ददायक जगत है। मृत्यु अन्त नहीं है, अपितु परिवर्तनशील पदार्थ के स्थूल क्षेत्र में भौतिक अनुभूतियों से बहुरंगी किरणों के सूक्ष्म जगत के पवित्र आनन्दों की ओर स्थानान्तरण है। सूक्ष्म जगत असीम सुन्दर, स्वच्छ, शुद्ध और सुव्यवस्थित है, (श्री युक्तेश्वरजी ने कहा)। वहाँ कोई निर्जीव ग्रह या बंजर भूमि नहीं है। खरपतवार, जीवाणु, कीड़े-मकोड़े, साँप आदि पृथ्वी के अभिशाप वहाँ नहीं हैं। सूक्ष्म जगत में पृथ्वी की भाँति परिवर्तनशील और अनिश्चित जलवायु एवं ऋतुएँ नहीं हैं। वहाँ सदैव चिर वसन्त ऋतु की समशीतोष्ण जलवायु रहती है और यदा-कदा ज्योतिर्मय हिमपात होता है तथा बहुरंगे प्रकाश की वर्षा होती है। सूक्ष्म जगत के ग्रहों पर स्फटिक जल की झीलें, उज्जवल समुद्र तथा इन्द्रधनुषी नदियाँ प्रचुर मात्रा में हैं।

(क्रमशः)

फेसबुक वॉल से

X से

आज का दोहा

कंधे पर बैठा हुआ, प्रश्नों का बैताल।
विक्रम ने उत्तर दिया, फिर भी उठे सवाल।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com
कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक

आपकी बात

सरदार से असरदार बनने वाले मनमोहन सिंह थे संयोग के बादशाह

केदारनाथ दास
बसिया।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह का गत 26 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। संयोग देखिए, यह वही छब्बीस तारीख है जब सितंबर 1932 को पाकिस्तान के चकवाल में जन्म लेनेवाला एक सरदार नई दिल्ली के शासक बनने के संयोग का बखूबी निर्वहन करता नजर आया। यह पहला मौका नहीं था जब 92 वर्षीय सरदार मनमोहन सिंह की पूरी जिंदगी को संयोगों के आईने में अपनी तस्वीर ढूंढते हुए देखा गया। संयोगों के बात की शुरूआत करें तो इनके सार्वजनिक जीवन की कहानी खुद में किसी संयोग से कम नहीं रहा। कांग्रेस सरकार को दस वर्षों तक सफल नेतृत्व देनेवाला यह शख्सियत भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी की खोज थे तो कांग्रेस के इस दिग्गज को स्व.राजीव गांधी ने कभी जोकर की उपाधि से नवाजने का काम किया था। बात 1986 की है। तब स्व.राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे और तत्कालीन योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ.मनमोहन सिंह ने उनके सामने भारत के विकास को लेकर एक प्रेजेंटेशन की पेशकश की थी। अगले दिन जब राजीव से इस संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने योजना आयोग को जोकर आयोग कहकर डॉ.सिंह को कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया। वर्ष 1991 में एक दूसरे संयोग के साथ उनका नाम जुड़ा जब तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी.नरसिम्हा राव ने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाने का फैसला लिया। देश की आर्थिक स्थिति उस वक्त काफी खराब थी। इस दौरान डॉ.मनमोहन सिंह ने बहुचर्चितआर्थिक उदारीकरण का बजट पेश किया। इसमें लाइसेंस राज खत्म करने और निवेश को बढ़ावा देने घोषणा की गई। संयोग देखिए, मनमोहन के इस ऐलान का सबसे अधिक विरोध कांग्रेस के सांसदों ने ही किया और कांग्रेसी अखबार नेशलन हेराल्ड ने इसे मिडिल क्लास पर चोट बताते हुए उन्हें कठघरे में खड़ा करने में कोई कसर बाकी नहीं रखा।

एक संयोग का गवाह वर्ष 1992 भी बना जब भरे सदन में अटल बिहारी वाजपेयी ने मनमोहन सिंह और उनकी सरकार की खूब आलोचना की। अटल जी के इन कड़वे शब्दों को उन्होंने दिल पर ले लिया और नरसिम्हा राव के सामने इस्तीफे के पेशकश कर दी। इससे नरसिम्हा राव भी असहज हो गए और उन्होंने वाजपेयी जी से इसके समाधान की गुहार लगाई। संयोग देखिए, वाजपेयी जी खुद डॉ.मनमोहन सिंह से मिलने गए और उन्हें समझाया कि विपक्ष का काम ही सरकार की नीतियों की कमियों को उजागर करना है और ऐसी बातों को पर्सनल लेने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। विरोध में खड़े अटल जी की बात मानते हुए डॉ.मनमोहन सिंह ने अपना मन बदला, अपना इस्तीफा वापस लिया और एक नये संयोग की मिसाल कायम की। संयोगों की इस कड़ी में यह दावा किया जाता है कि उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी तो मिली पर परन्तु तत्संबंधी शक्ति से सदैव वंचित रहे। यह कहानी 2004 की है जब तथाकथित तौर पर सोनिया गांधी ने डॉ.मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री की कुर्सी सौंपी। डॉ.मनमोहन सिंह के सलाहकार संजय बारू की पुस्तक 'एक्सिडेंटल प्राइम मिनिस्टर' की मानें तो प्रधानमंत्री डॉ.सिंह अपनी पसंद से वित्त मंत्रालय को खुद अपने पास रखना चाहते थे परन्तु कांग्रेस हाईकमान के दबाव की वजह से यह कुर्सी उन्हें पी.चिदंबरम को देनी पड़ी। देश के प्रधानमंत्री की पसंद से कैबिनेट न बनने की खबरें तब सुर्खियां बटोर रही थी और डॉ.सिंह के समक्ष मौन साक्षी बनकर चुप्पी साधने का कोई विकल्प नहीं था। उल्लेखनीय है कि डॉ.मनमोहन सिंह को उस संयोग का भी गवाह माना जाता है जिसमें उनके सामने ही एक सांसद ने उनके द्वारा प्रस्तुत किसी आध्यादेश को फाड़कर फेंकने का दुस्साहस कर दिखाया।

यह घटना वर्ष 2013 की है जब राजनीति में अपराधियों के प्रवेश को रोकने के लिए सुनाये गए एक फैसले के आलोक में कांग्रेस की सरकार के द्वारा अध्यादेश लाने का फैसला लिया गया। यह सही है कि यह एक विरोधाभासी आध्यादेश था। मीडिया, विपक्ष व कुछ एक्टिविस्टों ने इस अध्यादेश का पुरजोर विरोध भी किया परन्तु अपने ही दल के एक सांसद राहुल गांधी के द्वारा जब सरेआम इसकी प्रति फाड़कर जो नजीर पेश की तब उसे एक दुर्लभ संयोग माना गया। 'असरदार' और 'सरदार' जैसे विशेषणों व तानों के बीच तब उन्हें 'मौनमोहन' की उपाधि तक दे दी गई। ऐसा भी तब जबकि सबसे काबिल प्रधानमंत्री होने के बावजूद पूरे सार्वजनिक जीवन काल में उन्हें सबसे बेवश राजनेता बने रहने के संयोग का पर्याय भी माना जाता रहा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व पीएम के आवास पहुंच श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के आवास पर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करने पहुंचे। उनके साथ बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था।प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और केंद्रीय मंत्री नड्डा ने पूर्व पीएम के परिजनों संग मिल शोक संवेदना व्यक्त की। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद उनके अंतिम संस्कार का आयोजन राजघाट के पास किया जाएगा। मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक दो बार प्रधानमंत्री रहे थे। उनकी गिनती देश के बड़े अर्थशास्त्रियों में होती थी। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की निधन की खबर मिलने के बाद एम्स के बाहर भारी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती की गई है। केंद्र सरकार ने 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। साथ ही शुक्रवार को होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेलगावी से देर रात दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे मनमोहन सिंह के आवास गए थे। राहुल ने एक्स पर लिखा- मैंने अपना मार्गदर्शक और गुरु खो दिया। बता दें, मनमोहन सिंह 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता भी रहे। हालांकि, साल 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली जीत के बाद उन्होंने देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यूपीए-1 और 2 में प्रधानमंत्री का पद संभाला था। उन्होंने पहली बार 22 मई 2004 और दूसरी बार 22 मई 2009 को प्रधानमंत्री के पद की शपथ ली थी। डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह में हुआ था, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। उनके पिता का नाम गुरमुख सिंह और मां का नाम अमृत कौर था। उन्होंने साल 1958 में गुरशरण कौर से शादी की थी। उनकी तीन बेटियां भी हैं, जिनका नाम उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह हैं।

सोनिया, राहुल, प्रियंका गांधी ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि राष्ट्र के प्रति उनकी विशिष्ट सेवा और असाधारण योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बिताए पलों को याद किया था। उन्होंने एक्स पर कहा था कि मनमोहन सिंह जी ने असीम बुद्धिमत्ता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मैंने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है। प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर पोस्ट कर डॉ. मनमोहन सिंह को याद किया था। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा था कि डॉ. मनमोहन सिंह जी जैसा सम्मान, कम ही लोगों को मिल पाता है।

1991 का बजट मील का पत्थर था, डॉ. सिंह ने अर्थव्यवस्था को बनाया उदार : सीतारमण

नई दिल्ली। शीर्ष राजनीतिक नेताओं और उद्योगपतियों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व, विनम्रता और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता थे और उन्होंने आरबीआई के गवर्नर और भारत के वित्त मंत्री के रूप में देश के बड़े कार्यभार संभाले। वित्त मंत्री सीतारमण ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, "1991 में पेश बजट मील का पत्थर था, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाया। वे सभी के द्वारा सम्मानित, मृदुभाषी और सौम्य थे। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री और प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री के निधन पर गहरा दुख है। गोयल ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, "भारत के आर्थिक सुधारों में उनके योगदान ने राष्ट्र के लिए विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त किया। एक राजनीतिक दिग्गज, उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें पूरे राजनीतिक स्पेक्ट्रम में सम्मान और प्रशंसा दिलाई।

'मनमोहन सिंह का यूं जाना बहुत बड़ी क्षति, पूर्व पीएम पर कोई आरोप नहीं था', लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। पूर्व पीएम की ईमानदारी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने देश की निस्वार्थ भाव से सेवा की। राजद अध्यक्ष ने कहा कि मनमोहन सिंह का यूं चले जाना बहुत बड़ी क्षति है। वह ईमानदार और निस्वार्थ नेता थे। उन्होंने देश के विकास में निस्वार्थ रूप से काम किया। हर क्षेत्र में भारत का मस्तक ऊंचा किया। वो एक ऐसे नेता थे जिन पर कोई आरोप नहीं था। पूर्व पीएम को याद करते हुए कहा कि मुझे उनके मंत्रिमंडल में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

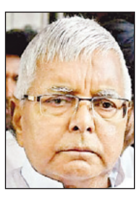

विनम्रता के प्रतीक थे मनमोहन सिंह, कभी सत्ता का मोह नहीं किया : हिमंता बिस्वा

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असाधारण विद्वान बताया है। उन्होंने पूर्व पीएम के निधन पर संवेदना जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने बेहतरीन राजनेता खो दिया है। असम के मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "मुझे डॉ. मनमोहन सिंह जी को 1991 से जानने का सौभाग्य मिला है, जब वे असम से पहली बार राज्यसभा के लिए चुने गए थे- एक ऐसा राज्य जिसका उन्होंने 28 वर्षों तक प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरी सभी बातचीत में, उनकी सादगी और शालीनता उनके बौद्धिक कौशल के साथ हमेशा सामने आई।

आतिशी और केजरीवाल ने किए मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन के लिए शुक्रवार को उनके आवास पर राजनीतिक पार्टियों के नेताओं का तांता लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित तमाम दिग्गज नेता सुबह से ही वहां पहुंचने लगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी उनके अंतिम दर्शन किए। अरविंद केजरीवाल ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक प्रख्यात अर्थशास्त्री को खो दिया है : डॉ पीके मिश्रा

रांची। डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ पीके मिश्रा ने कहा कि हमने एक बहुत ही प्रतिष्ठित नेता, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान को खो दिया है। डॉ मनमोहन सिंह से जुड़ी मेरी यादें उस समय की हैं, जब वे दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में पढ़ाते थे। उस दौर के दिग्गज प्रोफेसरों के बीच उन्हें पाना पश्चिमी ओडिशा के संबलपुर जिले से आए मेरे जैसे एक छात्र के लिए बहुत ही सुकून देने वाला था। वे दिन थे, जब अमर्त्य सेन, मृणाल दत्ता चौधरी, एएम खुसरो, केएन राज, सुखमय चक्रवर्ती, धर्म कुमार और अन्य जैसे बहुत ही प्रतिष्ठित प्रोफेसर वहां पढ़ाते थे।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

गुमला

केंचुआ खाद उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण, 32 किसानों ने लिया भाग

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुर/गुमला। विकास भारती बिशुनपुर के कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विज्ञान विभाग ने गुमला जिले के पांच प्रखंडों - पालकोट, सिसई, गुमला, घाघरा और बिशुनपुर के 10 गांवों से आए 32 किसानों के लिए पांच दिवसीय केंचुआ खाद उत्पादन सह विपणन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में किसानों को जैविक खाद उत्पादन की वैज्ञानिक विधियों और व्यावसायिक संभावनाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक कक्षाएं आयोजित की गईं और केंचुआ खाद उत्पादन इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया। केंचुआ खाद उत्पादन से मिट्टी की उर्वरकता में सुधार होता है। जैविक खाद का उपयोग फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों को अतिरिक्त आय का साधन भी प्रदान करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. संजय कुमार की अध्यक्षता में किया गया। समापन सत्र में संस्था के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने किसानों को जैविक खाद उत्पादन के लिए प्रेरित किया और आशीर्वचन दिए।

अमलिया में जंगली हाथी का आतंक फसलें बर्बाद, ग्रामीणों में दहशत

नवीन मेल संवाददात

गुमला। भरनो प्रखंड के अमलिया जंगल से निकलकर बीती रात एक जंगली हाथी ने अमलिया गांव में भारी उत्पात मचाया। हाथी ने वन समिति के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह के खेत में लगे आलू, फ्रेंचबीन और गोभी की फसल को खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया। सोमरा उरांव के खेतों में भी गोभी की फसल को नुकसान पहुंचाया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, यह हाथी पहले भी अमलिया गांव में फसलें और घरों को नुकसान पहुंचा चुका है। वन समिति के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह के घर को कई बार क्षतिग्रस्त कर चुका यह हाथी, एक बार उन्हें घायल भी कर चुका है। इस बार हाथी ने उनके खेतों में खड़ी फसल को बर्बाद कर दिया, जिससे उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।हाथी के गांव में प्रवेश से ग्रामीण भयभीत हैं। इससे एक दिन पहले भी हाथी ने गांव के एक घर को क्षतिग्रस्त किया था और कई किसानों की फसलें बर्बाद कर दी थीं। लगातार जंगली हाथियों के उत्पात से अमलिया और आसपास के गांवों के लोग दहशत में हैं। प्रभावित किसानों ने वन विभाग से मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि हाथियों के हमले से उनकी आजीविका और सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजने और उचित मुआवजा देने की अपील की है।

मृतक परिवारों को कानूनी सहायता के लिए जिला प्राधिकरण ने की पहल

गुमला। गुमला के जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के अध्यक्ष ध्रुव चंद्र मिश्र ने हाल ही में दो अलग-अलग घटनाओं का संज्ञान लिया और मामले में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सचिव डालसा के निर्देश पर पीएलवी (पैरालीगल वैल्फेयर वॉलंटियर) द्वारा घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की गई और उनकी स्थिति की जानकारी ली गई। पहली घटना गुमला थाना के डूमरडीह पंचायत के ग्राम कोरांबी की है, जहां मृतक बुद्धेश्वर उरांव के परिवार से पीएलबी राजेश सिंह ने मुलाकात की।

गुमला में चौकीदार बहाली को लेकर उम्मीदवारों का दो दिवसीय धरना प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले में चौकीदार बहाली को लेकर अभ्यर्थियों ने कलेक्टर परिषद में दो दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी प्रमुख मांग में मेघा सूची बीट वार प्रकाशित करने की अपील की है, जिससे उन्हें उनकी बीट (क्षेत्र) का स्पष्ट विवरण मिल सके।धरना प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें अपनी बात सुनने की मांग की। उनका कहना था कि मेघा सूची बीट बाय (बीट के हिसाब से) प्रकाशित की जाए, ताकि उन्हें अपने कार्यक्षेत्र के बारे में पूरी जानकारी मिल सके और उनकी नियुक्ति में पारदर्शिता बनी रहे।

प्रदर्शनकारी चौकीदार अभ्यर्थियों का कहना था कि बीते कुछ समय से उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है, और इससे उनके भविष्य के प्रति अनिश्चितता बनी हुई है। वे चाहते हैं कि जिला प्रशासन उनकी चिंताओं को गंभीरता से लेकर, जल्दी ही इस मुद्दे का समाधान निकाले। इस मौके पर अभ्यर्थियों ने कहा कि बीट वार सूची प्रकाशित करने से न केवल नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी होगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सभी उम्मीदवारों को समान अवसर मिले और कोई भी उम्मीदवार अपने क्षेत्र के चयन में वंचित न हो। धरने में शामिल अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि जिला प्रशासन उनकी सुनवाई नहीं कर रहा है, और राज्य सरकार इस मामले में न के बराबर सक्रियता दिखा रही है।

रक्तदान शिविर लगाकर स्थानीय कर्मियों ने पेश की मानवता की मिसाल

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 26 लोगों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस शिविर का आयोजन एसएसबी कैंप कुरुमगढ़ के जवानों और प्रखंड कर्मियों के सहयोग से किया गया, जिसके पीछे उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी का आदेश था।रक्तदान शिविर का सफल आयोजन स्थानीय प्रशासन, डॉक्टरों, जनप्रतिनिधियों, पोस्ट ऑफिस कर्मी और आम जनता के सहयोग से संभव हुआ। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों के जीवन को बचाना था।एसएसबी के कर्मियों ने कमान्डेंट श्री राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिविर में भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर कहा, "हमारा यह प्रयास मानवता की सेवा में है, और हमें गर्व है कि हम जरूरतमंदों के लिए कुछ कर पा रहे हैं।"कार्यक्रम में प्रखंड विकास अधिकारी यादव बैठा, प्रभारी चिकित्सा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर डी.एन. ठाकुर और गुमला जिला अस्पताल की मेडिकल टीम भी उपस्थित रही। उनके सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन सुचारू रूप से किया गया।

लोहरदगा में एथलेटिक मीट का होगा भव्य और शानदार आयोजन : धीरज साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन की बैठक जिला अध्यक्ष सह पूर्व सांसद धीरज साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की 67 वीं एथलेटिक मीट का आयोजन दिनांक 16 से 19 जनवरी तक ललित नारायण स्टेडियम में किया जायेगा। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व एथलेटिक जिला सचिव सुखैर भगत की निष्क्रियता के कारण उन्हें पद मुक्त किया गया। वही चार सदस्य एसोसिएट सचिव के रूप में किशोर कुमार वर्मा, शैयद जाहिद अहमद, कयूम खान और अजय कुमार का मनोनयन किया गया । जबकि अधिवक्ता मनोज प्रसाद और शिक्षाविद मदन मोहन पाठक को संयोजक के रूप में कार्य करने की जिम्मेदारी दिया गया। बैठक में ललित नारायण स्टेडियम का नामकरण स्वर्गीय शिव प्रसाद साहू के नाम से कराने का आग्रह सरकार और प्रशासन से किया गया। पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा की विगत कई वर्षो से खेलों का आयोजन नहीं होना दुःखद था लेकिन पुनः खेलकूद का आयोजन किया जाने से लोहरदगा खेल नगरी के रूप में पुनः पदस्थापित किया जा सकेगा। ग्रामीण स्तर पर छिपी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। मौके पर संजय प्रसाद साहू ने बताया की एथलेटिक प्रतियोगिता में राज्य भर से लगभग 700 खिलाडी उपस्थित होने का अनुमान है। बालक खिलाड़ियों के आवासन साहू धर्मशाला और जिला परिषद के विवाह भवन में कराया जायेगा और बालिका को उर्स लाइन कान्वेंट बालिका उच्च विद्यालय में किया जायेगा। बैठक में मदन मोहन पाठक, लाल मोहन केसरी,प्रोफेसर लोहरा उरांव, खलील अहमद, निशीथ जायसवाल, हाजी शकील अहमद,अब्दुल जब्बारुल अहमद, अफसर कुरैसी, आजाद खान, गुड्डू साहू आदि उपस्थित थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

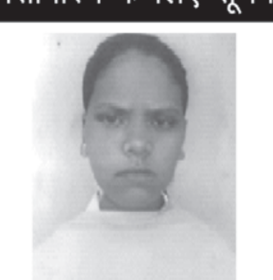

नाम–सोशिला कुमारी, उम्र–25 वर्ष, रंग–गोरा, ऊँचाई–5 फीट
पहनावा–पिला रंग का सूट एवं काला रंग का लेगींस पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सोशीला कुमारी उम्र–25 वर्ष, पे0–जितन सिंह, ग्राम–कोरिद, पो0–मटलौंग, थाना–मनिका, जिला–लातेहार, जो दिनांक–30.10.2024 को अपने घर पुरियो से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में बेड़ो थाना सन्हा संख्या–12/2024, दिनांक–03.11.2024 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, बेड़ो, रॉची। – 9431728777
थाना प्रभारी बेड़ो, रॉची। – 9431706152

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 343019 Police(24-25)D

कार्यालयः जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू।
(जिला योजना शाखा)
Very Short-Term Tender
REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)

Letter No- 555 Date 28/12/2024

Sl.	Particular	Details
a.	Name of the work	Request for Proposal (RFP) for Supply, Installation & Maintenance of Lightning Conductors in Government School/ Hospitals/ Government Buildings acrossPalamu
b.	Availability of RFP documentat	Digital Copy from https://palamu.nic.in/
c.	Date of Issue of RFP	28/12/2024
d.	Last Date for submission of Proposal	07/01/2025 till 11.00 A.M
e.	Date of opening of Technical Proposal	07/01/2025 02.00 P.M
f.	Date of opening of Financial Proposal	After Finalizing Technical Proposal
g.	Time allowed for completion	180 days from the date of the work order.
h.	Earnest money deposit (EMD) (Refundable)	INR 2,00,000/- (Rupees Ten Lakh only) in the form of a Demand Draft drawnin favor of "Deputy Commissioner , Palamu " drawn in any Scheduled Commercial Bank payable at Palamu.
i.	Address at which the tender sare to be submitted:	Office of District Planning Office , Palamu. New Collectorate Building (DC Office), Palamu, Jharkhand
j	Mode of submission of Hard Copy	Speedpost/Registered Post/By Hand only to the address as specified above during office hours only. Submission of the bid through any other mode or late submission of bids will be rejected.
k	Method of Selection	Cost-Based Selection (CBS) Method; Stage 1: The eligibility criteria documents as per Annexure-A, EMD Affidavit and other Technical Document submitted by the bidders will be evaluated in the first stage. The bid ders meeting the technical evaluation criteria only will be short listed for further financial bid evaluation. **Stage 2:** Out of the technically eligible bidders, the agency submitting the **lowest financial bid** will be awarded the project. **The Rate quoted by the agencies should be valid for 1 years.**

PR 343026 District(24-25)D DPO, PALAMU

रोहित शर्मा एक सीजन में सबसे कम औसत से बल्लेबाजी करने वाली सूची में दूसरे स्थान पर हैं

भारत के खिलाफ स्मिथ के सबसे ज्यादा शतक हैं

कमिंस के बीजीटी में 62 विकेट, 2024 में **रोहित** 10 बार सिंगल डिजिट में आउट

दूसरे दिन के फैक्ट्स और टॉप रिकॉर्ड्स...

एजेंसी

मेलबर्न । मेलबर्न टेस्ट का दूसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। टीम ने स्टीव स्मिथ के शतक की मदद से 474 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। स्टंप्स तक कंगारुओं ने भारत के 164 रन पर 5 विकेट भी गिरा दिए। टीम को अभी भी फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन बनाने पड़ेंगे। शुक्रवार को रिकॉर्ड की सूची में स्मिथ का नाम चर्चा में रहा। स्मिथ 34वां टेस्ट शतक लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी है। कप्तान पैट कमिंस ने बीजीटी में सबसे ज्यादा विकेट ले लिए हैं। स्मिथ 34वां टेस्ट शतक लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज है। उन्होंने इसके लिए 201 पारियां खेलीं। 34 टेस्ट शतक वाले 11 बल्लेबाजों में से केवल सचिन तेंदुलकर (192 पारी) और रिकी पोंटिंग (193 पारी) ही उनसे आगे हैं। बुमराह ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 84 पारियों में गेंदबाजी की है और यह पहली बार था जब तेज गेंदबाज ने एक पारी में 99 रन खर्च किए।

इस लिस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज माइक हेंड्रिक्स 54 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। रोहित शर्मा एक सीजन में सबसे कम औसत से बल्लेबाजी करने वाली सूची में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने 2024 के 14 टेस्ट में 11.07 की औसत से 155 रन बनाए हैं।

1. बीजीटी में सबसे ज्यादा शतक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में स्टीवन स्मिथ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके इस ट्रॉफी में अब तक 10 शतक हो गए हैं। स्मिथ ने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली 9-9 बार को पीछे छोड़ा है।

2. कमिंस बीजीटी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं। कमिंस ने इस ट्रॉफी की 27 इनिंग में 62 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर पूर्व भारतीय गेंदबाज जहीर खान है, जिन्होंने 34 इनिंग में 61 विकेट लिए हैं। कमिंस ने मेलबर्न टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को आउट किया।

3. भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ ने शुक्रवार को अपने करियर का 34वां शतक लगाया। यह शतक लगाते ही वह भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 11 शतक लगाकर इंग्लैंड के जो रुट के 10 शतक को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग 8 शतक के साथ तीसरे पायदान पर है।

4. स्मिथ के तीनों फॉर्मेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने अब तक वनडे, टी-20 और टेस्ट मिलाकर 16 शतक लगाया है। दूसरे नंबर पर 14 शतक के साथ रिकी पोंटिंग है। तीसरे नंबर पर 13 शतक के साथ इंग्लैंड के जो रुट मौजूद है।

5. टेस्ट 2024 में सिंगल डिजिट में आउट होने वाले बल्लेबाज 2024 टेस्ट सीजन में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 10 रन के कम स्कोर यानी सिंगल डिजिट पर 10 बार आउट हो चुके हैं। पहले नंबर पर कीवी गेंदबाज टिम साउदी है। वह इस साल 2024 में सिंगल डिजिट पर आउट हो चुके हैं। सूची में भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह 10 बार आउट होकर चौथे पायदान पर है।

यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पटना पाइरेट्स, दबंग दिल्ली से भिड़ेंगे

एजेंसी

पुणे। प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुलासा हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में गुरुवार रात को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना का अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी से सामना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेआफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है।

पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया। वैसे मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरुआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत नेगुरदीप को बाहर किया तो देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

वेदांता कलिंगा लांसर्स ने एरन जालेवस्की को अपना कप्तान घोषित किया

राउरकेला। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता और तीन बार के ओलंपियन एरन जालेवस्की को अपना कप्तान घोषित किया है। कूकाबुरास के पूर्व सह-कप्तान के पास काफी अनुभव है, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में सेवानिवृत्त हुए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान 30 दिसंबर को यूपी रुद्र के खिलाफ हीरो हॉकी लीग में अपने पहले मैच की तैयारी के लिए तुरंत प्रभाव से टीम की कमान संभालेंगे। वेदांता के स्वामित्व वाली कलिंगा लांसर्स में थिएरी ब्रिंकमैन और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ कृष्ण पाठक, रोसन कुजूर और संजय जैसी उभरती हुई भारतीय प्रतिभाओं का शानदार संयोजन है।

दीप्ति के प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को क्लीन स्वीप किया

एजेंसी

वडोदरा। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कोटांबी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच विकेट की जीत के साथ वनडे सीरीज में 3-0 से जीत दिलाई। उनके छह विकेट लेने और फिर शांत और नाबाद 39 रन बनाने की बदौलत भारत ने बादलों से घिरे आसमान में चुनौतीपूर्ण मैदान पर पांच विकेट से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 162 रन पर सिमट गई। पहले ही ओवर में रेणुका सिंह ने डबल स्ट्राइक के साथ लय हासिल कर ली। कियाना जोसेफ एक हल्की टिकल पर विकेट के पीछे कैच आउट हो गईं और चार गेंद बाद ही फॉर्म में चल रही हेली मैथ्यूज शानदार इन-डकर का शिकार बन गईं।

हैदराबाद एफसी के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी ईस्ट बंगाल एफसी

एजेंसी

हैदराबाद। ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार को जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में शाम 5:00 बजे खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का लक्ष्य मेजबान टीम पर अपने हालिया दबदबे को जारी रखना होगा। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने सीजन 2023-24 में हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच जीतकर लीग डबल पूरा किया और पिछले पांच मैचों में चार जीते हैं। ईस्ट बंगाल एफसी 12 मैचों में चार जीत, एक ड्रा और सात हार से 13 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी पिछले पांच मैचों में लगातार हार रही है। हैदराबाद एफसी 12 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और नौ हार से सात अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है।

गोल खाने की समस्या: हैदराबाद एफसी ने इस सीजन में 12 मैचों में 25 गोल खाए हैं। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में ही 15 गोल खाए हैं और इस दौरान ओडिशा एफसी के खिलाफ 0-6 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 2-5 से हारी है। साजी की मजबूती: डिफेंसिव खामियों के बावजूद, एलेक्स साजी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके प्रति मैच औसतन 5.8 क्लीयरेंस किए हैं।

राउरकेला में हॉकी इंडिया लीग की ऐतिहासिक वापसी के लिए मंच तैयार

राउरकेला। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की बहुप्रतीक्षित वापसी शनिवार को दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच मुकाबले के साथ वास्तविकता बनने जा रही है, जिसमें विश्व स्तरीय हॉकी और कड़ी प्रतिस्पर्धा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। राउरकेला का बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम 1 फरवरी को होने वाले फाइनल तक आठ पुरुष टीमों की मेजबानी करेगा, जबकि चार महिला टीमें 12 जनवरी से 26 जनवरी तक रांची में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

मनमोहन सिंह के निधन पर अर्थशास्त्रियों और उद्योगपतियों ने व्यक्त किया शोक

डॉ सिंह के सुधारों ने मुझ जैसे अनगिनत युवा अर्थशास्त्रियों को किया प्रेरित : गीता गोपीनाथ

नई दिल्ली (आईएएनएस)

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर अर्थशास्त्रियों ने शोक व्यक्त किया है। आईएमएफ की उप निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि 1991 में वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने जो आर्थिक सुधार शुरू किए, उनसे मुझ जैसे अनगिनत युवा अर्थशास्त्रियों को प्रेरणा मिली। गीता गोपीनाथ ने 'एक्स' पर कहा, डॉ मनमोहन सिंह के 1991 के बजट ने भारत की अर्थव्यवस्था को मुक्त कर दिया। उन्होंने करोड़ों भारतीयों के लिए इस क्षेत्र में संभावनाओं के द्वार खोल दिए। उनके दूरदर्शी सुधारों ने मुझ जैसे अनगिनत युवा अर्थशास्त्रियों को प्रेरित किया। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि उनकी पीढ़ी के भारतीय वित्त मंत्री मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री राव द्वारा 1991 में शुरू किए गए आर्थिक सुधारों की देन हैं। सान्याल ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है, भारत के लिए बीसवीं सदी के दो सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 1947 और 1991 थे - एक राजनीतिक स्वतंत्रता लेकर आया और दूसरा आर्थिक स्वतंत्रता।

चार चिप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और तीन सुपर कंप्यूटर हुए स्थापित

भारत की स्थिति ग्लोबल टेक स्टेज पर हुई मजबूत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2024 में ग्लोबल टेक स्टेज पर भारत की स्थिति मजबूत हुई। चार नई सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और तीन 'परम रुद्र' सुपर कंप्यूटर लगाए गए हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) के भारत में 91,526 करोड़ रुपये के निवेश से सेमीकंडक्टर फैब सुविधा स्थापित करने के प्रस्ताव को फरवरी 2024 में मंजूरी दी गई थी।

पीएसएमसी, ताइवान के साथ टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप में फैब सुविधा स्थापित की जाएगी। परियोजना की उत्पादन क्षमता लगभग 50,000 वेफर स्टार्ट प्रति माह (डब्ल्यूएसपीएम) होगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) के भारत में 27,120 करोड़ रुपये के एक दूसरे निवेश से ओएसएटी सुविधा स्थापित करने के प्रस्ताव को भी उसी महीने मंजूरी दी गई थी। इस सुविधा में स्वदेशी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसकी उत्पादन क्षमता 48 मिलियन प्रतिदिन होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के अनुसार, फरवरी 2024 में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रीयल सॉल्यूशंस लिमिटेड के 7,584 करोड़ रुपये के निवेश से भारत में ओएसएटी सुविधा स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई थी। यह सुविधा रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका, यूएस और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, थाईलैंड के साथ संयुक्त उद्यम साझेदारी के रूप में स्थापित की जाएगी।

इस सुविधा के लिए तकनीक रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, थाईलैंड द्वारा प्रदान की जाएगी, जिसकी उत्पादन क्षमता लगभग 15.07 मिलियन यूनिट प्रतिदिन होगी। वायर बांड इंटरकनेक्ट, सब्सट्रेट आधारित पैकेजों के लिए गुजरात के साणंद में आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा स्थापित करने के लिए केनेस टेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड (केटीआईएल) के प्रस्ताव को सितंबर में मंजूरी दी गई थी। यह सुविधा 3,307 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएगी। इस सुविधा में प्रतिदिन 6.33 मिलियन से अधिक चिप्स बनाने की क्षमता होगी।

तीन सुपर कंप्यूटर में 'परम रुद्र' शामिल

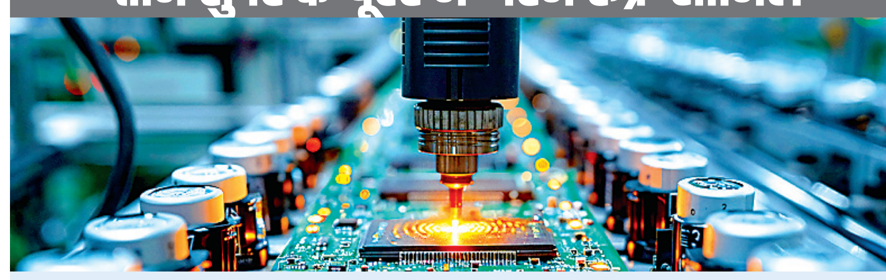

26 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए तीन 'परम रुद्र' सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत विकसित ये सुपरकंप्यूटर नई दिल्ली (3 पेटाफ्लॉप) में इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), पुणे (1 पेटाफ्लॉप) में नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (एनसीआरए) में जायंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी) और कोलकाता (838 टेराफ्लॉप) में एस.एन. बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज में स्थापित किए गए हैं। ये सुपरकंप्यूटर भारत में युवा वैज्ञानिकों के लिए शोध क्षमताओं को आगे बढ़ाएंगे, जिससे फिजिक्स, अर्थ साइंस, कॉसमॉलोजी में एडवांस स्टडी की सुविधा मिलेगी। ये सुपरकंप्यूटर देश भर के 200 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों और रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रयोगशालाओं के 1,700 से अधिक पीएचडी विद्वानों सहित 10,000 से अधिक शोधकर्ताओं की सुविधा प्रदान करते हैं। सरकार के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट और सेमीकंडक्टर के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीईसीएस) के तहत नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनसे 15,710 लॉब जनरेट होने की उम्मीद है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) के तहत 6.39 करोड़ व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है, जो 6 करोड़ के लक्ष्य से अधिक है।

सेंसेक्स 78,699 स्तर पर पहुंचा

मुंबई (आईएएनएस)। घरेलू बेंचमार्क सूचकांक शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। कारोबार के अंत में निफ्टी पर फार्मा, ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, एफएमसीजी, मीडिया और प्राइवेट बैंक सेक्टरों में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 226.59 अंक या 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,699.07 पर बंद हुआ और निफ्टी 63.20 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,813.40 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 140.60 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,311.30 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 145.90 अंक या 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,979.80 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.20 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,755.85 पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,946 शेयर हरे और 2,026 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जबकि 115 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बाजार के जानकारों के अनुसार, क्रिसमस सप्ताह का कारोबार सुस्त नोट पर समाप्त हुआ। प्रमुख ट्रिगर्स की कमी और अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी प्रशासन के शपथ ग्रहण से पहले सतर्कता ने धारणा को प्रभावित करना जारी रखा।

एनपीए में आई कमी, तेजी से बढ़ रहा मुनाफा : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली (आईएएनएस)

वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक समीक्षा में कहा कि स्ट्रेस्ड अकाउंट्स के समाधान, पुनर्पूंजीकरण और बैंकों में सुधार लागू करने की सरकार की नीति के कारण भारत के बैंकिंग सेक्टर की स्थिति काफी अच्छी हुई है। इस वजह से बैंकों के एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। साथ ही, मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों का ग्रॉस एनपीए मार्च 2018 के 11.18 प्रतिशत (10.36 लाख करोड़ रुपये) के उच्चतम स्तर से घटकर जून 2024 में 2.67 प्रतिशत (4.75 लाख करोड़ रुपये) हो गया है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों का ग्रॉस एनपीए मार्च 2018 के 14.58 प्रतिशत (8.96 लाख करोड़ रुपये) के उच्चतम स्तर से घटकर जून 2024 में 3.32 प्रतिशत (3.29 लाख करोड़ रुपये) हो गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि एसेट्स क्वालिटी में काफी सुधार आया है और इस कारण शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों का प्रोविजनल कवरेज रेशियो (पीसीआर) जून 2024 तक सुधरकर 92.52 प्रतिशत हो गया है, जो कि मार्च 2015 में 49.31 प्रतिशत था। ठीक इसी प्रकार, सरकारी बैंकों का पीसीआर बढ़कर जून 2024 में 93.36 प्रतिशत हो गया है, जो कि मार्च 2015 में 46.04 प्रतिशत था। प्रोविजनल कवरेज रेशियो (पीसीआर) वह रेशियो या राशि होती है, जो कि बैंक द्वारा खराब लोन से हुए नुकसान को रिकवर करने के लिए रखी जाती है।

सभी शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 3.50 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में 2.63 लाख करोड़ रुपये था। सभी सरकारी बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का सबसे अधिक 1.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है।

भारत के बैंकिंग सेक्टर की स्थिति हुई मजबूत

क्या है एनपीए : एनपीए वह लोन है, जिसने बैंकों के लिए एक निश्चित अवधि के लिए मूल राशि पर आय या ब्याज पैदा नहीं की है। अगर लोन लेने वाले व्यक्ति ने कम से कम 90 दिनों तक ब्याज या मूल राशि का भुगतान नहीं किया है, तो बैंक द्वारा मूल राशि को एनपीए घोषित कर दिया जाता है।

सुजुकी मोटर के पूर्व चेयरमैन ओसामु सुजुकी का निधन

नई दिल्ली । सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के पूर्व अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वैश्विक ऑटो उद्योग में एक आइकन रहे जापानी ब्रांड के पूर्व अध्यक्ष ने चार दशकों से ज्यादा समय तक संगठन का नेतृत्व किया। उन्होंने 2021 में 91 वर्ष की आयु में ब्रांड के अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के सबसे बड़े बेटे तोशीहिरो सुजुकी के हवाले से जारी बयान के अनुसार ओसामु सुजुकी की मृत्यु 25 दिसंबर को घातक लिम्फोमा से हुई।

प्रधान सचिव ने रांची में निर्माणाधीन योजनाओं का किया निरीक्षण

ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था, शौचालय ट्रैफिक बूथ का करें निर्माण : सुनील

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को रांची में निर्माणाधीन कई योजनाओं का निरीक्षण किया। इसमें रांची के जोनल रीडेवलपमेंट प्रोग्राम, रुक्का डैम में निमार्णाधीन जलशोधन संयंत्र, रविंद्र भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने जुडको द्वारा तैयार जोनल रीडेवलपमेंट प्रोग्राम से जुड़े प्रस्तावों और नगर निगम क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए चिह्नित सड़कों और चौक-चौराहों का भौतिक निरीक्षण किया। कचहरी चौक, चडरी मार्ग और नियोजन कार्यालय मार्ग को भी देखा। कहा कि इन मार्गों में गुणात्मक सुधार जरूरी है। उन्होंने समुचित ड्रेनेज सिस्टम की भी व्यवस्था करने को कहा। पैदल चलने वालों को बेहतर फुटपाथ के साथ खूबसूरत स्ट्रीट लाइटिंग का इंतजाम करने को भी कहा। सड़कों पर सजावटी लाइड लगाने और जनसुविधा के लिए शौचालय और ट्रैफिक बूथ बनाने को भी कहा। सड़कों के डिवाडर को तकनीकी रूप से ठीक करने के भी निर्देश दिए। बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर रांची के परिक्षेत्रीय पुनर्विकास की पहल शुरू की गई है।

निरीक्षण में सुडा निदेशक अमित कुमार, रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप कुमार, जुडको के पीडीटी गोपालजी, पीडीए अरविंद कुमार मिश्र, प्रधान सचिव के ओएसडी विजय कुमार, पीडीएफ अमित चक्रवर्ती, जीएम एस. सेनगुप्ता, डीजीएम आलोक कुमार, डीपीडी उत्कर्ष मिश्र, पीएम शितांषु वैभव, पीएम अनुराग कुमार, पीएम शशांक शेखर, डीपीएम राहुल कुमार, डीपीएम प्रत्युष आनंद, डीपीएम ऋजु श्रीवास्तव और एपीएम अभिषेक कुमार मौजूद थे।

शहरी जलापूर्ति योजना पर भी हो फोकस : प्रधान सचिव

प्रधान सचिव ने रुक्का में निर्माणाधीन जलशोधन संयंत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी और जुडको को आगामी गर्मी को देखते हुए काम समय पर पूरा करने को कहा। रांची शहरी पेयजलापूर्ति से संबंधित पाइपलाइन की नेटवर्किंग का नक्शा देख उन्होंने काम में तेजी लाने, पाइप बिछाते हुए कम से कम सड़क काटने-खुदाई का निर्देश दिया। उन्होंने तिलता चौक से रातू पिस्का मोड़ तक पाइप बिछाने के काम में आ रही बाधा पर एनएचएआई के साथ समन्वय बनाने को भी कहा।

रविंद्र भवन के काम में तेजी लाने को कहा

प्रधान सचिव ने कचहरी चौक के पास निमार्णाधीन रविंद्र भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी को काम समय पर पूरा करने को कहा। कहा कि राज्य की संस्कृति पर आधारित इस भवन के संचालन के लिए दिल्ली के भारत मंडपम की नियमावली का भी अध्ययन करें।

राजद नेताओं ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

रांची। राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा देश की प्रगति में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया गया। इसके अलावा झारखंड के वीर सपूत व परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद अल्बर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर भी उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर राजद के वरिष्ठ नेताओं ने शहीद अल्बर्ट एक्का के आदर्शों और डॉ. मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन से प्रेरणा लेकर देश और समाज की सेवा में समर्पित रहने की अपील की। श्रद्धांजलि देनेवालों में प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधारी गोप, उपाध्यक्ष अनिता यादव, युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव, रवि जायसवाल, क्षितिज मिश्रा, शब्बर फातमी, आबिद अली, नसीम अंसारी, अभिराज राय, साहिल साहनी, शालीग्राम पांडेय समेत कई लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

दुष्कर्म व छेड़छाड़ की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि राजधानी रांची में दुष्कर्म और छेड़छाड़ की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक है। आज स्थिति इतनी वीभत्स है कि स्कूल-कॉलेज जाने वाली छात्राएं सहमी हुई हैं। हाट-बाजार जाने वाली महिलाएं खौफजदा हैं। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि महिला सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी होती है लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सिर्फ मंईयां सम्मान योजना की घोषणा कर अपने सारे गुनाहों को छुपाने का प्रयास कर रहे हैं। झारखंड पुलिस दुष्कर्म और छेड़खानी की घटनाओं को रोकने के लिए लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करे। साथ ही पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए स्पीडी ट्रायल की पहल करे।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताया शोक

रांची। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार

को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन से दुखी हूं। वे भारत के आर्थिक विकास के जनक थे। महतो ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, देश के वित्त मंत्री एवं प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ता के लिए जिस प्रकार की योजनाएं बनायी, इसके लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। उनकी कुशल आर्थिक नीतियों ने देश को दिशा दी हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मार्गदर्शक के रूप में जब भी एक राजनेता को याद किया जाएगा मनमोहन सिंह की कमी हमेशा खलेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें एवं उसके चाहने वालों को इस विकट घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करें। दूसरी ओर, पूर्व मंत्री सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि समय, काल और परिस्थितियों के मद्देनजर मनमोहन सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री रहे। तिर्की ने कहा कि सादगी, विनम्रता, विद्वता, देशभक्ति, सुदृढ़ फैसले और समय की अनुकूल सटीक निर्णय लेना मनमोहन सिंह की ऐसी पहचान थी, जो हमेशा न केवल सभी को प्रेरणा देती रहेगी, बल्कि उनकी पहचान को चीरकाल तक कायम रखेगी।

उदारीकरण व आर्थिक सुधारों के लिए याद किए जाएंगे मनमोहन सिंह : डॉ लंबोदर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने प्रख्यात अर्थशास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह ने सर्वप्रथम बतौर वित्त मंत्री के रूप में देश में आर्थिक उदारीकरण का दौर प्रारंभ किया। उसके बाद प्रधानमंत्री के रूप में देश में आर्थिक सुधारों की दिशा में बेहतर कार्य करने के साथ -साथ कई उल्लेखनीय कार्य किया। आर्थिक नीतियों व वित्तीय मामलों में अपनी छाप आम जनमानस के बीच छोड़ गए हैं। उनके दूरदर्शी सोच, दक्षता से भरे किए गए कार्य सदैव हमें प्रेरणा देते रहेंगे। उनका जीवन शैली सरल व सादगी से भरा था। उनके निधन से भारतीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

दुष्कर्म व हत्या मामले में दो आरोपियों को हाईकोर्ट से राहत, किया बरी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के मामले में सजा पाए दो अभियुक्तों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की खंडपीठ ने एकमात्र गवाह के बयान में विरोधाभास होने पर मिथिलेश कुमार सिंह और सुनील चौबे को बरी करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के सजा के आदेश को निरस्त कर दिया। सजा के खिलाफ दोनों की ओर से हाईकोर्ट में अपील दाखिल की गई थी। इस मामले में पीड़ित महिला की पुत्री ही सूचक थी। उसके बयान विरोधाभास था। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामले में जहां अकेले गवाह की गवाही होती है, तो यह पूरी तरह से विश्वसनीय होता है। इसके आधार पर सजा का फैसला सुनाया जा सकता है। लेकिन इस मामले के तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि विरोधाभासी बयानों के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती है। इसलिए निचली कोर्ट के आदेश को निरस्त किया जा रहा है। चतरा के वशिष्ठ नगर थाना में मिथिलेश कुमार सिंह और सुनील चौबे के खिलाफ एक महिला के दुष्कर्म और उसकी हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी की थी। चतरा सिविल कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कर्मचारी संघ ने दी श्रद्धांजलि

रांची। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलित अर्पित की। महासंघ के महामंत्री सुनील साह, सम्मानित अध्यक्ष मुक्तेश्वर लाल, संरक्षक गणेश प्रसाद सिंह, अध्यक्ष देव नारायण सिंह मुंडा आदि सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सुनील साह ने कहा कि देश ने एक महान नेता, विश्वप्रसिद्ध अर्थशास्त्री, एक बेहतरीन इंसान, कुशल प्रशासक खो दिया।

राजधानी के 36 रूफ टॉप रेस्टोरेंट बिना नक्शे और अनुमति के संचालित

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने निगम को बिना नक्शे के चलाये जा रहे रूफ टॉप रेस्टोरेंट को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया था। इसके बाद रांची नगर निगम ने सर्वे किया। इसमें राजधानी के 36 रूफ टॉप रेस्टोरेंट बिना नक्शे और अनुमति के चलाये जा रहे हैं। इनमें से किसी के पास भी रूफ टॉप में रेस्टोरेंट चलाने की अनुमति नहीं है। निगम कोर्ट के एडिशनल एडमिनिस्ट्रेटर संजय कुमार की बेंच ने सभी रेस्टोरेंट के मालिकों को अपना पक्ष रखने का समय सात जनवरी तक दिया है। संजय कुमार ने बताया है कि कई रेस्टोरेंट के मलिकों ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। इस मामले को लेकर चार और सात जनवरी को कोर्ट बैठेगा।

अवैध रूप से संचालित रेस्टोरेंट : स्काईस्कैप, धुनकी, बेबीलोन, पराना, लूप, यूनिटी, नेवर द लेस, मैकेनिक्स, जंगली, मदिरा क्राउन 7, फर्स्ट डेट कैफे, अटारी किचेन, द केब्स, टेन 11, मोक्छ, विडोरा, स्मोक्स, रासो कोरल ग्रैंड, ग्रीका, सिग्नेचर, द अर्बन ब्रावा, लालपुर, कैलोरीज, मोका, अनारदाना, स्काई वॉक, स्काई डाइन, लेवल 7, सोरस, ओलिव्स एंड फिग्स, निरवाना, याराना, लिटिल रूफ, द शेक किचन, द अर्बन ब्रावा।

एक नजर

मनमोहन सिंह के निधन पर बाबूलाल ने जताया शोक

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने महान अर्थशास्त्री, सहज, सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। कहा कि दुखद सूचना से मन व्यथित है। देश के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोक व्यक्त करने वालों में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश महामंत्री सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह सहित अन्य शामिल हैं।

बालू माफियाओं पर कसा जाए नकेल : विजय शंकर

रांची। आदिवासी मूलवासी

जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा कि बालू माफियाओं का मनोबल बढ़ता जा रहा है। बालू के अवैध उत्खनन रोकने जा रहे अफसरों पर हमला कर उन्हें बंधक बनाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हाल के कुछ दिनों में राज्य के अलग-अलग जिलों में इस तरह की कई ऐसी घटनाएं घट चुकी है। उन्होंने कहा कि बालू माफियाओं पर हर हाल में नकेल कसा जाए।

रघुवर की वापसी से सत्ता से और दूर हो जाएगी भाजपा : डॉ सूरज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने कहा है कि उड़ीसा के राज्यपाल के पद से रघुवर दास के इस्तीफा देने के बाद अब उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज है। यदि रघुवर दास की भारतीय जनता पार्टी में वापसी होती है तो इससे भाजपा, झारखंड की सत्ता से ही नहीं बल्कि लोगों की नजरों से भी और दूर चली जायेगी। डॉ. मंडल ने कहा कि झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में बाबूलाल मरांडी ने जिस प्रकार से मूलवासियों की उपेक्षा की और झारखण्ड के लोगों को आपस में लड़वाने का काम किया था उसके कारण ही भाजपा को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। डॉ. मंडल ने कहा कि 2014 में मुख्यमंत्री बनने के बाद यदि रघुवर दास, बाबूलाल मरांडी द्वारा की गयी गलतियों में

सुधार करते हुए यहां अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिये उस 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को लागू कर देते जिसे श्री मरांडी ने घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया था तो आज तस्वीर दूसरी होती। उन्होंने कहा कि, इसी प्रकार से श्री मरांडी द्वारा जिस प्रकार से अपने मुख्यमंत्रित्व काल में 10 जिलों में पंचायती राज में आदिवासियों के लिए शत आरक्षण का प्रावधान किया गया, उसमें भी सुधार नहीं किया गया और श्री दास के कार्यकाल में भी ओबीसी समुदाय की कोई मांग पूरी नहीं हुई।

डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने भारत को एक नई आर्थिक दिशा दी : सुबोधकांत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत

सहाय ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, पूर्व पीएम के निधन से मैं शोकाकुल हूं। वह एक महान अर्थशास्त्री और उत्कृष्ट नेता थे। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में उनके योगदान को हमेशा स्मरण किया जाएगा। सुबोधकांत सहाय ने कहा कि उन्हें वर्ष 2004 से 2014 तक डॉ मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल में काम करने का अवसर मिला। अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में झारखंड के विकास के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे। मनरेगा जैसी जनहित में बनाई गई कल्याणकारी योजना को लांच करने के लिए उन्होंने झारखंड को ही चयनित किया था। आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। सुबोधकांत सहाय ने डॉ मनमोहन सिंह के परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने भारत को एक नई आर्थिक दिशा दी। देश में उनके द्वारा लायी गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

एचईसी कारखाना को उनके नेतृत्व में मिला रिवाइवल पैकेज

सुबोधकांत सहाय ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा। झारखंड से भी उनका गहरा लगाव था। औद्योगिक विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच हमेशा प्रेरणादायक रही। एचईसी के पुनर्जीवन और रिवाइवल के प्रति उन्होंने गंभीरता दिखाई और एशिया के प्रसिद्ध एचईसी कारखाने को उनके नेतृत्व में ही रिवाइवल पैकेज प्राप्त हुआ।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को संजय सेठ ने दी श्रद्धांजलि, कहा

देश के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर उनके आवास जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि मनमोहन सिंह का निधन संपूर्ण भारत की अपूरणीय क्षति है। मनमोहन सिंह इस देश में ऐसे व्यक्तित्व के रूप में जाने जाएंगे, जिन्होंने अर्थव्यवस्था की सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। देश के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में डॉ. मनमोहन सिंह का नाम सदैव याद किया जाएगा। एक सामान्य परिवार से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री तक की उनकी यात्रा प्रेरणादाई है। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।

मृतक की मां कुसुम आइंद के बयान पर

स्कूटी मालिक सहित पांच पर प्राथमिकी, एक ने किया सरेंडर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मधुकम रूगड़ीगढ़ा में रहने वाले समीर आइंद उर्फ सन्नाटा की पिटाई से हुई मौत के मामले में सुखदेवनगर थाना में शुक्रवार को हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मृतक की मां कुसुम आइंद के बयान पर मामले में लक्ष्मण मिस्त्री, पुकंलू, विकास कुमार, महेश कुमार सहित एक अन्य को आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद लक्ष्मण विश्वकर्मा (मिस्त्री) ने सुखदेव नगर थाना में सरेंडर कर दिया। उल्लेखनीय है कि समीर आइंद उर्फ सन्नाटा पर स्कूटी चोरी का आरोप लगा कर स्कूटी मालिक लक्ष्मण विश्वकर्मा (मिस्त्री) सहित अन्य आरोपितों ने मारपीट की थी। इलाज के दौरान समीर की रिम्स में मौत हो गयी थी। कुसुम आइंद ने प्राथमिकी में कहा है कि वह मूल रूप से खूंटी जिला के कर्रा थाना क्षेत्र के जरिया गोविंदपुर की रहने वाली है। वर्तमान में मधुकम के झारखंड चौक में बहन जूली कच्छप के घर में रहती है। 24 दिसंबर को रूगड़ी गढ़ा निवासी सभी नामजद आरोपित हमारे पैतृक गांव जरिया गोविंदपुर गये और वहां से मेरे बेटे समीर आइंद को स्कूटी चोरी का आरोप लगा रूगड़ीगढ़ा ले आये। इसके बाद उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की। जब वह गंभीर रूप से घायल हो गया, तो आरोपित उसे झारखंड चौक पर छोड़ कर भाग गये। वहां काफी देर तक समीर गंभीर स्थिति में तड़पता रहा। इसकी सूचना मिलने पर वह झारखंड चौक पहुंची। पुत्र को ई-रिक्शा से सदर अस्पताल लाकर उसे भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इलाज के क्रम में समीर आइंद की देर रात मौत हो गयी। कुसुम आइंद ने प्राथमिकी में कहा है कि उसके पुत्र की मौत पांचों आरोपितों के जरिये की गयी पिटाई के कारण हुई है।

पृष्ठ एक के शेष

पीएम मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह को...

गवर्नर के रूप में कार्य किया। पीएम मोदी ने कहा, जब वह पूर्व पीएम भारत रत्न स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव की कैबिनेट में वित्त मंत्री थे, तो उन्होंने देश को एक नई दिशा दी, जब देश आर्थिक संकट से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में मनमोहन सिंह के साथ अपनी आखिरी मुलाकात को भी याद किया और उन्हें पार्टी लाइन से अलग एक आकर्षक व्यक्तित्व बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो संदेश में कहा, इस साल की शुरूआत में जब उनका राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा था, मैंने कहा था कि उनकी ईमानदारी साथी सांसदों के लिए प्रेरणा है। वह एक आकर्षक राजनेता थे, जिन्होंने पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर देश भर के सभी नेताओं के साथ मधुर संबंध बनाए रखे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि डॉ सिंह ने दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की और सरकार में शीर्ष पदों पर रहे और फिर भी साझा विरासत के मूल्यों को कभी नहीं भुलाया। उन्होंने कहा, पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर, वह हमेशा हर पार्टी के नेताओं के संपर्क में रहते थे और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध रहते थे।

मनमोहन सिंह का अंतिम...

होगा। रक्षा मंत्रालय से अनुरोध है कि वह पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ राजकीय अंतिम संस्कार की व्यवस्था करे। वहीं, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर शुक्रवार जनता के अंतिम दर्शन के लिए उनके निवास स्थान 3, मोतीलाल नेहरू रोड, नई दिल्ली पर रखा गया है। शनिवार (28 दिसंबर) को सुबह 8 बजे उनका पार्थिव शरीर एआईसीसी मुख्यालय ले जाया जाएगा और जनता तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शनिवार की सुबह 8:30 से 9:30 बजे के बीच श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिलेगा। डॉ सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार को दिन में 9:30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से श्मशान घाट के लिए शुरू होगी।

बंद कमरों को खोलें और...

माना कि अस्पताल में बेड की कमी है और इससे मरीजों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि वे मंत्री के निदेशों का पालन करेंगे और अस्पताल में सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था करने का निर्देश मंत्री ने दिया है। इंडोर का भी मंत्री ने राउंड किया और दवाओं के बारे में पूछताछ की। इलाज और दवाओं से मंत्री संतुष्ट थे।

लेवी के लिए उग्रवादियों ने...

है कि ठेकेदार की गलती के कारण मुंशी की हत्या की गई है। घटना के बाद मृतक के पुत्र अरविंद साहू ने बताया कि उनके पिता गांव के वार्ड सदस्य भी थे। पिछले कुछ महीनों से वह पुल निर्माण कार्य में मुंशी का काम भी कर रहे थे। अरविंद ने बताया कि उग्रवादियों द्वारा संवेदक को धमकी देने की सूचना भी मिली थी। उग्रवादियों द्वारा रंगदारी की मांग की जा रही थी। धमकी के बाद घर वालों ने उन्हें मुंशी का काम छोड़ने की बात कही थी। इस माह के बाद मुंशी का काम छोड़ देते, लेकिन काम छोड़ने से पहले ही बीती रात उग्रवादियों ने उनकी हत्या कर दी। घटना की सूचना देने के बाद रात में पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को मृतक के शव को घटना स्थल से उठाने पर रोक लगा दी। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी के साथ 10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। इसके बाद ही शव को उठाने दिया जाएगा। इस संबंध में लातेहार थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली थी कि उग्रवादियों द्वारा पुल निर्माण कार्य में लगे मुंशी की पिटाई की गई है। सूचना के बाद पुलिस तत्काल घटना स्थल पर पहुंची, परंतु वहां पहुंचने पर पता चला कि मुंशी की हत्या हो गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। जल्द ही अपराधियों को पुलिस गिरफ्तार कर लेगी।

71 स्मार्ट शहरों में ...

अध्ययन किए और भारतीय स्मार्ट शहरों में आपराधिक गतिविधियों की घटनाओं में स्मार्ट कक्षाओं और वास्तविक समय की ट्रैकिंग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के निष्कर्ष निकाले। नवंबर 2024 तक, एससीएम के तहत 91 प्रतिशत परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, एससीएम के तहत शहरों ने निवासियों की स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के लिए कई बेहतर मॉडल पेश किए हैं। मिशन के पूरा होने के करीब होने के साथ, यह जरूरी है कि किए गए अनोखे समाधानों का प्रभाव आकलन और डॉक्यूमेंटेशन किया जाए।

पंजाब में बेकाबू बस नाले में...

पानी गिरता है और कई सालों से इसकी सफाई नहीं हुई है। हदासे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। मृतक चालक की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बठिंडा के उपायुक्त शौकत अहमद परे के अनुसार ग्रामीणों ने राहत कार्यों में काफी सहयोग किया है। बस को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकाल लिया गया है। एंबुलेंस से हादसे में घायल लोगों को तलवंडी साबो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद कुछ लोगों को सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। हादसे को लेकर विधायक जगरूप सिंह गिल ने दावा किया है कि पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में मौत हुई हैं। जितने लोग घायल हुए हैं, उनके बेहतर इलाज के लिए आदेश दे दिए हैं।

1,100 से भी ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड

रांची। झारखंड में 1,100 से भी ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं की मान्यता रद्द हो सकती है। राज्य सरकार ने निबंधन नियमावली का अनुपालन नहीं करने वाली संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड करते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है। इन संस्थाओं से पूछा गया है कि क्यों नहीं उनकी मान्यता समाप्त कर दी जाए? झारखंड सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने कई संस्थाओं के कागजी तौर पर संचालित किए जाने, वार्षिक रिपोर्ट जमा न करने, सरकार को सूचित किए बगैर पता बदलने सहित कई अन्य नियमों के उल्लंघन की लगातार मिल रही शिकायतों पर यह कार्रवाई की है। विभाग ने चिन्हित की गई संस्थाओं की सभी गतिविधियों पर रोक लगाने का भी आदेश दिया है। रजिस्ट्रेशन सस्पेंड रहने की अवधि में संस्थाएं किसी भी तरह की चल-अचल संपत्ति का हस्तांतरण नहीं कर सकेंगी। ऐसे संस्थाओं को अंतिम मौका देते हुए 31 दिसंबर 2024 तक हर हाल में विभाग के समक्ष स्पष्टीकरण समर्पित करने को कहा गया है।

ओबामा और मर्केल ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था में मनमोहन सिंह की भूमिका अहम

ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के आर्थिक सुधारों के जनक और दुनिया के बड़े अर्थशास्त्रियों में शुमार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार की रात को 92 साल की उम्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में निधन हो गया। उनकी मौत के बाद देश के तमाम नेताओं ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। देश ही नहीं, विदेश के दिग्गज नेताओं ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा तथा जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आर्थिक नीतियों की बहुत सराहना की है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा ने वर्ष 1991 के उदारीकरण प्रयासों के माध्यम से भारत को बाजार आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था में बदलने में डॉ मनमोहन सिंह की भूमिका के बारे में बात की, जबकि मर्केल ने बताया कि कैसे मनमोहन सिंह ने उन्हें विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के परिप्रेक्ष्य को समझने में मदद की।

मनमोहन सिंह सौम्य और मृदुभाषी अर्थशास्त्री थे : ओबामा

बराक ओबामा ने पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के बारे में कहा कि वे एक सौम्य, मृदुभाषी अर्थशास्त्री थे। ओबामा ने मनमोहन सिंह को भारत की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण का श्रेय दिया। ओबामा ने कहा कि उनकी 'सफेद दाढ़ी और पगड़ी उनके सिख धर्म की पहचान थी, लेकिन पश्चिमी लोगों की नजर में वे एक पवित्र व्यक्ति लगते थे। बराक ओबामा लिखते हैं कि 1990 के दशक में वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सिंह लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल रहे। ओबामा लिखते हैं कि भारत के आर्थिक परिवर्तन के मुख्य वास्तुकार के रूप में सिंह इस प्रगति के एक उपयुक्त प्रतीक प्रतीत होते थे। सिख समाज से आकर वे देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचे थे, जिन्होंने लोगों का विश्वास उनकी भावनाओं को भड़काकर नहीं, बल्कि उच्च जीवन स्तर लाकर और भ्रष्ट न होने की अच्छी-खासी प्रतिष्ठा बनाए रखकर जीता था। पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों के बारे में ओबामा लिखते हैं कि मनमोहन सिंह व मैंने एक मधुर व समझदारी के संबंध विकसित किए थे। हालांकि, वे विदेश नीति में सतर्क हो सकते थे, भारतीय नौकरशाही से बहुत आगे निकलने के लिए तैयार नहीं थे, जो ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी इरादों के प्रति संदिग्ध थी। हमारे साथ बिताए समय ने उनके बारे में मेरी प्रारंभिक धारणा को पुष्ट किया कि वे असाधारण बुद्धि और शालीनता वाले व्यक्ति थे। ओबामा ने कहा कि राजधानी नई दिल्ली की मेरी यात्रा के दौरान, हम आतंकवाद, वैश्विक स्वास्थ्य, परमाणु सुरक्षा और व्यापार पर अमेरिकी सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौतों पर पहुंचे।

एंजेला मर्केल ने की है मनमोहन के आर्थिक सुधारों की प्रशंसा

वर्ष 2005 से 2021 के बीच जर्मनी की चांसलर रहीं एंजेला मर्केल ने फ्रीडम मेमोयर्स (1954-2021) में लिखा है कि उनकी पहली मुलाकात सिंह से अप्रैल 2006 में हुई थी, जब उन्होंने आधिकारिक तौर पर एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले हनोवर मेसे का उद्घाटन किया था। उन्होंने लिखा कि सिंह का प्राथमिक उद्देश्य भारत की 1.2 अरब आबादी के दो-तिहाई हिस्से, जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, के जीवन स्तर में सुधार लाना था। मर्केल ने कहा कि यह 800 मिलियन लोगों के बराबर था, जो जर्मनी की पूरी आबादी से दस गुना ज्यादा था। उनके साथ बातचीत में मैं उभरते देशों की हमारे, समृद्ध देशों के प्रति गलतफहमी को बेहतर ढंग से समझ पाई। उन्होंने कहा कि उनके दृष्टिकोण से, हमें उम्मीद थी कि वे हमारी समस्याओं में बहुत रुचि लेंगे, लेकिन हम उन्हें वही शिष्टाचार दिखाने के लिए तैयार नहीं थे।

अमेरिका से खरीदे गए ये खूंखार शिकारी करेंगे दुश्मन का सफाया

नौ एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों को नौसेना ने किया ऑपरेशनल

नई दिल्ली (हि.स.)

भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे खूंखार शिकारी चौबीस एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को बेड़े के जहाजों पर ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही, इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी। भारतीय नौसेना ने इसी वर्ष छह मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है।

एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा। भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक नौ एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं। मेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की विभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। सभी हेलीकॉप्टर मिलने के बाद भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही, भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत अपनी बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपनी मातृभूमि की रक्षा को मजबूत करने के लिए करेगा। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ समुद्री डोमेन में निरंतर नौसैनिक संचालन का समर्थन करेगा।

इस खूंखार शिकारी से डरता है हर पनडुब्बी का कैप्टन

बहुउद्देश्यीय अमेरिकी समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60आर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी के लिए डिजाइन किया गया है। इस हेलीकॉप्टर में नाइट विजन उपकरण, हेलिफायर मिसाइलें, एमके-54 टॉरपीडो और रॉकेट लगे हैं। रोमियो हेलीकॉप्टर में लगे राडार और सेंसर न केवल पानी के अंदर, बल्कि पनडुब्बियों की पहचान करके समय रहते उनका शिकार भी कर सकेंगे। इस खूंखार शिकारी से हरेक पनडुब्बी का कैप्टन डरता है। यह हेलीकॉप्टर कई अलग-अलग तरह के हथियारों से लैस हो सकता है, क्योंकि इसमें हथियारों को लगाने के लिए चार प्वाइंट्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए इसमें 7.62 एमएम की मशीन गन को भी लगाया जा सकता है।

26/11 हमले के गुनहगार अब्दुल रहमान की हार्ट अटैक से मौत

इस्लामाबाद (आईएएनएस)। मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के करीबी रिश्तेदार और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा के उप प्रमुख हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की शुक्रवार को लाहौर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। समा टीवी की न्यूज के मुताबिक मक्की की मौत हार्ट अटैक के चलते हुई। मक्की को आतंकवाद विरोधी अदालत ने 2020 में आतंकवाद की फंडिगं के मामले में छह महीने की कैद की सजा सुनाई थी।

हूती विद्रोहियों और इजरायल के बीच बढ़ा तनाव : गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यमन के हूती विद्रोहियों और इजरायल के बीच संघर्ष बढ़ने की निंदा करते हुए संघर्ष विराम की अपील की। उनके प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने गुरुवार को एक बयान में कहा, सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, लाल सागर बंदरगाहों और यमन के बिजलीघरों पर इजरायली हवाई हमले विशेष रूप से चिंताजनक हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में की जेक सुलिवन से मुलाकात

वाशिंगटन (हि.स.)

भारतीय विदेशमंत्री डॉ एस जयशंकर ने शुक्रवार को यहां व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी प्रमुख जेक सुलिवन से भेंट की। दोनों ने भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर व्यापक करने के साथ वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया। डॉ जयशंकर ने अपनी एक्स हैंडल पोस्ट पर मुलाकात का फोटो और संक्षिप्त विवरण साझा कर लिखा, आज सुबह वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी एनएसए से मिलकर अच्छा लगा। इस समय विदेशमंत्री जयशंकर अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। उनका दौरा 29 दिसंबर को पूरा होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान जयशंकर संयुक्त राज्य अमेरिका में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुददे पर भारत के महावाणिज्य दूत के एक सम्मेलन की अध्यक्षता भी करेंगे। विदेशमंत्री का अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन और निवर्तमान बाइडन प्रशासन के अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है।

रजनीकांत ने डी गुकेश को भेंट की परमहंस योगानंद की 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी'

नवीन मेल डेस्क

रांची। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश हाल में अपने परिवार के साथ भारतीय सिनेमा के सुपर स्टार रजनीकांत से मिले। इस अवसर पर रजनीकांत ने उन्हें परमहंस योगानंदजी की 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी' पुस्तक भेंट में की।

18 वर्षीय गुकेश दोम्माराजू ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, सुपरस्टार @ रजनीकांत सर को आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और आमंत्रित करने, समय बिताने और हमारे साथ अपना ज्ञान साझा करने के लिए धन्यवाद! सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश की यह पोस्ट वायरल हो गई है। इसमें गुकेश सुपरस्टार रजनीकांत के साथ खड़े योगानंदजी की 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी' हाथ में लिए नजर आते हैं।

सर्वाधिक प्रशंसित गौरव ग्रंथों में से एक है 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी'

योगानंदजी की पुस्तक योगी कथामृत विश्व के सर्वाधिक प्रशंसित आध्यात्मिक गौरव ग्रंथों में से एक है। यह पुस्तक वर्ष 1946 में प्रकाशित हुई थी और जिसकी 75वीं जयंती मनाई जा चुकी है। 14 भारतीय भाषाओं सहित संपूर्ण विश्व की 50 से अधिक भाषाओं में यह पुस्तक अनुवादित है। यह पुस्तक श्री श्री परमहंस योगानंद का जीवन वृत्तांत, आधुनिक युग की एक महान आध्यात्मिक विभूति का चित्ताकर्षक वर्णन होने के साथ-साथ प्राचीन दर्शन एवं योग विज्ञान और ध्यान की परंपरा का एक गहन परिचय भी है।

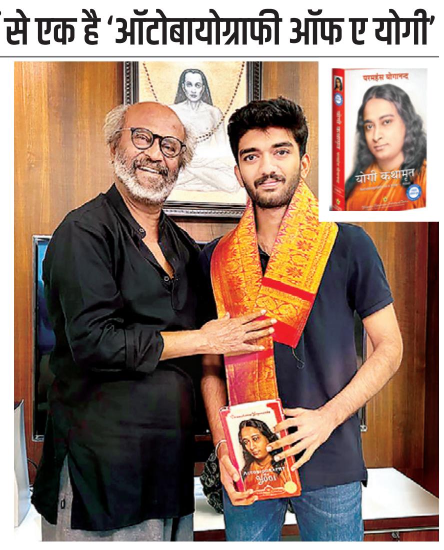

श्रद्धांजलि

सरहद के पार से 'मोहना' से मिलने आए थे अली

मनमोहन सिंह के बचपन के दोस्त लाए थे 'गांव की मिट्टी'

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और देश में आर्थिक सुधारों के जनक डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर से लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। एक वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर उनकी उपलब्धियों के बीच उनकी सौम्यता, सादगी और ईमानदारी भी याद की जाएगी। उनकी विरासत को अमरता प्रदान करने वाली कई कहानियों के बीच, वर्ष 2008 का एक मार्मिक क्षण फिर से लोगों को याद आ रहा है, जब सिंह और अपने बचपन के पाकिस्तानी दोस्त से मिले थे।

डॉ सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब क्षेत्र के एक गांव 'गाह' में हुआ था, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। वर्ष 1947 में विभाजन के कारण उनका परिवार अपने पैतृक घर और दोस्तों को पीछे छोड़कर भारत आ गया। वर्ष 2004 में जब डॉ सिंह ने भारत के प्रधानमंत्री का पद संभाला, तो यह खबर पाकिस्तान में उनके गांव तक पहुंची। उनके पुराने सहपाठी राजा मोहम्मद अली के मन में उनसे फिर से मिलने की इच्छा जागी। विभाजन से पहले दोनों घनिष्ठ मित्र थे। वह डॉ सिंह को उनके बचपन के उपनाम 'मोहना' कहकर पुकारते थे। दोनों एक ही प्राथमिक स्कूल में साथ-साथ पढ़ते थे। मई 2008 में, दोनों दोस्तों का फिर से दिल्ली में मिलन हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री सिंह ने अली की मेजबानी की। सत्तर के दशक में पहुंच चुके दोनों लोगों ने नम आंखों से यादें साझा कीं। अली अपने पैतृक गांव से मिट्टी और पानी लेकर आए थे और सिंह को 'गाह' की एक तस्वीर भी भेंट की। उन्होंने डॉ सिंह को एक 100 साल पुराना शॉल और उनकी पत्नी गुरशरण कौर को दो कढ़ाईदार सलवार कमीज सूट भी भेंट किए। बदले में, भारतीय प्रधानमंत्री ने अली को एक पगड़ी, एक शॉल और टाइटन घड़ी का सेट भेंट किया। उस बैठक के दो वर्ष बाद, वर्ष 2010 में, अली की 78 वर्ष की आयु में पाकिस्तान के चकवाल जिले में मृत्यु हो गई।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वो 92 साल के थे। उन्हें गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह लगातार दो कार्यकाल के लिए, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। नब्बे के दशक की शुरुआत में दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्त मंत्री के रूप में डॉ सिंह ने आर्थिक सुधारों के जरिए नया जीवन दिया। डॉ सिंह के कामों ने एक ऐसी जमीन तैयार की, जिस पर चलकर भारत आज दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

फिल्मी सितारों ने दी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि, कहा

असाधारण नेता को नमन

मुंबई (आईएएनएस)

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने शोक जताया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर आयुष शर्मा, मनोज मुंतशिर, सामंथा रुथ प्रभु, करण जौहर, माधुरी दीक्षित, रितेश देशमुख, अनु कपूर समेत अन्य सितारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता अनु कपूर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मनमोहन सिंह जी की पुण्य स्मृति को मैं नमन करता हूं और श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवार को धैर्य दे। भगवान उन्हें कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करे। माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर लिखा, डॉ मनमोहन सिंह की जर्नी और देश के प्रति उनकी सेवा सच्ची बुद्धिमत्ता और शालीनता को दर्शाती है। उनका नेतृत्व हमें याद दिलाता है कि शांत दृढ़ संकल्प पहाड़ों को भी हिला सकता है। एक असाधारण नेता और उससे भी अधिक असाधारण इंसान। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दिशा पटानी ने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को बदल दिया। उनकी बुद्धिमत्ता और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। देश उन्हें बहुत याद करेगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, एक विद्वान-राजनेता, भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार, उनकी बुद्धि और विनम्रता ने हमारे राष्ट्र के ताने-बाने पर एक अमिट छाप छोड़ी। डॉ मनमोहन सिंह जी की आत्मा को शांति मिले।

लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर ने लिखा, मध्य वर्ग के हाथ में पहली बार पैसा तब देखा गया, जब देश की अर्थव्यवस्था मनमोहन सिंह के हाथों में थी। हम जैसे साधारण परिवारों का जीवन स्तर, ओपन इकॉनमी ने पूरी तरह बदलकर रख दिया था। आप चिर-निद्रा में विलीन हो गए, लेकिन हमारी अंतरात्मा में सदैव जागते रहेंगे। रितेश देशमुख ने लिखा, आज हमने भारत के सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्रियों में से एक को खो दिया। वह व्यक्ति जिसने भारत की आर्थिक वृद्धि को गति दी। वह गरिमा और विनम्रता के प्रतीक थे। हम हमेशा उनकी विरासत के ऋणी रहेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। धन्यवाद, मनमोहन सिंह जी। मनोज बाजपेयी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से दुखी हूं। एक ऐसा राजनेता, जिसका हमारे देश के विकास के हर पहलू में योगदान रहा, उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना।

अभिनेता संजय दत्त ने शोक जताते हुए लिखा, डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं। भारत के लिए उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। अभिनेता सनी देओल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट साझा कर लिखा, भारत के आर्थिक उदारीकरण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दूरदर्शी नेता डॉ मनमोहन सिंह के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। देश के विकास में उनकी बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

कॉमेडियन-अभिनेता कपिल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा, भारत ने आज अपने बेहतरीन नेताओं में से एक को खो दिया। भारत के आर्थिक सुधारों के निमार्ता और ईमानदारी तथा विनम्रता के प्रतीक डॉ मनमोहन सिंह अपने पीछे प्रगति और उम्मीद की विरासत छोड़ गए हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, समर्पण और दूरदर्शिता ने हमारे देश को बदल दिया। आपके योगदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन से गहरा दुख हुआ, जिनके गरिमामय नेतृत्व और भारत के आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका ने देश को बदल दिया। उनकी बुद्धिमत्ता और ईमानदारी को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। नेता-अभिनेता रवि किशन ने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की दुखद खबर मिली।

मनमोहन सिंह के निधन पर कई देशों के नेताओं ने शोक जताया

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर विश्व के कई देशों के नेताओं ने गहरा शोक जताया है। अमेरिका, कनाडा, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, अफगानिस्तान सहित पड़ोसी देशों के नेताओं ने सिंह को याद किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सिंह के निधन पर भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में डॉ सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने शोक संदेश में कहा कि वह असाधारण बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और ज्ञान के धनी थे। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सिंह के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा कि सिंह के निधन की खबर से दुख हुआ। वह मालदीव के अच्छे मित्र और उनके लिए पिता तुल्य थे। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने डॉ सिंह को एक दूरदर्शी अर्थशास्त्री और भारत के आर्थिक उदारीकरण का निमार्ता बताया। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा कि भारत ने अपने सबसे शानदार बेटों में से एक को खो दिया। डॉ सिंह अफगानिस्तान के अटूट सहयोगी और मित्र रहे हैं।